सेंसेक्स	82,055.11
निफ्टी	25,044.35
सोना	99220
चांदी	1,09,000
डॉलर	85.93

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 25 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 270
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

तमिल एक्टर श्रीकांत ड्रग्स केस में गिरफ्तार

चेन्नई(ईएमएस)। तमिल एक्टर श्रीकांत को ड्रग्स से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को उनकी गिरफ्तारी चेन्नई की नुंगम्बक्कम पुलिस ने की। पुलिस का कहना है कि श्रीकांत ने एक ड्रग नेटवर्क से कोकीन खरीदी थी। इस नेटवर्क में एक घानाई नागरिक भी शामिल है, जिसे हाल ही में पकड़ा गया है। इस केस में एक और एक्टर कृष्णा का नाम भी सामने आया है, जिसके इस समय केरल में होने का संदेह है। चेन्नई पुलिस के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया कि श्रीकांत हाल ही में गिरफ्तार तीन ड्रग अपराधियों के लगातार संपर्क में था। जांच में पता चला है कि श्रीकांत ने कोकीन खरीदी और उसका सेवन भी किया। मामले की जांच जारी है।

देशभर में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 शुरू

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश के पासपोर्ट अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) के अगले चरण और देशव्यापी ई-पासपोर्ट सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर भारत और विदेश में सभी पासपोर्ट अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मार्गदर्शन में आपके सराहनीय प्रयास यात्रा को आसान बनाने, वैश्विक कार्यस्थल तक पहुंच को गहरा करने और नागरिकों को सशक्त बनाने में सहायक हैं। पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 और ई-पासपोर्ट की शुरुआत के साथ विदेश मंत्रालय हमारी पासपोर्ट सेवाओं की समयबद्धता, पारदर्शिता और पहुंच को पहले बेहतर बेहतर बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

देशभर में कोरोना के केस बीते 2 हफ्ते में घटे

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के केस बीते 2 हफ्ते में घटे हैं। 12 दिन में 3000 से ज्यादा सक्रिय केस कम हुए हैं। 12 जून को देशभर में 7131 सक्रिय केस थे, जिनकी संख्या घटकर 4089 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में केवल 7 नए मामले सामने आए हैं। 336 मरीज ठीक होकर घर लौट गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से जनवरी 2025 से अब तक 127 की मौत हुई है। बीते 24 घंटे में 3 मरीजों की जान गई है। सबसे ज्यादा 40 मौतें केरल में हुई हैं। वहीं महाराष्ट्र में 33 लोगों की जान गई है। स्वास्थ्य जानकार ने कहा कि अब कोविड एक एंडेमिक (स्थायी रूप से मौजूद) बीमारी है। यह अब कोई बड़ी या गंभीर खतरे वाली बीमारी नहीं रह गई है। हर किसी को बुखार, खांसी या सर्दी होने पर कोविड टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है।

2024 अब तक के 10 सबसे गर्म सालों में शामिल

नई दिल्ली। क्लाइमेट को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। इसमें बताया गया है कि एशिया, वैश्विक औसत की तुलना में करीब दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। साल 2024 में दुनिया का औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व इंडस्ट्रियल एरा से 1.55 ज्यादा रहा। साल 2023 के 1.45 डिग्री ज्यादा तापमान का रेकार्ड तोड़ते हुए, यह अब तक का सबसे ज्यादा गर्मी वाला साल रहा है। बता दें बढ़ती गर्मी इस वैज्ञानिक आकड़े को सही साबित कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी

भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है।

वन अर्थ, वन हेल्थ यानी एक धरती एक स्वास्थ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अभी हाल ही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी- वन अर्थ, वन हेल्थ यानी एक धरती एक स्वास्थ्य। इससे पहले भी भारत ने विश्व कल्याण के लिए वन वर्ल्ड, वन हेल्थ जैसे पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने जी20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखा था- ववन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

श्री नारायण गुरु महान संत थे

पीएम मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे।

विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए ऊर्जा के स्रोत की तरह

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग के लिए, निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं।

इमरजेंसी के दौरान संविधान में इतने बदलाव किए गए कि इसे मिनी संविधान बताया गया - अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान (इंदिरा) गांधी ने संविधान में इतने बदलाव किए कि इसे मिनी संविधान बताया गया। संविधान की प्रस्तावना बदल दी, आर्टिकल 14 बदल दिया, 7वां शेड्यूल बदल दिया।40 अलग कानून बदल दिए गए। नए अनुच्छेद डाले गए। नए खंड डाले गए और 45वां संविधान संशोधन ने तो इतिहा ही कर दी। संविधान के मूल स्वरूप को ही बदल दिया।

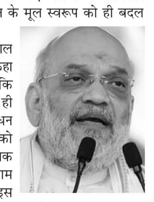

नई दिल्ली में आपातकाल के 50 साल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि इससे न्यायपालिका क्षुब्ध हो गई क्योंकि न्यायपालिका में न्याय देने वाले पहले ही अपने अनुकूल बनाकर रखे हुए थे। संशोधन के 59वें खंड ने सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को भी छीन लेने का काम किया। लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म करने का काम किया। एजेंसियों का दुरुपयोग किया। इस काम को इस देश की जनता कभी नहीं भुला सकती।

शाह ने आगे कहा कि इसी को देखते हुए मोदी सरकार ने फैसला किया है कि हम संविधान हत्या दिवस मनाएंगे क्योंकि ये पूरे देश की हमेशा के लिए स्मृति में रहना चाहिए कि जब लोकतांत्रिक तरीके से चुनकर कोई व्यक्ति तानाशाह बनता है, तो देश को कैसे दुष्परिणाम भोगने पड़ते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने संविधान संशोधनों पर पूर्व कांग्रेस सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 38वां संशोधन किया गया। अनुच्छेद 130 और 213 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल के अधिकार बढ़ाए गए। 352(5) आपातकाल की उद्घोषणा को न्यायिक मीमांसा (जुडिशल रिव्यू) से परे कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि 39वां संशोधन, 329ए अनुच्छेद प्रधानमंत्री को जुडिशल रिव्यू के बाहर कर दिया गया। इसमें राष्ट्रपति, स्पीकर, उपराष्ट्रपति का भी जिक्र किया। शाह ने इंदिरा गांधी को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि उनका मूल उद्देश्य था, प्रधानमंत्री को न्यायिक मीमांसा के बाहर करना। दो-चार नाम तो ऐसे ही जोड़ दिए, इतनी तो शर्म उन्होंने रखी थी।

शाह ने कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आपको क्या अधिकार है, लोकतंत्र पर सवाल उठाने का। आप किस पार्टी के साथ बैठे हो। जिस पार्टी ने देश में लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया था। संविधान का जो दुरुपयोग हुआ, वो एक दुःस्वप्न की तरह भारत की डेमोक्रेसी को हमेशा याद रहेगा।

संसद की स्थायी समिति की बैठक में उठा सवाल, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं

नई दिल्ली। सरकारी आवास पर भारी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के मामले में फंसे हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला मंगलवार को संसद की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। समिति के सदस्यों ने पूछा कि मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा के दौरान समिति के सदस्यों ने वीरस्वामी मामले की समीक्षा का सुझाव दिया। इसके अलावा समिति ने जजों के लिए आचार संहिता बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद लेने के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि के बारे में भी सुझाव दिया।

संसदीय समिति ने यह चर्चा उस समय की है, जब अगले महीने संसद के मॉनूसन सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी हो रही है।

राज्यसभा में इस समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजलाल हैं और इसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई (जो एक मनोनीत सांसद हैं), पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी, तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक तन्खा और द्रमुक के पी विल्सन तथा ए राजा प्रमुख सदस्य हैं।

जहां जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलाने की संभावना है, वहीं विपक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ भी इसतरह की कार्रवाई के लिए पहले ही नोटिस दे चुका है।

राज्यसभा सचिवालय उन सांसदों के हस्ताक्षरों का भी सत्यापन कर रहा है, जिन्होंने जस्टिस यादव के खिलाफ कथित नफरती भाषण को लेकर महाभियोग नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सचिवालय पहले ही सांसदों को उनके हस्ताक्षरों की पुष्टि के लिए पत्र लिख चुका है।

ईरान-इजराइल युद्ध के चलते देशभर में 60 से अधिक फ्लाइट कैंसिल

दिल्ली एयरपोर्ट की 48 उड़ानें रद्द, 4 राज्यों में भी उड़ानें प्रभावित; मिडिल-ईस्ट देशों में एयरस्पेस बंद

दिल्ली। ईरान-इजराइल युद्ध का असर भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ रहा है। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। इनमें 28 फ्लाइट दिल्ली आने और 20 दिल्ली से रवाना होने वाली थीं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं। वहीं, अमृतसर एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली फ्लाइट स्त्र-55 भी रद्द हुई है।

दरअसल, 23 जून की रात को ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 6 मिसाइलें दागीं। इसके बाद कतर, बहरीन, यूएई, इराक और कुवैत ने अपना एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया।

जमानत के लिए रकम की पेशकश कर पलटना न्यायिक प्रक्रिया के साथ धोखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पाने के लिए पहले स्वेच्छा से बड़ी रकम जमा करने का प्रस्ताव देने और बाद में उससे पलटने की रणनीति को न्यायिक प्रक्रिया के साथ धोखा बताया है। जस्टिस के वी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अब आम हो गया है और इससे अदालतें मामलों की गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करने से वंचित रह जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि हम न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता के प्रति सजग हैं। जमानत के आदेश के लिए अपनाई गई किसी चालबाजी को हम स्वीकार नहीं करेंगे। पीठ ने जोर देकर कहा कि जमानत की शर्तों की कठोरता को लेकर शिकायत करना तब अनुचित है, जब खुद ही उसकी पेशकश की गई हो।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में 11 हुए बीमार, मचा हड़कंप

मुंबई। लगता है कि एविएशन कंपनियों की ग्रहदशा ठीक नहीं चल रही है। आए दिन कुछ न कुछ चुनौतिया आ रहीं हैं। यात्री भी डरे हुए और कई लोगों ने हवाई सफर को होल्ड कर दिया है।

लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में अचानक 5 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य समेत 11 लोग बीमार पड़ गए, जिससे विमान के अंदर हड़कंप मच गया। सभी ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब विमान के विभिन्न चरणों में यात्रियों और क्रू मेंबरों ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की।

एयर इंडिया ने बताया कि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी बीमार यात्रियों को मेडिकल जांच के लिए तुरंत मेडिकल रूम में ले जाया गया। बाद में उनका स्वास्थ्य ठीक पाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। कंपनी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित विमानन सुरक्षा नियामक अधिकारियों को भी सूचित कर दिया है।एयर इंडिया के बयान के अनुसार, यह समस्या फ्लाइट नंबर एआई 130 में सामने आई, जो लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भर रही थी। विमान के उतरते ही एयर इंडिया की मेडिकल टीम ने तत्परता दिखाते हुए यात्रियों और क्रू को तुरंत सहायता प्रदान की। फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई गई है, लेकिन कंपनी ने इस घटना के कारणों की पूरी जांच का आश्वासन दिया है। इसी दिन एक और एयरलाइन से जुड़ी खबर आई, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई जाने वाली फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण रद्द करना पड़ा। फ्लाइट आईएक्स-195, जो सुबह 5:30 बजे जयपुर से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, टेकऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी के चलते चल नहीं पाई। विमान बोर्डिंग के बाद टैक्सी-वे तक पहुंचा, लेकिन कैप्टन को खराबी का पता चलते ही विमान को ठीक करने की कोशिशें शुरू हुईं। करीब 4 घंटे तक प्रयास करने के बाद भी खराबी दूर नहीं हो सकी, जिसके कारण फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। इस दौरान विमान में बैठे यात्रियों को काफी इंतजार करना पड़ा और फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना मिलने पर एयरलाइन ने उन्हें आने वाले दिनों में टिकट की वापसी या फिर नए टिकट बुक कराने का विकल्प दिया।

लालू के बड़े लाल बनेंगे कॉमर्शियल पायलट, विमान उड़ाते नजर आएंगे

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव अब विमान उड़ाते दिख सकते हैं। एविएशन क्षेत्र में रुचि रखने वाले तेजप्रताप को उड्डयन प्रशिक्षण निदेशालय की परीक्षा में सफलता मिली है। 18 कैंडिडेट्स परीक्षा में पास हुए हैं। इसमें तेजप्रताप का भी नाम है। उनका कॉमर्शियल पायलट की ट्रेनिंग के लिए चुनाव हुआ है। तेजप्रताप लंबे समय से एविएशन फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तेज प्रताप ने पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की थी कि उन्हें भी देश की सेवा करने का मौका दें। तेजप्रताप ने फोटो शेयर की। इसमें वे पायलट की सीट पर बैठे दिख रहे हैं। फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी एक बार देश की सेवा करने का मौका दीजिए। तेजप्रताप ने पोस्ट में लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री जी, वंदे मातरम। विपदा की इस घड़ी में हम समस्त देशवासी एक साथ हैं। मैं, तेजप्रताप यादव, बतौर वायुयान चालक भी अपने दायित्वों का निर्वाह करने में सक्षम हूं। सीमा पर सुरक्षा प्रहरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शत्रुओं के नापाक इरादों को नेस्तनाबूत करने की प्रबल इच्छा रखता हूं। आप से अनुरोध है कि हम नागरिकों को भी भारत माता की सेवा करने का मौका दिया जाए।

साइबर अपराधियों के खिलाफ नजरबंदी आदेश की सुपीम कोर्ट ने की तारीफ

तमिलनाडु में साइबर अपराध रोकने प्रिवेंटिव डिटेंशन कानूनों का हो रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन कानूनों के इस्तेमाल में तमिलनाडु के अपनाए गए रवैये की तारीफ की है। जस्टिस संदीप मेहता ने एक आरोपी के खिलाफ जारी नजरबंदी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को सोमवार को सुनवाई के दौरान तारीफ में एक टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह राज्य की ओर से एक अच्छी प्रवृत्ति है कि साइबर कानून के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रोकथाम नजरबंदी कानूनों का प्रयोग किया जा रहा है। सामान्य आपराधिक कानून इन अपराधियों के खिलाफ प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं।

सुनवाई के दौरान राज्य की तरफ से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने जवाबी हलफनामा दायर किया है। कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह उस हलफनामे को रेकॉर्ड पर ले और उसकी सॉफ्ट कॉपी अपलोड करे। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी। अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो नजरबंद किए गए अभिजीत सिंह के पिता ने दायर की थी। यह याचिका मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ थी। याची ने दलील दी कि यह नजरबंदी अवैध है और संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करती है। नजरबंद व्यक्ति जो दिल्ली में रहता है वह पंजाब का निवासी है उसको 25 जुलाई 2024 को उसे गिरफ्तार किया गया था।

बता दें मामला भानुमति नामक एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसमें 84,50,000 की साइबर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। इसमें से 12,14,000 कथित रूप से नजरबंद व्यक्ति के एक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। पुलिस के मुताबिक जांच में सामने आया कि अभिजीत सिंह ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर चार कंपनिया बनाई थीं और धोखाधड़ी से मिले पैसे को इधर-उधर करने के लिए कई बैंक खाते खोले थे।

राहुल ने फिर उठाया चुनाव में धांधली का मसला, चुनाव आयोग बोला

कोई मुद्दा है तो हम मिलने को तैयार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली के उनके आरोपों पर औपचारिक रूप से पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सभी चुनाव संसद की ओर से पारित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे चुनाव अभ्यास में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है, जिसमें राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं।

एक प्रमुख दैनिक में उनके लेख के जवाब में 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है। इसमें आयोग की ओर से नियुक्त 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में कांग्रेस के 28,421 सहित राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों की ओर से 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता से कहा गया, हमारा मानना है कि चुनाव संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा। चुनाव प्राधिकरण ने कहा, यदि आपके पास अभी भी कोई मुद्दा है, तो आप हमें लिख सकते हैं और आयोग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए भी तैयार है।

राहुल ने फिर उठाया चुनावों में अनियमितताओं का मुद्दा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं का दावा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि कुछ गड़बड़ियां नहीं थीं, बल्कि वोटों की चोरी थी। उन्होंने मशीन-पठनीय डिजिटल मतदाता सूची के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में नागपुर दक्षिण पश्चिम भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की सीट पर 29,219 नए मतदाता जुड़े।

मानसूनी बारिश ने फिर खोली नपा की पोल

जगह जगह देखा गया जल जमाव, नपा ने नही की पानी निकासी की व्यवस्था

नपा अध्यक्ष के वार्ड नं 10 के मकानों में घुसा नालियों का गंदा पानी : तो गुजरी वासियो ने जल जमाव होने पर जताया आक्रोश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हर साल की तरह इस साल भी मानसूनी बारिश ने नगरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।जहां नागरिक पानी निकासी की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान देखे जा रहे हैं। मंगलवार शाम को हुई मानसूनी बारिश ने एक बार फिर से नगरपालिका की पोल खोल कर रख दी है। जहां बरसात के पूर्व पानी निकासी के इंतजाम किए जाने वाले नपा के सभी दावे एक बार फिर खोखले नजर आ रहे हैं।वही सुविधाओं के नाम पर करोड़ो रुपयो का टैक्स वसूल करने वाली नगर पालिका न तो पर्याप्त नालियों व नालों का निर्माण करा पा रही है और ना ही पूर्व में बनाए गए नालों व नालियों की साफ सफाई करा पा रही है जिसके चलते पूर्व की भांति नगर वासियों में नपा के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है जो बरसात के पानी की उचित निकासी व्यवस्था बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

नपा अध्यक्ष के वार्ड नं 10 के कई घरों में घुसा पानी

शाम को हुई इस बारिश ने नगर के निचले इलाकों में रहने वाले लोगो की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जहां के नागरिक पानी निकासी की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान देखे जा रहे हैं। जहां पानी निकासी की व्यवस्था न होने और नालियों की व्यापक साफ सफाई ना होने के चलते अक्सर बारिश में नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों से होता हुआ लोगों के घरों में घुसने लगता है। जिसका एक नजारा मंगलवार की शाम नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर में देखने को मिला। जहां इस मानसूनी बारिश से नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर के निचले इलाकों में पानी भर गया तो वही नालियों की साफ सफाई के उचित इंतजाम न होने के चलते नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों से बहता हुआ नजर आया। तो वही पानी निकासी की व्यवस्था नहीं बनाए जाने के कारण वही गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया।आपको बताए कि नगर का वार्ड नं 10, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर का निवास स्थान है।जिनके वार्ड की सुराना कालोनी के सामने वाली गली और घोड़ा गली में भारी जल जमाव देखने को मिल रहा है। वही इन दोनों गलियो को मिलाकर नाली का गंदा पानी सड़क से बहता हुआ करीब 30 से 40 घरों में घुसने की बात स्थानीय लोगो द्वारा कही जा रही है।

विकास दावों की खुल रही पोल, उड़ रही किरकिरी

मंगलवार शाम हुई बारिश के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तो वही इस बारिश ने नगर पालिका के विकास दावों की भी पोल खोल कर रख दी है।जिससे नपा की हर तरफ किरकिरी उड़ रही है।जहां नगर पालिका द्वारा पिछले दिनों वार्ड नंबर 10 में पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने का दावा किया गया था।जहा नपा के सभी दावे एक बार फिर खोखले नजर आए। वही सुविधाओं के नाम पर करोड़ो रुपयो का टैक्स वसूल करने वाली नगर पालिका न तो पर्याप्त नालियों व नालों का निर्माण करा पा रही है और ना ही पूर्व में बनाए गए नालों व नालियों की साफ सफाई करा पा रही है जिसके चलते पूर्व की भांति वार्डवासियों में नपा के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है।जो बरसात में जल जमाव की समस्या से मुक्ति दिलाने और पानी निकासी की उचित व्यवस्था बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।साथ ही साथ वार्डवासियों ने पक्की सड़क, पक्की नाली, और नालों का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की हैं।

गुजरी बाजार के हाल भी बे-बेहाल

बात अगर नगर के सब्जी बाजार गुजरी की करें तो गुजरी बाजार भी जल जमाव की समस्या से अछूता नहीं है।जहां से गुजरने वाले नाले की साफ सफाई न होने के चलते,नाले में कचरा भरा हुआ है।जिससे पानी की निकासी नहीं हो रही है। जिसके कारण नालियों का पानी सड़कों से बहता हुआ नजर आ रहा है। स्थानीयजन बता रहे हैं कि करीब 5 वर्षों से

नगर पालिका ने नाले की साफ सफाई नहीं की है जिसके चलते स्थानीय लोगों की दुकानों में बारिश का पानी घुस जाता है।यह कोई पहली बार नहीं है कि जब लोगों के घर और दुकानों में पानी घुसा हो बल्कि यह नजारा हर साल नगर के गुजरी में देखने को मिल रहा है।

जल भराव की समस्या से नही मिल रही निजात

उधर इस बारिश से नगर के विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली जहां ना केवल नगर के निचले क्षेत्रों में जगह-जगह पानी भरा नजर आया बल्कि नगर के विभिन्न चौक चौराहों सहित मुख्य मार्गों में भी नालियों का पानी सड़कों से बहता रहा। इस बारिश में एक बार फिर नपा के बारिश के पूर्व किए गए तमाम इंतेजामो की ना सिर्फ पोल खोल दी है बल्कि नगर के वार्ड नं 1,2 3,4,10, 13, 21और वार्ड नं 26 सहित अन्य वार्डो नपा की बद इंतजामी साफ देखी जा रही।सिर्फ निचले इलाकों में ही नही बल्कि नगर के प्रमुख चौक चौराहो, व मार्गो में भी जल जमाव की स्थिति जस की तस नजर आ रही है।जिससे नगरवासियों में भी नपा के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है।

आश्वासन के भरोसे चल रहा नपा का काम

नगर के ऐसे कई इलाके हैं जिसमें हमेशा जलजमाव की स्थिति देखी जाती है। बरसात के दिनों में कई घरों और मोहल्लों में पानी भरता है ऐसे जगहों को अब तक नगरपालिका चिन्हित नहीं कर पाई है और हर साल इन जगहों पर जलजमाव की स्थिति नजर आती है अब जनता भी सवाल पूछने लगी है कि आखिर नगर पालिका पानी निकासी की व्यवस्था बनाकर जलजमाव की इस मुसीबत से उन्हें कब छुटकारा दिलाएगी। क्यो की बरसात के पहले हो या बारिश के बाद नपा का काम हमेशा आश्वासन पर चलता रहता है।जहा नपा पानी निकासी की व्यवस्था के नाम पर आश्वासन पर आश्वासन देती रहती है और सिर्फ कागजो में पानी निकासी का मैप तैयार कर,पानी निकासी की व्यवस्था करने का ढिंढोरा पीटती रहती है और हर साल नपा के दावों की हकीकत बारिश होते ही दिखाई देने लगती है।

टैक्स भरने के बाद भी वार्डवासियों को नही मिल रही मूलभूत सुविधा

वार्डवासियों ने बताया कि पिछले कई दशकों से वार्ड नं 10 में जलजमाव की स्थिति देखी जा रही है। पिछली बार तो वार्डवासियों से इसका जमकर विरोध भी किए था।लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब भी पहले की तरह पानी भर रहा है।ना तो नाली का निर्माण कराया गया ना ही पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है। टैक्स भरने के बाद भी हमें सुविधा नहीं मिल रही है नगर पालिका ने यहां की नालियों को गहरी कर उसका पक्का निर्माण कराना चाहिए। लेकिन नगरपालिका को तो पूरा साल व्यवस्था बनाने में लग जाता है लेकिन कुछ भी कार्य नगर पालिका द्वारा नहीं किया जाता।

सिर्फ कागजो बना रहे पानी निकासी की व्यवस्था-

वार्डवासियों ने बताया कि यहां बारिश का पानी जमा होना बरसों पुरानी समस्या है करीब 30-35 वर्षों से जलजमाव की स्थिति देखी जा रही है कभी भी इस समस्या का हल नगर पालिका द्वारा नहीं निकाला गया है। केवल कागजों में ही नगर पालिका ने पानी निकासी के इंतजाम किए हैं। कई बार आश्वासन मिले पर जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ ।यहां जलजमाव की स्थिति अक्सर नजर आती है।इसमें नपा प्रशासन की पूरी लापरवाही है। क्योंकि उन्होंने जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं किया है और केवल आश्वासन पर आश्वासन देने का काम नगर पालिका द्वारा किया जा रहा है। जलजमाव कि यह समस्या आजकल की नहीं है बल्कि पिछले कई वर्षों से बनी हुई है।

सभी ने दो-दो फीट की दीवार घर के सामने बनाई है- फिरोज खान

नगर के वार्ड नंबर 10 निवासी फिरोज खान ने बताया कि वह 1994 से वार्ड नंबर 10 में रह रहे हैं यहां गंदगी और पानी निकासी की सबसे ज्यादा समस्या है. पक्की नालियों का निर्माण न होने के चलते हर बरसात में यहां जल जमाव की स्थिति बनती है। लोगों के घरों में पानी घुस जाता है। लोगों ने गंदा पानी अपने घरों में घुसने से बचाने के लिए घर के सामने दो-दो फीट की ईंट की दीवार उठा ली हैं।फिर भी इतना अधिक जल जमाव होता है कि लोगों के घरों में पानी घुस जाता है। घुटने तक पूरे मोहल्ले में पानी भर गया है।

करीब 5 वर्षो से नहीं हुई नाले की सफाई, दुकानों में घुस गया पानी- सागर

गुजरी बाजार के हालातों पर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय दुकानदार सागर ने बताया कि गुजरी बाजार से होकर गुजरने वाले नाले की साफ सफाई नहीं हुई है। करीब 5 वर्षों से नाले में कचरा भरा हुआ है। जिसके चलते अक्सर बारिश में यहां जल जमाव की स्थिति बन जाती है।वही नाले का गंदा पानी सड़कों से बहता हुआ लोगों की दुकानों में घुस जाता है।आज भी बारिश में नाले से निकलकर गंदा पानी सड़कों से बहता हुआ उनकी दुकान में घुस गया है। उन्होंने बताया कि करीब चार-पांच वर्षों से इस नाले की साफ सफाई नहीं की गई है नगर पालिका वालों को बोलो तो आकर देखते हैं और चले जाते हैं। लेकिन नाले की साफ सफाई व पानी निकासी की व्यवस्था नहीं बनाई जाती।

बोले थे मिठाई तैयार रखना, आज तक नही बनी पक्की नाली ,30 घरों में घुसा पानी- असलम

वार्ड नंबर 10 निवासी असलम खान ने बताया कि उनके मोहल्ले में नपा ने अब तक पक्की नाली नहीं बनाई है।यहां पिछले 25 से 30 वर्षों से जल जमाव हो रहा है।बारिश के पूर्व करीब 8 से 10 बार नगर पालिका में जाकर पक्की सड़क और पक्की नाली निर्माण की मांग की गई है। हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला है। यहां तक की नपा अध्यक्ष के पति ने पहले मई महीने में पक्की नाली व सड़क बनाने का आश्वासन दिया था। उसके बाद 15 जून से पक्की नाली का काम शुरू करने कहा था। बोले थे की मिठाई का पैकेट तैयार रखना 15 जून से पक्की नाली का काम शुरू हो जाएगा। आज 24 जून हो गया आज तक कोई काम नहीं हुआ। आज करीब 30 -40 घरों में बारिश का पानी घुस गया है। जबकि अभी बरसात की झड़ी भी नहीं लगी है। हम लोग हर साल टैक्स देते हैं लेकिन अब हमें सुविधा ही नहीं मिल रही है तो हम टैक्स देकर क्या करें इसीलिए हमने इस साल टैक्स भी जमा नहीं किया है।

मानसिक तनाव में महिला ने खाई कॉकरोच मारने वाली दवा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेलीथाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हीरापुर में इसी ग्राम की एक महिला ने घरेलू विवाद के मानसिक तनाव में आकर कॉकरोच मारने वाली कीटनाशक दवा का सेवन कर ली। कीटनाशक दवाई का सेवन करने से अस्वस्थ महिला पूर्णिमा पति अंकित सोनवाने 23 वर्ष ग्राम हीरापुर निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्णिमा सोनवाने घरेलू काम करती है। 3 वर्ष पहले पूर्णिमा ने अंकित सोनवाने से प्रेम विवाह की है। जिनका एक बच्चा भी है ।23 जून की शाम 7:00 बजे करीब पूर्णिमा का अपने पति अंकित सोनवाने के साथ काम करने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। जिससे पूर्णिमा मानसिक तनाव में थी और उसने किराना दुकान से कॉकरोच मारने की दवा लेकर आई और रात्रि 8:00 बजे पूर्णिमा ने कॉकरोच का पाउडर पानी में घोलकर पी ली। इसके कुछ देर बाद पूर्णिया से उसके पति अंकित सोनवाने ने पूछा कि क्या खाई, तब उसने बताई कि मैं कॉकरोच मारने वाली दवाई खाई हूं। जिसके बाद पूर्णिमा को उसके पति अंकित सोनवाने ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

बेटों द्वारा काम नहीं करने से परेशान कृषक ने खाया कीटनाशक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बच्चों द्वारा काम धंधा में हाथ नहीं बटाने से परेशान एक कृषक ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक

दवाई के सेवन से अस्वस्थ कृषक दशाराम पिता मंगल सिंह उइके 58 वर्ष ग्राम लेंडझरी थाना वारासिवनी में निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दशाराम उइके खेती किसानी करते हैं। 24 जून को सुबह 7:00 बजे दशाराम उइके ने अपने बच्चों से बोला कि तुम लोग काम धंधा नहीं करते हो और खेत के काम में हाथ भी नहीं बटाते इसी बात के टेंशन में आकर दशाराम। उइके ने घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। चक्कर और उल्टी आने पर दशाराम से उसकी पत्नी दुर्गा बाई ने पूछा तब उसने बताई कि उसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया है। जिसके बाद दुर्गाबाई ने पड़ोसी रामराज बाहेकर के साथ अपने पति दशाराम उइके को ऑटो से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की है।

स्वयं के व्यय पर पांच पुलिस कर्मचारी का बालाघाट स्थानांतरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश अनुसार प्रदेश के अन्य जिलों में पदस्थ पांच पुलिस कर्मचारियों को बालाघाट स्थानांतरित किया गया है। 27 मई 2025 के आदेश के परिपालन में शासकीय सेवकों को स्वयं के व्यव और निवेदन पर स्थानांतरण किया गया है। जिनमे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक तोप राम कुमरे जिला उमरिया से जिला बालाघाट, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक संजय दमाहे जिला सिवनी से जिला बालाघाट, आरक्षक धनेंद्र चौहान जिला नर्मदापुरम से बालाघाट, आरक्षक आशीष मेश्राम जिला नर्मदापुरम से बालाघाट, आरक्षक गणेश हनवत जिला सिवनी से बालाघाट स्थानांतरित किए गए हैं इसी प्रकार आरक्षक प्रियंका उइके जिला सिवनी से मंडला, आरक्षक चंद्र प्रकाश भवेदी पीटीएस उमरिया से जिला मंडला, आरक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह जिला जबलपुर से डिंडोरी, और आरक्षक मोहित राय जिला जबलपुर से मंडला स्थानांतरित किए गए हैं।

सीएमसीएलडीपी परीक्षा के पश्चात बीएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के छात्रों ने किया पौधारोपण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर की परिक्षा आज सम्पन्न हुई। जिसमें बीएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के छात्रों ने आज एक अनोखी पहल प्रारंभ करते हुए परीक्षा संपन्न के पश्चात एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अनिल कुमार संडे और सुरेंद्र कुमार भगत (विकासखंड समन्वयक) को पौधा भेंट कर पौधारोपण किया और पूरे महाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने का संकल्प भी छात्रों ने लिया। विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने बताया कि जन अभियान परिषद द्वारा संचालित पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं और गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से प्रत्येक गांव में वर्षा ऋतु में पौधों का रोपण करेगी। इसी कार्यक्रम के अवसर पर प्रकृति को हरा भरा रखने के लिए हम सबको मिलकर पौधारोपण करना चाहिए और सबसे अच्छा अवसर वर्षा कल का है इस समय लगाए गए सभी पौधे सफल हो होते हैं, जिसके कारण उन्हें संरक्षण और संवर्धन का करना आसान रहता।

पौधारोपण कार्यक्रम में परामर्शदाता राज ब्योत्रा, अंजू डोंगरे, सामाजिक कार्यकर्ता विजय चौधरी, गंगा पंचेश्वर, निधि ठाकरे, तनु ठाकरे, लुभानी क्षीरसागर, इंद्रकला पटले, कविता पटले, प्रथम दीक्षित, ऋतिक गौतम, प्रतीक खोबरागड़े, सपना मंडाले, शिवानी,पवन साखरे,गीता बोपचे, प्रीति वघाडे, सीमा डोंगरे, पायल भगत, रूपेंद्र, सहित अन्य छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

45 साल पहले खरीदी गई जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप

कृषक से एक महिला सहित तीन लोगों ने की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

मलाजखंड थाने के ग्राम रेहंगी का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेहंगी में एक कृषक द्वारा करीब 45 साल पहले खरीदी गई जमीन पर अवैध कब्जा कर खेती करने का आरोप लगाते हुए एक महिला सहित तीन लोगों ने इस कृषक को मारपीट कर दिये और उस जमीन तरफ दिखने पर जान से मार डालने की धमकी दे दिये। मलाजखंड पुलिस ने कृषक राजेंद्र सिंह पिता मोहन सिंह मेंरावी 70 वर्ष ग्राम रेहंगी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसी के ग्राम के तमन दास पनरिया राजा पनरिया और रेखा पनरिया के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र सिंह मेरावी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। करीब 45 साल पहले राजेंद्र सिंह मरावी ने अपने गांव के गांधीदास पनरिया से एक एकड़ जमीन 3हजार रुपये में खरीदा था और 45 साल से राजेंद्र सिंह मेरावी उस जमीन पर कृषि कार्य करते आ रहा था। किंतु अब गांधीदास पनरियाके परिवार के लोग राजेंद्र सिंह मेरावी द्वारा खरीदी गई उस जमीन पर उसके द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर खेती करने का आरोप लगा रहे थे। किसी को लेकर के राजेंद्र सिंह मेरावी और गांधीदास पनरिया के परिवार लोगों के बीच विवाद चल रहा था। 23 जून को सुबह 8:30 बजे करीब जब राजेंद्र सिंह मेरावी भी अपने घर से दुकान जा रहा था। उसी समय गांधीदास पनरिया के परिवार के राजा पनरिया, तमन दास पनरिया और रेखा बाई पनरिया , राजेंद्र सिंह मेरावी के पास आए और उसे बोलने लगे कि तू हमारी जमीन पर अवैध कब्जा करके खेती कर रहा है और तीनों, राजेंद्र सिंह मरावी को अश्लील गालियां देने लगे। राजेंद्र सिंह मेरावी ने इन लोगों को गाली देने से मना किया तो इन तीनों ने राजेंद्र सिंह मेरावी के साथ लामाझुमी कर उसे तीनो हाथ बुक्के से मारपीट किये तीनों ने राजेंद्र सिंह मेरावी को जमीन पर पटक दिए। इस घटना को देख राजेंद्र सिंह के दोनो बेटे महेंद्र मेरावी यदुकिशोर मेरावी बीच बचाव करने आए। तनम दास पनरिया, राजा पनरिया और रेखा बाई पनरिया द्वारा की गई मारपीट में राजेंद्र सिंह मेरावी घायल हो गया था। बीच बचाव के बाद भी इन लोगों ने राजेंद्र सिंह को जातिगत गालियां देते हुए बोले कि तुमने हमारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिये है। उस जमीन पर खेती छोड़ देना अन्यथा उस खेत तरफ घूमते दिखाई देने पर तीनो ने राजेंद्र सिंह मेरावी को जान से खत्म करने की धमकी दे दी ।मारपीट में घायल राजेंद्र सिंह मेरावी अपने बेटों के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल राजेंद्र सिंह मेरावी का इलाज और मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाया। प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने राजेंद्र सिंह मेरावी द्वारा की गई रिपोर्ट पर तमन दास पनरिया, राजा पनरिया और रेखा बाई पनरिया के विरुद्ध धारा 296,115,(2),351(3),3(5) भारत की न्याय संहिता 2023 और ।रा3(1)(द), 3(1)(ध) ,3(1)(1) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत अपराध दर्ज किये। जिसकी जांच थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह यादव द्वारा की जा रही है विवेचना शुरू की है।

24 जून को 15 ग्रामों में लगाया गया शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री जनजाति न्याय अभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून तक जिले में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में 24 जून को जिले के 15 ग्रामों में शिविरों का आयोजन कर उनके प्रमाण पत्र बनवाए गये और उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया।

24 जून को बैहर विकासखंड के ग्राम मुक्की, सिजोरा, अगंतरा, कुगांव, बिरसा विकासखंड के ग्राम साखा, सुजी, बिठली, टिंगाटोला, परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम बड़गांव, टिकरियॉ, खुरमुण्डी, बालाघाट विकासखंड के ग्राम प्रतापपुर, लालबर्रा विकासखंड के ग्राम लेंडेझरी, कटंगी विकासखंड के ग्राम चाकाहेटी तथा लांजी विकासखंड के ग्राम खजरी में शिविर आयोजित किया गया।

इन शिविरों में धरती आबा जन अभियान के अंतर्गत 14 आधार कार्ड, 35 आयुष्मान कार्ड, 50 जाति प्रमाण पत्र, 13 किसान क्रेडिट कॉर्ड,

24 पीएम किसान सम्मान निधि, 21 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रकरण बनाए गए तथा 129 व्यक्तियों की सिकल सेल एनीमियॉ स्क्रीनिंग की गई। इसी प्रकार पीएम जनमन अभियान के अंतर्गत 04 आधार कार्ड, 02 जनधन बैंक खाते तथा 30 व्यक्तियों की सिकल सेल एनीमियॉ स्क्रीनिंग की गई।

किराया से देना है
किराया/लीज पर देना है
1200 वर्गफुट ,हॉल
(2 हॉल) बैंक, ऑफिस,
शोरूम,अस्पताल, कार/
बाइक /शोरूम,गोदाम के
लिए सम्पर्क करें
पता-ताज कॉम्प्लेक्स नागपुर
हाईवे टच हाई स्कूल के
पास रामपायली 481335
-संपर्क-
7798392786

आवश्यकता है
मान्यता प्राप्त संस्थान में
- प्राचार्य/मेनेजर - 02 पद
- काउन्सलर/कार्यालय सहायक-03
- कम्प्युटर शिक्षक/व्याख्याता-05 पद
- कम्प्युटर लेंग्वेज शिक्षक - 04 पद
कम्प्युटर टैली/डीटीपी शिक्षक-03 पद
कम्प्युटर लैब/हार्डवेयर - 02 पद
सफाई कर्मचारी/भृत्य - 02 पद
संपर्क-यूनिवर्सल इंस्टीट्यूट
ऑफ टेक्नोलॉजी, भटेरा रोड, रेलवे क्रासिंग के के पहले बालाघाट, मो. 9406764413

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बुक कराई गई 13 एयर टिकट कैंसिल कराकर 73312 रुपए का किया गबन

इंडस ट्रेवल्स की संचालक रजनी सोनी के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली पुलिस ने बुक की गई एयर टिकट कैंसिल करा कर 73312 की धोखाधड़ी कर गबन करने के मामले इंडस ट्रेवल्स जबलपुर की संचालक रजनी सोनी के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। रजनी सोनी के विरुद्ध कोतवाली में यह शिकायत अमित पिता लक्ष्मण खुबचंदानी 40 वर्ष वार्ड नंबर 28 प्रेम नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित खुबचंदानी ने इंडस ट्रैवल जबलपुर से रजनी सोनी के माध्यम से 28 जनवरी 2025 को रायपुर (छत्तीसगढ़) से अमृतसर (पंजाब) जाने के लिए 12 दिसंबर 2024 को 13 एयर टिकट बुक कराई थी। जिसका पेमेंट 52312 रुपए अमित खुबचंदानी ने अपने पिता लक्ष्मण खुबचंदानी के बैंक खाते से रजनी सोनी के खाते में ट्रांसफर करवाए थे। बाकी 21000 रुपए अमित खुबचंदानी ने पहले से ही रजनी सोनी के पास जमा करवा दिए थे। कुल 73312 रुपए की 13 एयर टिकट बुक कराई गई थी। 28 जनवरी 2025 को जब अमित खुबचंदानी अपने परिवार के साथ रायपुर से अमृतसर जाने के लिए रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां पता चला कि 23 जनवरी 2025 को ही उक्त बुक कराई गई 13 टिकट कैंसिल कर दी गई थी। अमित खुबचंदानी ने बुक कराई गई 13 एयर

टिकट कैंसिल हो जाने के बाद उन्होंने उसी समय तत्काल में डेढ़ लाख रुपए

देकर अमृतसर के लिए एयर टिकट बुक कराये और अपने परिवार के साथ अमृतसर गए थे। अमित खुबचंदानी ने अमृतसर से वापस आकर जब रजनी सोनी से संपर्क कर टिकट कैंसिल करने के संबंध में पूछताछ किये तो रजनी सोनी के द्वारा कुछ दिनों में पैसा लौटा देने के संबंध में बोला गया था। बार-बार संपर्क करने पर भी रजनी सोनी के द्वारा कुछ दिनों बाद पैसा लौटा देने का हवाला देकर वह टालमटोल करते रही। किंतु रजनी सोनी ने आज तक अमित खुबचंदानी को रुपए वापस नहीं लौटाए। इस प्रकार रजनी सोनी जबलपुर निवासी के द्वारा धोखाधड़ी कर अमित खुबचंदानी के रायपुर से अमृतसर जाने बुक की गई 13 एयर टिकट को कैंसिल करके बुकिंग सेवा का पैसा हड़प लिया गया। अमित खुबचंदानी ने 23 जून 2025 को रजनी सोनी जबलपुर निवासी के विरुद्ध कोतवाली बालाघाट में शिकायत की थी। अमित खुबचंदानी द्वारा की गई शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने रजनी सोनी जबलपुर निवासी के विरुद्ध धारा 318(4), 316(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर अभाविप ने किया आपातकाल का पुतला दहन,

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों द्वारा विरोध स्वरूप आपातकाल का पुतला जलाया गया। उन्होंने बताया कि जो कांग्रेस आज संविधान बचाने की बात कर रही है उन्हीं के संगठन ने आपातकाल लगाते हुए आम जनों के अधिकारों का हनन किया था और आज वह विरोध स्वरूप आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आपातकाल का पुतला जला रहे हैं, ताकि कोई भी दोबारा इस प्रकार से आपातकाल लगाकर आम आदमियों के अधिकार का हनन ना करें। आपको बता दे कि 1975 से 1977 के 19 माह तक, तत्कालीन इंदिरा सरकार के देश में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण हो गए। जिसके विरोध में मंगलवार को सायंकाल 5 बजे, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बालाघाट इकाई जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व में पीजी कॉलेज के सामने आपातकाल का पुतला दहन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप

से महाकौशल प्रांत के सहमंत्री सुब्रत बांझल जैन मौजूद थे। इस दौरान कार्यकर्ता अपने हाथो में काली पट्टी भी बांधे थे। पुतला दहन से पूर्व काली पुतली चौक से आपातकाल का पुतला लेकर परिषद कार्यकर्ता रैली के माध्यम से पीजी कॉलेज के सामने पहुंचे और यहां पुतला दहन किया। प्रांत सहमंत्री सुब्रत बांझल जैन ने बताया कि तत्कालीन इंदिरा सरकार के कार्यकाल में 1975 से 77 तक 19 महिने का वह काली रात का वह दौर, देश की जनता और लोकतंत्र सेनानियों ने भुगता। इस दौरान सभी के अधिकार छिन लिए गए और उन पर तानाशाही पूर्वक, शासन किया गया। जिस आपातकाल के आज 50 वर्ष पूर्ण हो गए है। हम चाहते है कि ऐसा काला काल, कभी देश पर ना आए और देश का संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रहे। आपातकाल को लेकर गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज गांधी परिवार संविधान की दुहाई दे रहा है लेकिन उन्होंने ही आपातकाल के रूप में संविधान को खंडित करने काम किया। जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने बताया कि आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर इसके विरोध में अखिल भारतीय विधार्थी परिषद ने आपातकाल के पुतले की रैली निकालकर उसका दहन किया है। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मवेशी चराने गए दो कृषक आपस में भिड़े

घायल एक कृषक जिला अस्पताल में भर्ती, ग्रामीण थाने के ग्राम ओरमा के ठाकुर टोला की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम ओरमा के ठाकुर टोला में मवेशी चराने गए दो व्यक्ति आपस में भिड़ गए और दोनों ने एक दूसरे को हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए। इस मारपीट में अत्यधिक चोट लगने से घायल व्यक्ति रविंद्र पिता भागवत कटरे 46 वर्ष ग्राम ओरमा ठाकुर टोला निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविंद्र कटरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी दो लड़के और माँ है। रविंद्र कटरे के पड़ोस में ही धरमलाल टेम्भरे अपने परिवार के साथ रहते हैं। और वे भी खेती किसानी करते हैं। 22 जून को दोपहर में रविंद्र कटरे और धरमलाल टेम्भरे दोनों अपने घर के मवेशी चराने के लिए श्यामलाल कटरे के खेत तरफ गए थे और मवेशी चला रहे थे। तभी मवेशी श्यामलाल कटरे के खेत में

लगी खार में आ गए। मवेशी खार में जाने पर रविंद्र कटरे और धरमलाल टेम्भरे एक दूसरे के मवेशी खार में जाने का आरोप लगाने लगे और दोनों आपस में भिड़ गए। दोनों ने एक दूसरे गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट कर जान से मार डालने की। भी धमकी दे दी। इस मारपीट में रविंद्र कटरे और धरमलाल टेम्भरे दोनों चोटिल हो गए। अधिक चोट लगने से घायल रविंद्र कटरे को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया वहीं धरमलाल टेम्भरे जिन्हें मामूली चोट आई थी वे रिपोर्ट करने के लिए ग्रामीण थाना पहुंचे। ग्रामीण पुलिस ने धरमलाल टेम्भरे का इलाज मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर रविंद्र कटरे के विरुद्ध मारपीट का अपराध दर्ज का विवेचना शुरू की है। जिला अस्पताल पुलिस ने रविंद्र कटरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीरअग्रिम कार्रवाई हेतु ग्रामीण थाना भिजवा दी है। इस अस्पताल तहरीर की जांच की जा रही है।

डी.एम.एफ. फंड से आदिवासी क्षेत्रों में किए गए सभी निर्माण कार्यो की कराई जाए जांच

अभी से उखड़ने लगी 15- 20 लाख की लागत से 3 माह पूर्व बनाई गई सड़क, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) जिला बालाघाट इकाई ने प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण (डी.एम.एफ.) योजना के अंतर्गत कराए गए सभी निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। जिसमे उन्होंने डी.एम.एफ. फंड से आदिवासी क्षेत्रों में किए गए सभी निर्माण कार्यों में ठेकेदार से मिलीभगत कर शासकीय राशि का गबन और अनियमितता किए जाने का आरोप लगाया है। तो वही मामले की जांच व सम्बधितों पर वैधानिक कार्यवाही की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम जनसुनवाई में सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने पूर्व प्रभारी के कार्यकाल में किए गए कार्यों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष अंकुश चौहान ने बताया कि सम्बंधित

अधिकारी ने ठेकेदारों से मिलीभगत, कर घटिया निर्माण कार्य किया है जिसमे अभी से टूट फूट व बड़ी बड़ी दरारे नजर आ रही है। डी.एम.एफ. के तहत करोड़ों रुपये की राशि आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए स्वीकृत की गई, परंतु पूर्व प्रभारी द्वारा ठेकेदारों के साथ मिलीभगत कर, सड़क निर्माण जैसे कार्यों में भारी अनियमितता बरती गई है। वही अन्य कार्य मे भी गुणवत्ता का ध्यान नही रखा गया है सी.सी. सड़कों का निर्माण कार्य गुणवत्ता और मानकों के विपरीत किया गया, जिससे कई सड़कों की स्थिति कुछ ही महीनों में जर्जर हो गई है।

आदिवासी क्षेत्रों के साथ धोखा

ज्ञापन में बताया गया कि परसवाड़ा, बैहर, लांजी और बिरसा जैसे आदिवासी बहुल ब्लॉकों में इन योजनाओं का उद्देश्य मूलतः आदिवासियों को विकास से जोड़ना था, लेकिन आपसी साठगाठ के चलते सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। यह सरकार की मंशा के साथ सीधा विश्वासघात है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री खनिज कल्याण (डी.एम.एफ.) विभाग द्वारा कितनी ग्राम पंचायतों में सी.सी. सड़कों का निर्माण किया गया, इसका पूर्ण ब्यौरा सार्वजनिक करने, दुर्गम और सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जितनी सड़कें बनाई गई है उनका वर्तमान भौतिक सत्यापन कराने, आउटसोर्स उपयंत्री ठेकेदारों के साथ सांठगांठ कर ठेकेदारी कर है। जिसकी पूर्व में भी शिकायत हो चुकी है। इस पर निष्पक्ष और गहन जांच कराकर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

पेसा मोबिलाइजरों को नहीं मिला पांच महिनों से मानदेय,

भारतीय मजदूर संघ के साथ मोबिलाइजरों ने रैली निकाल कर किया प्रदर्शन ,सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पेसा मोबिलाइजरों को 5 महीने से मानदेय नहीं दिए जाने के कारण पेसा मोबिलाइजरों द्वारा जिला मुख्यालय में जमा होकर प्रदर्शन किया गया। यहां मोबिलाइजरों द्वारा सर्वप्रथम स्थानीय काली पुतली चौक में जमा होकर यहां से शहर के प्रमुख चौक, चौराहों का भ्रमण करते हुए रैली कलेक्टर कार्यालय पहुंचे यहां उन्होंने सरकार द्वारा मानदेय को लेकर किए गए वादे सहित रुका हुआ मानदेय देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

जिले के पेसा एक्ट क्षेत्र में काम कर रहे लगभग 173 पेसा मोबिलाइजरों को विगत 5 माह से मानदेय नहीं मिला है। जिससे परेशान मोबिलाइजरों ने मंगलवार को रैली निकालकर, प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कुछ मोबिलाइजरों द्वारा बताया गया कि सरकार की मनसा अनुसार वह जिले भर में सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाते हैं और अन्य विभागों का भी काम वह करते हैं, किंतु उन्हें काम करने के बावजूद भी विभाग द्वारा पांच महीने से मानदेय नहीं दिया गया है, जबकि सरकार द्वारा चुनाव के समय उनके मानदेय को बढ़ाये जाने की भी बात कही गई थी, किंतु उनका मानदेय भी सरकार बनने के बाद नहीं बढ़ाया गया वह चाहते हैं कि सरकार अपने द्वारा किए गए वादे को पूर्ण करें और साथ ही उनका रुका हुआ मानदेय जल्द से जल्द दे।

विगत 5 माह से मानदेय नहीं मिला है - विनोद

मोबिलाइजरों संघ अध्यक्ष विनोद सिंह दीक्षित ने बताया कि पेसा एक्ट क्षेत्र में वह काम कर रहे है, जिसके तहत पेसा कानून से संबंधित लोगों को जानकारी देने के साथ ही गठित समिति और ग्रामीणों के बीच सामंजस्य बनाने और विवादों के निपटान में, वह कार्य करते है, यही नहीं बल्कि शासन के अन्य योजनाओं को भी पेसा कानून क्षेत्र में पहुंचाने में वह अपनी भूमिका निभा रहे है, लेकिन कार्य के बावजूद उन्हें मानदेय नहीं दिया जा रहा है। विगत 5 माह से उन्हें मानदेय नहीं मिला है। जिससे वह आर्थिक रूप से परेशान है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी - राजकुमार मोहारे

भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष राजकुमार मोहारे ने बताया कि 24 अक्टूबर 2024 को पेसा मोबिलाइजरों का मानदेय 4 हजार से 8 हजार किए जाने की घोषणा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की थी लेकिन अब तक इसका आदेश जारी न हीं किया गया है। जिसको लेकर कई बार संगठन के बाद से स्मरण कराया गया किन्तु पेसा मोबिलाइजरों के हित में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से अल्प मानदेय भी समय पर नहीं मिलने के कारण मोबिलाइजरों की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है और वह परेशान तथा आक्रोशित है। भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष राजकुमार मोहारे ने बताया कि यदि सात दिनों के भीतर मोबिलाइजरों के मानदेय नहीं दिया जाता है तो 7 दिनों का प्रदेश व्यापी सामूहिक अवकाश और उसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने मांग की कि मोबिलाइजरों का अविलंब, मानदेय, घोषणानुरूप किया जाए।

राष्ट्रीय राजमार्ग से सर्विस रोड़ दिए जाने की मांग को लेकर जागपुर के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत जागपुर के लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण जनसुनवाई में पहुंचे, यहाँ उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए बताया कि उनके ग्राम के समीप से नेशनल हाईवे मार्ग गुजरा है, किंतु संबंधित विभाग द्वारा सर्विस रोड नहीं दी गई है। जिससे कि भविष्य में उनके गांव में आवागमन को लेकर काफी दिक्कत होगी। वह चाहते हैं कि संबंधित विभाग उनके ग्राम में भी नेशनल हाईवे से सर्विस रोड दे। आपको बता दे कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक. 543 भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा नवीन सड़क चौड़ीकरण निर्माण का कार्य, वर्तमान में लवादा से महाराष्ट्र तक चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क निर्माण कार्य मे ग्राम पंचायत जागपुर से अंडरपास सर्विस रोड (बायपास रोड) नही दिया गया है। वर्तमान मे वैनगंगा नदी जागपुर घाट पर पुल का निर्माण लगभग 60 प्रतिशत हो चुका है, जहां से

ग्राम पंचायत जागपुर मार्ग से पिपरिया पंचायत, भांडी पंचायत, दिनी पंचायत, लिंगमारा पंचायत होते हुये लगभग 30-40 ग्राम के लोगो को सीधे जागपुर से बालाघाट आवागमन का मार्ग है, इसलिये भी जागपुर मे राष्ट्रीय राजमार्ग से अंडर पास सर्विस रोड (बायपास रोड) बनाया जाना अत्यंत आवश्यक है। नही तो 30-40 ग्रामो के लोगो को राष्ट्रीय राजमार्ग से आवागमन करने में काफी कठिनाईयो एवं परेशानियो का सामना करना पड़ेगा। जागपुर से पहुंचे श्याम मेश्राम और पंचायत के उपसरपंच रामू सहारे बताते हैं कि उनके गांव से जो राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरा है, उसमें अंडरपास से सर्विस रोड नहीं दी गई है। जिससे लोग इस राष्ट्रीय राजमार्ग का लाभ नहीं ले सकेंगे। उनका मानना है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में जिस प्रकार से अंडरपासों से झ सर्विस रोड बनाकर दी गई है, उसी प्रकार से उनके गांव से गुजरे राष्ट्रीय राजमार्ग पर सर्विस रोड बनाकर दी जाए ताकि उनके क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग इस मार्ग का लाभ ले सके।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिकन्द्रा व बड़गांव राष्ट्रीय

मानक के अनुरूप सेवा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा के दिशा निर्देशन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप के मार्गदर्शन में वारासिवनी विकासखण्ड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केन्द्र सिकन्द्रा तथा किरनापुर विकासखण्ड बड़गांव का भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा नेशनल क्वालिटी एश्योरेंश स्टेण्डर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) निरीक्षण एवं सघन परीक्षण उपरांत दोनों ही स्वास्थ्य केन्द्रों को भारत सरकार द्वारा एन.क्यू.ए.एस. प्रमाणीकृत किया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिकन्द्रा को सर्वाधिक प्राप्त 90.45 प्रतिशत अंक तथा बड़गांव को 89.41 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। सिकन्द्रा हेल्थ सेंटर का भौतिक सत्यापन तथा बड़गांव का वर्चुअल असेसमेंट केन्द्रीय दल द्वारा किया गया था।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि भारत सरकार के राष्ट्रीय दल द्वारा संस्था का सघन परीक्षण एवं निरीक्षण 30 मई 2025 को किया गया था। जिसमें राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं गर्भावस्था एवं प्रसव

देखभाल, बाल्य एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं, संक्रामक रोग प्रबंधन, असंचारी रोगों की रोकथाम नियंत्रण एवं प्रबंधन, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन इत्यादि का परीक्षण किया गया था। भारत सरकार द्वारा संस्था को एन.क्यू.ए.एस. प्रमाणीकरण किए जाने से समुदाय को सुलभ उच्च गुणवत्ता व्यापक प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अंतर्गत समुदाय के सभी वर्गों के लिए निःशुल्क व्यापक गुणवत्ता पूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी।

डॉ. उपलप ने बताया कि संस्था को एन.क्यू.ए.एस.सर्टिफाइड होने के पश्चात 01 लाख 26 हजार रुपए की राशि प्रतिवर्ष प्राप्त होगी। सर्टिफिकेशन के लिए की गई व्यापक तैयारियों के लिए वारासिवनी बीएमओ डॉ. कमलेश झोड़े, किरनापुर बीएमओ डॉ.वर्षा चैबे, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, विनोद कामड़े डीक्यूएएम, प्रभारी सीपीएचसी सलाहकार राजाराम चक्रवृति, बीपीएम संजय तुरकर, सीएचओ सुश्री वैशाली पारधी, पूनम विसेन, ए.एन.एम., सरिता मात्रे, सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती पुष्पलता मान्द्रे आशा कार्यकर्ताओं तथा आशा सुपरवाइजर का सहयोग रहा।

पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्राम जराही के ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर क्षेत्र के ग्राम जराही के लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण ग्राम में पक्की सड़क निर्माण किए जाने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन दिया और मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि उनके ग्राम में विगत कई वर्षों से जराही का मुख्य मार्ग जो की ग्राम परसाटोला को जोड़ता है। वह कई वर्षों से खस्ताहाल है उसे पक्का बनाया जाए, क्योंकि बरसात के दिनों में उन्हें आवागमन में पक्का रोड नहीं होने के कारण बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आपको बता दे कि तहसील किरनापुर के ग्राम- जराही की मुख्य सड़क जो बड़गांव चौक से ग्राम-परसाटोला को जोड़ती है, वो विगत कई वर्षों से बार-बार मुर्मीकरण करने की वजह से कच्ची सड़क की ऊंचाई, गांव के मकान की बसावट के लेवल से लगभग कुछ फीट अधिक हो गई है, जिससे बरसात के दिनों में ग्रामवासियों के घरों में जल भराव की विकट समस्या उत्पन्न हो जाती है। मकान की नीव भी अब कमजोर होते जा रही है।

गांव के रहवासियों का मानना है कि आज दुर्गम नक्सल क्षेत्रों में भी पक्की सड़क बन चुकी है, लेकिन ग्राम जराही, जो मुख्य रूप से नक्सल प्रभावित जिला बालाघाट के तहसील किरनापुर मुख्यालय से मात्र 3 किमी की दूरी पर होते हुए भी आज, आजादी के 77 वर्ष पश्चात् भी ग्राम जराही की पक्की सड़क नहीं बन पाई। इसके लिए सरपंच और समस्त ग्रामवासियों के

बहुत प्रयास किये, इससे उत्पन्न समस्याओं से परेशान होकर कई बार स्थानीय नेता विधायक, और सांसद के पास गए, लेकिन हर बार आश्वसन, असफलता और हताशा ही हाथ लगी। हमेशा वर्षा के दिनों में कच्ची सड़क का कीचड़ को हटाने के लिए पंचायत द्वारा पंचायत फंड से प्राप्त राशि से हर बार मुर्मीकरण कर दिया जाता है, जिससे समस्या का निवारण के बजाय ग्रामवासियों की समस्या दिन-ब-दिन विकट रूप ले रही है। बारिश के दिनों में कीचड़ में फिसलन से छात्र छात्राओं और ग्रामवासी अधिकतर हादसे के शिकार हो जाते है, जिससे विद्यार्थियों के नियमित शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हो जाता है। छात्र, छात्राए नियमित शिक्षा ग्रहण करने से वंछित हो जाते है।

आजादी के बाद से गांव में सड़क नहीं बनाई गई है - तोमेश्वर

ग्राम से पहुंचे तोमेश्वर राहंगडाले द्वारा बताया गया कि आजादी के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी गांव में सड़क नहीं बनाई गई है। जिससे बरसात के दिनों में ग्रामीणों को बहुत अधिक आवागमन को लेकर परेशानी हो रही है। जबकि उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्ष पहले वहां दो लोगों की मौत भी हो चुकी है और अभी भी बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाता है। ग्रामीण परेशान होते रहते हैं और लगातार सड़क पर मुरमीकरण करने के कारण रोड की ऊंचाई बढ़ चुकी है और पानी भराव के समय सारा कीचड़ और पानी लोगों के घरों में भर रहा है, जिससे ग्रामीण बहुत अधिक परेशान है वह चाहते हैं कि जल्द से जल्द उनके ग्राम में पक्की सड़क बनाया जाए।

समस्या को लेकर कोई जनप्रतिनिधि गंभीर नहीं है

जराही गांव के सरपंच दशरथ दशमेर और रेखलाल कटरे बताते हैं कि कई वर्षों से ग्राम में सड़क को लेकर समस्या आ रही है। जबकि उनके द्वारा जनप्रतिनिधि होने के कारण कई बार जनप्रतिनिधियों सहित संबंधित विभाग को ज्ञापन दिया गया है। लेकिन कोई भी उनके द्वारा दिए गए ज्ञापन पर संज्ञान नहीं ले रहा है, जबकि उनकी पंचायत निधि में इतना फंड नहीं है कि वह इस रोड को बना सके। इसलिए वह जनप्रतिनिधि से लगातार सड़क बनाई जाने को लेकर फंड की मांग कर रहे हैं। किंतु कोई भी राशि नहीं दे रहा है और ना ही उनके ग्राम की समस्या को लेकर कोई जनप्रतिनिधि सहित संबंधित विभाग उतना गंभीर नहीं है, वह चाहते हैं कि उनके ग्राम में पक्का मार्ग बनाया जाए इसीलिए आज वह जिला मुख्यालय ग्रामीणों को लेकर पहुंचे थे।

मोहगांव (बोरी) में बना व्यायाम शाला का भवन देख-रेख के अभाव में हो रहा जीर्णशीर्ण

युवा एवं ग्रामीणों ने साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाकर बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल परिसर में ग्रामीणों को स्वस्थ रखने व गांव के युवाओं को योग के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से व्यायाम शाला भवन का निर्माण किया गया है। ताकि ग्राम के युवा वर्ग व ग्रामीणजन योग व व्यायाम कर स्वस्थ रह सके। लेकिन पंचायत के द्वारा भवन की देख-रेख नही की जा रही है जिसके कारण भवन के आसपास लंबी-लंबी झाड़िया (खरपतवार) उग चुकी है और भवन जीर्णशीर्ण होने लगा है। साथ ही किसी प्रकार की सामग्री भी उपलब्ध नही है। ऐसी स्थिति में लाखों रूपयों की लागत से बनाया गया व्यायाम शाला भवन औचित्यहीन साबित हो रहा है। वहीं समय रहते भवन की देख-रेख एवं मरम्मत व साफ-सफाई नही करवाई गई तो लाखों रूपयों की लागत से बनाया गया व्यायाम शाला का भाव खण्डहर में तब्दील हो सकता है। जबकि ग्राम के युवा व ग्रामीणों के द्वारा जिम्मेदारों से व्यायाम शाला भवन की साफ-सफाई कर योग एवं व्यायाम करने के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके कारण लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

व्यायाम शाला का ग्रामीणों को नही मिल रहा लाभ, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) में विगत वर्ष पूर्व विधायक नीधि से ग्रामीण लोगों को स्वस्थ रखने व गांव के युवाओं को योग के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लाखों रूपयों की लागत से व्यायाम शाला भवन का निर्माण करवाया गया है। ताकि ग्राम के युवा वर्ग इस व्यायाम शाला भवन में पहुंचकर योग, व्यायाम, कुस्ती एवं दंगल का प्रैक्टिस कर सके। लेकिन इसव्यायाम शाला में किसी प्रकार की कोई सुविधा नही है, न ही प्रशिक्षक नियुक्त किये गये है जिसके कारण इसका उपयोग नही हो पा रहा है। साथ ही जिम्मेदारों के द्वारा भवन की देख-रेख भी नही की जा रही है, जिसके कारण भवन के आसपास लंबी-लंबी झाड़िया उग चुकी है एवं देख-रेख के अभाव में भवन भी जीर्णशीर्ण होने लगा है। अगर ग्राम पंचायत के द्वारा भवन की देख-रेख व साफ-सफाई करवाई जाती है तो ग्राम के बच्चें, महिलाएं, युवा व ग्रामीणजन व्यायाम शाला भवन में योग अभ्यास कर सकते है। लेकिन इस व्यायाम शाला में न कोई प्रशिक्षक है, न ही कोई देख-रेख करने वाला है। ऐसे में अनुमान लगा सकते है कि लोगों को स्वस्थ व योग के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की सरकार की लाखों रूपये की योजना विफल होते नजर आ रही है। अगर इस व्यायाम शाला में प्रशिक्षक नियुक्त किए जाते तो अवश्य ही इससे ग्रामीण बच्चे, बुजुर्ग व युवा वर्ग को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान ही दिया जा रहा है जिसके कारण ग्रामीणजनों को व्यायाम शाला भवन का लाभ नही मिल पा रहा है। इसलिए ग्राम के युवा वर्ग एवं ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से मोहगांव (बोरी) में बने व्यायाम शाला भवन की देख-रेख, साफ-सफाई व भवन का मरम्मत कार्य करवाने के साथ ही सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाने एवं प्रशिक्षक नियुक्त करने की मांग की है ताकि व्यायाम शाला का लाभ ग्रामीणों को मिल सके।

देख-रेख के अभाव में भवन हो रहा जीर्णशीर्ण - नरेश

नरेश गोयल ने बताया की मोहगांव (बोरी) स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल परिसर में लाखों रूपयों की लागत से व्यायाम शाला भवन विगत वर्ष पूर्व बनाया गया है। लेकिन देख-रेख के अभाव में भवन जीर्णशीर्ण हो रहा है एवं भवन के आसपास लंबी-लंबी झाड़िया उग चुकी है जिसकी लंबे समय से साफ-सफाई भी नही करवाई गई है जिसके कारण इस व्यायाम शाला भवन का उपयोग नही हो पा रहा है। श्री गोयल ने बताया कि शासन के द्वारा स्वस्थ शरीर और नियमित व्यायाम ग्रामीणजन करेगें इस मंशा से व्यायाम शाला का भवन का निर्माण करवाया गया है। लेकिन इस व्यायाम शाला में किसी प्रकार की व्यायाम करने की सामग्री नही है, न ही प्रशिक्षक नियुक्त किये गये है, न ही इसकी नियमित रूप से देख-रेख की जा रही है। जिसके कारण यह औचित्यहीन साबित हो रहा है इसलिए हमारी मांग है कि भवन का नियमित रूप से देख-रेख, साफ-सफाई करवाने के साथ ही व्यायाम करने के लिए व्यायाम से संबंधित सामग्री की व्यवस्था प्रशासन करवाये ताकि इसका लाभ ग्राम के बच्चे, युवा वर्ग व ग्रामीणों को मिल सके।

इनका कहना है-

शासकीय प्राथमिक स्कूल परिसर स्थित व्यायाम शाला भवन के आसपास की झाड़ियों की जल्द साफ-सफाई करवा दी जायेगी एवं व्यायाम शाला में जो सुविधा की कमी है उसे दूर करने का प्रयास किया जायेगा।

श्रीमती दुर्गा सिंहमारे
सरपंच
ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी)।

प्रदर्शनी मेला का किया गया शुभारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल (सांदीपनी स्कूल) खेल मैदान में बुंदेलखंड का प्रदर्शनी मेला का रविवार की रात 8 बजे समाजसेवी रवि अग्रवाल, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, जनपद सदस्य देवेश गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में रिबिन काटकर शुभारंभ किया गया। जिसके बाद सभी ने हाई स्कूल मैदान में लगे मेला का आनंद लिये एवं दुकानों से विभिन्न प्रकार की सामग्री की खरीदी किये। वहीं इस प्रदर्शनी मेले में क्षेत्रीयजन पहुंचकर सौंदर्य उत्पाद सहित अन्य सामग्री की खरीदी कर रहे है। साथ ही झुले झुलकर मेला का आनंद ले रहे है।

सरकारी स्कूल में कोल्डड्रिंक की बोतल में शराब लेकर पहुंचा हेडमास्टर, भाजपा नेता ने पकड़ा

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक हेडमास्टर कोल्डड्रिंक की बोतल में शराब लेकर सरकारी स्कूल में नशे की हालत में पहुंच गया। और क्लास में ही पैग बनाकर पीने बैठ गया। इसी दौरान भाजपा नेता और कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। उन्होंने शिक्षक को रंगे हाथ पकड़ लिया।

जानकारी के मुताबिक डौंडी ब्लॉक के ग्राम चिपरा स्थित प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधान पाठक सरजू राम ठाकुर नशे में स्कूल पहुंचा था। उसकी हालत देखकर स्कूल के कुछ पालकों ने नाराजगी जताई और भाजपा नेताओं को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कुसुमकसा के भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिन्हा अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल पहुंचे। सभी ने शिक्षक को शराब पीते पकड़ा। प्रधान पाठक सरजू राम ठाकुर से भाजपा मंडल अध्यक्ष ने पूछा कि, शराब पीकर स्कूल क्यों आए हैं ? इस पर शिक्षक ने जवाब दिया कि, मैं तो रिटायर हो चुका हूं। इसके बाद तत्काल बीईओ और कलेक्टर को इसकी जानकारी दी गई।

रेलवे ने बढ़ाए टिकटों के दाम

1 जुलाई से महंगा हो जाएगा एसी और एक्सप्रेस ट्रेनों में सफर

नई दिल्ली। रेल यात्रियों के लिए एक अहम खबर सामने आई है। भारतीय रेलवे 1 जुलाई 2025 से नया किराया टैरिफ लागू करने जा रही है। यह बदलाव आम यात्रियों के साथ-साथ लंबी दूरी की यात्रा करने वालों की जेब ढीली करेगा। हालांकि, राहत की बात यह है कि कुछ कैटेगिरी में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

रेलवे के नए टैरिफ के अनुसार, सामान्य द्वितीय श्रेणी में 500 किलोमीटर तक यात्रा करने पर कोई वृद्धि नहीं होगी। लेकिन अगर यात्रा 500 किलोमीटर से ज्यादा की है तो प्रति किलोमीटर आधा पैसा अतिरिक्त देना होगा। इसके अलावा, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में सफर करने वालों को अब प्रति किलोमीटर 1 पैसा ज्यादा चुकाना पड़ेगा। इसी तरह, एसी क्लास के टिकट में सबसे ज्यादा बदलाव किया गया है। इसमें प्रति किलोमीटर 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। शहरी ट्रेनों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे लाखों दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी।

जल्द चलाई जाएंगी 150 नई ट्रेनें

मासिक सीजन टिकट की दरों में भी कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले रेलवे ने टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव का फैसला लिया था। अब तक अगर आप ट्रेन टिकट बुक करते हैं तो आपकी यात्रा से चार घंटे पहले ही पता चल पाता है कि टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं। लेकिन अब रेलवे ने नए सिस्टम पर काम कर रहा है। रेलवे का कहना है कि कन्फर्म सीटों वाला चार्ट यात्रा से 24 घंटे पहले जारी किया जाएगा। टिकट बुकिंग के नए सिस्टम को लेकर रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर ट्रायल भी शुरू हो गया है। 6 जून से यह सिस्टम राजस्थान के बीकानेर डिविजन में पायलट के तौर पर शुरू किया गया है। ये अभी एक ट्रेन तक सीमित है और कहा जा रहा है अब तक इसमें किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं आई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कुछ हफ्ते तक इसे आजमाया जाएगा।

वीरांगना रानी दुर्गावती ने स्वतंत्रता संग्राम में निभाई थी अहम भूमिका - अनिल

आदिवासी विकास परिषद ने मनाया वीरांगना रानी दुर्गावती का 461 वां बलिदान दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के जनपद पंचायत भवन के सामने स्थित शहीद बिरसा मुण्डा सामुदायिक भवन में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के तत्वाधान में मंगलवार को वीरांगना रानी दुर्गावती का 461 वां बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती व अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात 'रानी दुर्गावती बलिदान दिवस अमर रहे' सहित अन्य नारे लगाये गये। साथ ही उपस्थितजनों ने रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा समाज उत्थान पर चर्चा की गई जिसमें समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने एवं समाज में जागरूकता लाने व नारी शिक्षा को बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही यह भी कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती गोंडवाना समाज की वीर महानायिका थी। जिन्होंने लड़ते हुए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया और रानी दुर्गावती जी ने अपने पराक्रम एवं वीर साहस से समाज व महिलाओं के लिये प्रेरणादायी कार्य किया है। उनके मार्गदर्शन पर चलने का हमें संकल्प लेना चाहिए और सभी को संगठित होकर वीरांगना रानी दुर्गावती के बताये मार्ग पर चलकर समाजोत्थान व देशहित में काम करना चाहिए। चर्चा में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके ने बताया कि शौर्य व साहस की प्रतिमूर्ति महारानी वीरांगना रानी दुर्गावती की 461 वां शहादत दिवस मनाया गया एवं वीरांगना दुगार्वती चंदेलों की बेटी गोण्ड साम्राज्य की एक कुशल शासक थी। जिनके आदर्शों पर चढ़कर समाज आगे बढ़ रहा है और वह हमारी प्रेरणा स्त्रोत है उन्ही से प्रेरणा लेकर सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम कर रहे है। श्री उइके ने बताया कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ कर स्वतंत्रता के इस युध्द में वीरांगना रानी दुर्गावती ने अपनी अहम भूमिका निभाई थी। हम समाज के लोगों से यही कहना चाहते हैं कि वह हमारे समाज के महापुरूषों, राजा-महाराजाओं के बताये मार्ग पर चलकर आगे बढ़े। इस अवसर पर म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष झनकारसिंह उइके, ज्ञानसिंह गोडगे, सचिव अनिल उइके,दिलीप उइके, गायत्री पन्द्रे, रेखलाल अड़मे, प्रीतमसिंह मर्सकोले, देवानंद बोरकर, कैलाश परते, अंजलसिंह उइके, राकेश वाडिवा सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बौध्दों के संस्कारों में एकरूपता लाना संस्था का उद्देश्य- डॉ. चरनदास

दि-बुध्दिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया तहसील शाखा लालबर्रा के अध्यक्ष बने प्रहलाद मेश्राम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भारतीय बौध्दों की सर्वोंच धार्मिक सामाजिक संस्था दि बुध्दिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया अर्थात भारतीय बौध्द महासभा तहसील शाखा लालबर्रा का पुनर्गठन गत दिवस लालबर्रा के बालाघाट रोड़ स्थित लालबर्रा में संस्था के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेगरे, म.प्र. राज्य शाखा के मुख्य अतिथि, जिला उपाध्यक्ष खुशीयाल मेश्राम बौध्दाचार्य की अध्यक्षता एवं हेमलता ताई डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष, आर.के. कठाने प्रदेश सचिव, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्या. सचिव, प्रमिला ताई चौहान जिला कोषाध्यक्ष, देवानंद रंगारे जिला उपाध्यक्ष, प्रमोद चौहान पूर्व तहसील अध्यक्ष लालबर्रा, आर.डी. बंसोड तहसील अध्यक्ष वारासिवनी, पूर्णिमा ताई गनवीर नगर कोषाध्यक्ष बालाघाट के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने सामूहिक पूजा वंदना की। आयोजित बैठक में दि-बुध्दिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया तहसील शाखा लालबर्रा का पुर्नगठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। चर्चा में बीएसआई जिला उपाध्यक्ष खुशीयाल मेश्राम ने बताया कि दि-बुध्दिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया तहसील शाखा लालबर्रा का पुर्नगठन हेतु गत दिवस लालबर्रा स्थित लॉन में बैठक आयोजित की गई थी और नई कार्यकारिणी पुनर्गठन हेतु चयन कमेटी बनाकर कमेटी की अनुशंसा पर डॉ. ढेंगरे एवं समारोह अध्यक्ष खुशीयाल मेश्राम जी ने नई कार्यकरिणी की घोषणा की है। जिसमें लालबर्रा तहसील अध्यक्ष प्रहलाद मेश्राम, महासचिव अनिल मेश्राम, कोषाध्यक्ष राधेश्याम मेश्राम, उपाध्यक्ष कोमल रंगारे, सुश्री भाग्यश्री मेश्राम, राजकुमार गेडाम, विवेक भिमटे (संरक्षण विभाग), कार्यालय सचिव राजेश चौरे, सचिव-लालचंद चौहान, डॉ. राजकुमार मेश्राम, विनोद भिमटे, मुकेश रंगारे, योगेश चौहान, संजीवराव गजभिये, लेखा परीक्षक परमानंद डोंगरे, संघठक अनिल उके, परमानंद वैध, अखिलेश मेश्राम, राजेश घोडेश्वार एवं कार्यकारिणी सदस्य में धनराज खोब्रागढ़े, अशोक गेडाम, रेखाताई बागडे, अजय मेश्राम आदि की नियुक्ति कर शाखा का पुनर्गठन किया गया है। श्री मेश्राम ने बताया कि इसी प्रकार जिला के रिक्त पदो में वारासिवनी निवासी एड. अशोक वासनिक सचिव, कुम्हली खैरलांजी निवासी बामसेफ के सक्रिय सदस्य, रामदास ठवकर संघठक एवं लालबर्रा निवासी पूर्व तहसील अध्यक्ष प्रमोद चौहान को सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सहमति पत्र देकर संस्था के माध्यम से किये जाने वाले धम्म कार्य को निष्ठा से करेगें ऐसा संकल्प लिया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. ढेंगरे ने संस्था, निर्वाचन, बाबा साहेब एवं उनके परिवार का त्याग आदि पर विस्तृत रूप प्रकाश डालते हुए बताया कि धम्म संस्था संपूर्ण भारतीय बौध्दों को उनके संपूर्ण संस्कार सिखाती है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य भारतीय बौध्दों के संस्कारो में पूरे भारत देश में एकरूपता लाना है। जिसके लिए सभी जिला, नगर, तहसील, ग्राम वार्डो में शाखा का गठन, पुनर्गठन कर धम्म प्रशिक्षण शिविरो के माध्यम से निरंतर जारी है। समारोह का सफल संचालन वारासिवनी के महामंत्री अभिराज मेश्राम के द्वारा किया गया। इस पूनर्गठन समारोह को सम्पन्न करवाने में वारासिवनी तहसील व नगर शाखा के नगर अध्यक्ष मुकेश पटले, महासचिव मनोज भालाधरे, तहसील सचिव रघुवीर मेश्राम, प्रमोद चौहान पूर्व अध्यक्ष लालबर्रा, कोमल रंगारे पूर्व उपा. मुकेश रंगारे पांढरवानी, आनंद वैध एवं अन्य साथियो का सराहनीय योगदान रहा।

खैरलांजी पुलिस ने अवैध रेत खनन परिवहन पर की कार्यवाही

ट्रैक्टर ट्राली मालिक फरार चालक गिरफ्तार न्यायलय ने भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरागढ़ स्थित मरघट के पास वैनगंगा नदी में पुलिस के द्वारा ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से अवैध रेत का खनन कर परिवहन करने के आरोप में पुलिस के द्वारा ट्रैक्टर चालक सोहिल राउत को गिरफ्तार कर लिया है तो वहीं ट्रैक्टर मालिक गोलू मेश्राम फरार है। मामले में पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। वहीं चालक सोहिल राउत को २४ जून को न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया है। मामले में फरार चल रहे गोलू मेश्राम की सरगर्मी से पुलिस पतासाजी कर रही है।

गोलू मेश्राम के लिए काम करता था सोहिल राउत

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस स्टाफ प्रतिदिन की तरह गश्त के लिए गया हुआ था। जहां पर उसे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भौरागढ़ स्थित मरघट के पास वैनगंगा नदी से एक नीले सफेद पट्टी वाले सोनालिका डीएल ३५ ट्रैक्टर के द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। जिस पर घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई । जिन्होंने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में बालाघाट पुलिस के द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। इसी तारतम्य में थाना खैरलांजी पुलिस के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस ने २४ जून को अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए सूचना पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम के द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर एक ट्रैक्टर रेत से भरी ट्रॉली सहित अन्य सामान जप्त कर मौके पर पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की गई। जिसने अपना नाम सोहिल पिता बलीराम राउत उम्र २० वर्ष निवासी ग्राम भौरगढ़ थाना खैरलांजी का बताया। जो बिना किसी वैध दस्तावेज के ट्रैक्टर में रेत भरकर परिवहन कर रहा था। पूछताछ पर उसने बताया कि उसे यह कार्य गोलू मेश्राम निवासी भौरगढ़ द्वारा कराया गया था।

इन धाराओं के तहत पुलिस ने किया अपराध दर्ज

खैरलांजी पुलिस के द्वारा पुलिस द्वारा मौके से आरोपी के कब्जे से सोनालिका ट्रैक्टर डीएल ३५ रेत भरी ट्रॉली जप्त कर थाने में लाया गया। जहां सोहिल पिता बलीराम राउत उम्र २० वर्ष निवासी ग्राम भौरगढ़ थाना खैरलांजी एवं गोलू मेश्राम निवासी भौरगढ़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३ (२), ३१७(५) खान एवं खनिज विकास और विनियमन अधिनियम की धारा ४/२१ तथा मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम की धारा ५३ ,१ के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार सोहिल पिता बलीराम राउत को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया तो वहीं ट्रैक्टर मालिक गोलू मेश्राम फरार है जिसकी पुलिस पतासाजी कर रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी राम सिंह पटेल, उपनिरीक्षक अंकित उपाध्याय ,सहायक उपनिरीक्षक चंद्रशेखर चौधरी, आरक्षक सुधीर बघेल, विष्णु जाट, मगन मोरी ,हीरामल खरते ,आकाश अहिरवार का सराहनीय योगदान रहा।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मुखबिर की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में यह अवैध रेत खनन परिवहन के खिलाफ कार्यवाही की गई है। जिसमें चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है ट्रैक्टर मालिक फरार है मामले में विवेचना जारी है। मौके पर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय पेश किया गया था। जिसे जेल भेज दिया गया है ट्रैक्टर मालिक को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रामसिंह पटेल
थाना प्रभारी खैरलांजी

कायदी में वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के वीरांगना रानी दुर्गावती चौक पर रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें भुमका के द्वारा बड़ा देव की पूजा अर्चना विधि विधान से करवाई गई। तत्पश्चात वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित जनों को वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी वीरगति और वीरगाथा के बारे में बताया गया। इसके बाद सामूहिक भोज कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर अरविंद उइके ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस का आयोजन किया गया है। जिसमें भावी पीढ़ी को महारानी दुर्गावती के बारे में बताया गया ताकि वह उनके जीवन से कुछ प्रेरणा ले सके। रानी दुर्गावती ने अकबर से तीन बार युद्ध लड़ा जो निर्णायक हुए उन्होंने अपने राज्य के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। यह कार्यक्रम करने का उद्देश्य यही रहता है की महारानी के बारे में लोगों को पता हो समाज एक साथ एकत्रित हो सके। वहीं मुख्य रूप से शिक्षा को लेकर जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक आदिवासी अपने बालक बालिकाओं को अच्छी शिक्षा अध्ययन करवाकर उच्च शिक्षा की ओर भेजें ताकि शिक्षित परिवार हो सके। वर्तमान में हमारा समाज पीछे है जिसे आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक स्तर पर इस प्रकार के प्रयास किया जा रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

८ वर्षो से फरार स्थाई वारंटी संजय यादव गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा २३ जून को ८ वर्षो से मारपीट के मामले में फरार स्थाई वारंटी संजय यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०१७ में संजय पिता कपूरचंद यादव ४२ वर्ष कटंगझरी निवासी के द्वारा वारासिवनी थाना अंतर्गत मारपीट की घटना की गई थी। जिसमें वारासिवनी पुलिस के द्वारा उसके खिलाफ अपराध क्रमांक १६२/१७ भादवि की धारा २९४,३२३,५०६ के तहत अपराध पंजीबद कर जांच में लिया गया था। वहीं घटना के बाद से आरोपी संजय पिता कपूरचंद यादव फरार चल रहा था जिसमें न्यायालय के द्वारा फरार स्थाई वारंटी घोषित कर दिया गया था। इसमें पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र के फरार स्थाई वारंटी की धर पकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक बालाघाट सहित वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सरगर्मी से आरोपीयों की पतासाजी की जा रही हैं। इसी कडी में मुखबिर सूचना पर वारासिवनी पुलिस के द्वारा २३ जून की सुबह संजय पिता कपूरचंद यादव ग्राम कटंगझरी की पानी की टंकी के सामने से गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां कार्यवाही करने के उपरांत उसे वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी हेमंत नायक ,प्रधान आरक्षक रामदयाल चौधरी ,आरक्षक ओमकार उइके का सराहनीय योगदान रहा।

आदिवासी समाज ने वीरांगना रानी दुर्गावती को किया याद

वाराटोला में बलिदान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वाराटोला स्थित रानी दुर्गावती चौक पर आदिवासी समाज के द्वारा २४ जून को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें बड़ा देव पूजा शोभायात्रा सामूहिक नृत्य एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कर सामाजिक भोज की भी किया गया। जहां उपस्थित जनों बताया कि गोंडवाना साम्राज्य की महारानी दुर्गावती एक महान रानी रही। जिसमें अपने शासनकाल में अनेकों बदलाव करते हुए मुगलों से जमकर युद्ध लड़ा और अंतिम समय में मुगलों का हाथ भी ना लगे इसलिए स्वयं के हाथों वीरगति को प्राप्त हो गई। उनका बलिदान दिवस पूरा देश मना रहा है इस अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार यह बलिदान दिवस कायक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूजा अर्चना कर माल्यार्पण के साथ बलिदान दिवस मनाया गया एवं महापुरुषों के बताएं मार्ग पर चलकर समाज को उन्नति और प्रगति करने की अपील की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

भव्य शोभायात्रा का हुआ आयोजन

वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर सुबह से भुमका के द्वारा बड़ा देव की

पूजा अर्चना विधि विधान से की गई। जिसके बाद कलशो की शोभायात्रा निकाली गई यह शोभायात्रा रानी दुर्गावती चौक से प्रारंभ हुई। जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा गलियों का भ्रमण करते हुए वापस रानी दुर्गावती चौक पर पहुंची जहां पर शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती अमर रहे जैसे उद्घोष लगाकर रानी दुर्गावती के कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया गया। वहीं शोभायात्रा में वीरांगना रानी दुर्गावती की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान जगह जगह सामूहिक नृत्य रानी दुर्गावती और बिरसा मुंडा के ओजस्वी गीतों पर किया गया।

रानी दुर्गावती के बताये मार्ग पर चलकर समाज के लोगों को प्रेरित किया जा रहा है-मानसिंह परते

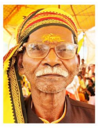

मानसिंह परते ने बताया कि वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस का आयोजन किया गया है। जिसमें रानी के बलिदान को याद कर उनकी वीरगाथा के बारे में आने वाली पीढ़ी को बताया गया। वहीं उनके बताये मार्ग पर चलकर देश और समाज के लिए काम करने के लिए समाज के लोगों को प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम पिछले ५० वर्षों से मनाया जा रहा है जिसमें इस वर्ष भी सुबह सामाजिक पूजा अर्चना की गई। इसके बाद शोभायात्रा निकालकर ग्राम का भ्रमण कर वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें सामाजिक गीतों पर लोगों के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से अपील है कि वह एकता और भाईचारा बनाए रखें।

हमारा समाज पिछड़ा हुआ है हमे शिक्षित होना बहुज जरूरी है- कमलसिंह धुर्वे

कमल सिंह धुर्वे ने बताया कि रानी दुर्गावती गढ़ा राज्य की शासक महारानी थीं उनका जन्म ५ अक्टूबर १५२४ मृत्यु २४ जून १५६४ को हुई थी। उन्होंने गोंडवाना के राजा संग्राम शाह के बेटे राजा दलपत शाह से शादी की १५५० से १५६४ तक अपने बेटे वीर नारायण के अल्पवयस्क होने के दौरान गोंडवाना की संरक्षिका के रूप में कार्य किया। युध्द में जब उन्हें लगा कि वे बेहोश होने वाली हैं तो उन्होंने अपनी तलवार अपने सीने में घोंप कर बलिदान दिया। उन्होंने अकबर के खिलाफ तीन बार युद्ध लड़े आज उनका हर कोई बलिदान दिवस मना रहा है। इस अवसर समाज की उन्नति प्रगति के लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें महिलाओं को यही संदेश देना चाहते हैं कि वह रानी दुर्गावती के मार्ग पर चले। इसके साथ सभी अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए प्रयास करें और उच्च शिक्षा की ओर भेजें हमारा समाज कई जगह पिछड़ा हुआ है। जब तक लोग शिक्षित नहीं होंगे अपने अधिकारों को नहीं जानेंगे वह आगे नहीं बढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षित होना बहुत जरूरी है।

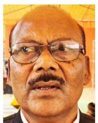

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा बालाघाट जिले को 2 डायलिसिस मशीन की सौगात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।मानव सेवा क्षेत्र में 21 वर्षों से अग्रणी संस्था रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा बालाघाट द्वारा जिलेवासियों के लिए एक और सौगात देने जा रहा है। रोटरी क्लब द्वारा जिला चिकित्सालय को 2 डायलिसिस मशीन प्रदान की जा रही है। जिसकी लागत 19 लाख रुपये है।

संस्था के अध्यक्ष अखिल वैद्य एवं सचिव अर्चित नेमा द्वारा बताया गया कि 25 जून की शाम 04 बजे कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के हस्ते जिला चिकित्सालय बालाघाट को रोटरी क्लब द्वारा डायलिसिस मशीन प्रदाय करने जा रहे हैं। रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा बालाघाट द्वारा मानव सेवार्थ अपने प्रकल्प सहायतार्थ, स्वर्ग रथ और संजीविनी (जीवनदायनी सर्व सुविधायुक्त) जिले की एकमात्र एम्बुलेंस का संचालन भी किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय में 02 डायलिसिस मशीन मिल जाने से किडनी के मरीजों के लिये सुविधा हो जाएगी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष व अध्यक्ष के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर में उपस्थित अविनाश छारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, बालाघाट द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को मोटरयान अधिनियम के प्रावधान, पॉक्सों अधिनियम के प्रावधानों से भी अवगत कराया। साथ ही मध्यस्थता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना बच्चो को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवा) योजना 2015, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया, साइबर अपराधों से बचाव के साथ ही गुड टच बेड टच, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, के संबंध में जानकारी दी। शिविर के पश्चात विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। शिविर में शाला के प्राचार्य व शिक्षक, शिक्षिकाए एवं छात्र-छात्राएँ आदि उपस्थित रहें।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। **जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 25 जून को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि बैठक में आयुष्मान भारत योजना, एएनसी तथा डिलेवरी की स्थिति, शिशु स्वास्थ्य की समीक्षा, परिवार कल्याण की समीक्षा, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की समीक्षा, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लक्ष्य एवं उपलब्धि की विस्तार से समीक्षा माह मई 2025 तक की जाएगी तथा वर्ष 2025-2026 की सूक्ष्म कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।**

काँजीहाऊस की सरकारी भूमि पर आवास बनाने कैसे जारी हो गया फर्जी पट्टा

ग्रामीणों ने मामले की जांचकर, कार्यवाही की मांग की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेंद्र बारेवार सहित अन्य ग्रामीणों ने फर्जी तरीके से तैयार किए गए आवासीय पट्टे के विरुद्ध कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मंगलवार को एक ज्ञापन सौंपा है। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने फर्जी पट्टा लाने वाले संबंधित व्यक्ति के खिलाफ जांच कर दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सरपंच देवेंद्र बारेवार ने बताया कि ग्राम निवासी एक ग्रामीण द्वारा ग्राम पंचायत की कांजी हाउस की भूमि पर अवैध रूप से आवासीय पट्टा बनवाया गया है, जो पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। जबकी उक्त शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी पट्टा आवंटन नहीं किया जा सकता, फिर भी उक्त व्यक्ति ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर पट्टा प्राप्त कर लिया है।जिसपर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

ग्रामीणों में नाराजगी, कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर ग्रामीणों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि यदि ऐसे फर्जीवाड़े पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो ग्राम पंचायत की कीमती भूमि पर कब्जा कर लिया जाएगा और इसका दुष्प्रभाव भविष्य में पंचायत की सार्वजनिक योजनाओं पर पड़ेगा।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से की मांग आवासीय पट्टे की पूर्ण जांच कराई जाए, भूमि की वास्तविक स्थिति एवं स्वामित्व की जांच हो, वही दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में पंचायत की भूमि पर इस प्रकार के फर्जी आवंटनों को रोका जाए।

प्रशासन करे त्वरित कार्यवाही

ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने अपेक्षा जताई है कि प्रशासन इस विषय को गंभीरता से लेकर शीघ्र कार्रवाई करेगा ताकि ग्राम पंचायत की संपत्ति सुरक्षित रह सके और ग्रामीणों का शासन-प्रशासन पर विश्वास बना रहे।

नए भारत की नई कहानी- ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है। मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना। आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है। डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है। भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाज़ार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोज़गार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है। भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नज़दीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया। इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेज़ी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं।

युद्ध नहीं शांति की ओर जाएं

ईरान और इजराइल की टकराव की आग में अब अमेरिका भी खुलकर कूद चुका है. अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर इतिहास का सबसे सफल सैन्य हमला किया नॉर्थ्रॉप बी-2 स्पिरिट, जिसे स्टील्थ बॉम्बर के नाम से भी जाना जाता है,[3] एक अमेरिकी भारी रणनीतिक बमवर्षक है, जिसमें कम-अवलोकनीय स्टील्थ तकनीक है जिसे घने विमान-रोधी सुरक्षा को भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दो लोगों के चालक दल के साथ एक सबसोनिक फ़्लाइंग विंग, विमान को नॉर्थ्रॉप (बाद में नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन) ने प्रमुख ठेकेदार के रूप में डिज़ाइन किया था, जिसमें बोइंग, ह्यूजेस और वॉट प्रमुख उपठेकेदार थे, और इसका उत्पादन 1988 से 2000 तक किया गया था।[4][1][5] बमवर्षक पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार गिरा सकता है,[6] जैसे कि अस्सी 500-पाउंड वर्ग (230 किग्रा) एमके 82 जेडीएएम जीपीएस-निर्देशित बम, या सोलह 2,400-पाउंड (1,100 किग्रा) बी-2 स्पिरिट2016 में प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भरता हुआ पाया गया यह बहुत ही खतरनाक बम हैं जो कंक्रीट को चिरता हुआ 200 फिट निचे जाता है और सब तबाह कर देता है और 6 बम बर्षक बम से तो प्लांट के अंदर में कुछ भी नहीं बजेगा उसमें उस परमाणु प्लांट के अंदर काम करने वाले लोग भी मारे गए होंगे क्योंकि यह दुनिया का ऐसा बम है धरती के अंदर बहुग तेजी से जाता है और जीपीएस व लेजेस से लैस है अत: ऐ लक्ष्य को जीपीएस सिस्टम पता लगाता द्ध और जोरदार धमाका करता है अत: बेपन ग्रेड को वहाँ से उससे पहले निकाल लेना इतना आसान नहीं है यदि शिफ्ट ही कर दिया तो फिर कौन से प्लांट में ले जाया गया होगा वो भी तो कहीं गया ले गया होगा यह बिल्कुल वही सामग्री है और कितने समय में वेपन बनेगा यह सब खबर ठीक नहीं लग रहा है जहाँ तक खबरों ऐ दिखया जा रहा जो जानकारी के अभाव मे हैं रेडिशन लीक होने का कारण यह है की यह जमीन के बहुत अंदर था और बमसर्षक क्र-2 बम एक नहीं 6 नम गिते अत: एक के एक मिट्टी के अंदर ही दब गए होंगे खैर अमेरिका को इसमें कूदना नहीं चाहिए कोई कुछ भी बना रहा है तो उसमें उसकी टेक्नोलॉजी लगी है इससे उस देश द्वद्व अमेरिका के प्रति नफरत होगा ऐ ईरान व इजराइल की लड़ाई थी लेकिन जब इजराइल मे ईरान के तरफ दागी गई मिशायल से इजराइल को जो झटका लगा है वो भी ईरान की ताकत है जो मिशायाल टेक्नोलॉजी में काफी प्रगति की भारत को दोनों देश को शांति बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए युद्ध हमेशा नुकसान ही होता है इजराइल में ईरान की मिसायल इस कदर कोहराम मचा है टेलीवीजन प्रर मीडिया द्वद्व इजराइल की छवि खराब हो रही है लोगों मे डर का माहोल पैदा हो गए हैं आखिर कब तक बामशेल्टर मे रहेंगे। कार्टर प्रशासन के दौरान उन्नत प्रौद्योगिकी बॉम्बर (ञ्जक्ष्) परियोजना के तहत विकास शुरू हुआ, जिसने मैक 2-सक्षम क्र-1 बॉम्बर को आंशिक रूप से रद्द कर दिया क्योंकि ञ्जक्ष् ने ऐसा वादा दिखाया था, लेकिन विकास संबंधी कठिनाइयों ने प्रगति में देरी की और लागत बढ़ा दी। अंतत:, कार्यक्रम ने विकास, इंजीनियरिंग, परीक्षण, उत्पादन और खरीद सहित प्रत्येक 2.13 बिलियन (2024 में 4.17 बिलियन) की औसत लागत पर 21 बी-2 का उत्पादन किया।प्रत्येक विमान के निर्माण में औसतन स्737 मिलियन की लागत आई,जबकि कुल खरीद लागत (उत्पादन, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, रेट्रोफिटिंग और सॉफ्टवेयर समर्थन

सहित) औसतन प्रति विमान 929 मिलियन (2023 में .1.11 बिलियन) थी।परियोजना की काफी पूंजी और परिचालन लागतों ने इसे अमेरिकी कांग्रेस में विवादास्पद बना दिया, यहां तक कि शीत युद्ध के समापन से पहले भी सोवियत क्षेत्र में गहरी हमला करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक स्टील्थ विमान की इच्छा नाटकीय रूप से कम हो गई थी। नतीजतन, 1980 और 1990 के दशक के अंत में सांसदों ने 132 बमवर्षकों की योजनाबद्ध खरीद को घटाकर 21 कर दिया बिना ईंधन भरे इसकी रेंज 6,000 नॉटिकल मील (11,000 किमी; 6,900 मील) से ज़्यादा है और एक बार हवा में ईंधन भरने पर यह 10,000 नॉटिकल मील (19,000 किमी; 12,000 मील) से ज़्यादा की उड़ान भर सकता है। यह 1997 में लॉकहीड स्न-117 नाइटहॉक अटैक एयरक्राफ्ट के बाद एडवांस्ड स्टील्थ तकनीक से डिजाइन किए गए दूसरे एयरक्राफ्ट के रूप में सेवा में आया था। मुख्य रूप से परमाणु बमवर्षक के रूप में डिजाइन किए गए क्र-2 का पहली बार 1999 में कोसोवो युद्ध में पारंपरिक, गैर-परमाणु आयुध गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया था। बाद में इसका इस्तेमाल इराक, अफ़गानिस्तान, लीबिया, यमन और ईरान में किया गया। संयुक्त राज्य वायु सेना के पास 2024 तक सेवा में उन्नीस बी-2 हैं; एक 2008 की दुर्घटना में नष्ट हो गया था और 2022 में दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए दूसरे को संभावित मरम्मत की लागत और अवधि के कारण सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया गया था। वायु सेना ने 2032 तक बी-2 को संचालित करने की योजना बनाई थी लेकिन ईरान के परमाणु सयन्त्र पर हमले में उसके तीनो परमाणु सयंत्र नस्ट हो गए लेकिन परमाणु सयन्त्र को इस तरह बनाया जाता है कि भूकंप आने पर भी उसे कुछ नहीं होता है अगर हमसे पूछेंगे तो मेरे अनुसार परमाणु सयन्त्र साल दो साल में नहीं बल्कि उसे बनने में 10-15 साल तक लग जाता है और संवर्धित यूरेनियम वह यूरेनियम है जिसमें आइसोटोप पृथक्करण नामक प्रक्रिया के माध्यम से आइसोटोप यूरेनियम-235 का प्रतिशत बढ़ाया गया है। प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यूरेनियम में थोड़ी मात्रा में यू-235 (लगभग 0.72त्न) होता है, लेकिन परमाणु रिएक्टरों और हथियारों में उपयोग के लिए इस प्रतिशत को बढ़ाने की आवश्यकता होती है ताकी फिशन रिएक्शन हो सके और जिसे कण्ट्रोल करने पर परमाणु रीक्टर बनता है लेकिन अधिकतर देश इसे परमाणु अस्त्र बनाने का काम करते है यह यूरेनियम का ही आसोटोप है नुक्लियर सेंटर में कार्य करने वाले लोग अपने देश के टॉप स्टूडेंट होते हैं क्योंकि उसमें तकनिकी के साथ साथ रेडीएशन को कण्ट्रोल करना भी एक चुनौती होती है परमाणु सयंत्र का डिजाइन बहुत ही जटिल प्रक्रिया है और उसमें गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है और आईएईए के नियम के अनुसार होता है और यह फैसिलिटी में बहुत खर्चे होता है रोबोटिक का इसमें बहुत सावधानी से प्रयोग में लाया जाता है अत: यह किसी भी देश के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था होती है और इससे जो रेडियोआइसोटोप निकलते हैं वो कैंसर, फल को अधिक समय तक जाता रखना रेडियोग्राफी में काम आता है अत: ऐ किसी देश की टेक्नोलॉजी है जिसमें अभी भी शोध है इसलिए ऐ कहना की उससे पहले ही वेपनग्रेड यूरेनियम को वहाँ से निकाल लिया गया है तो सही नहीं होगा क्योंकि रेडियोएक्टिव मटेरियल को लुका या छिपा कर नहीं लाया जा सकता है यूरेनियम को वहाँ से हटाना मुश्किल है क्योंकि सेंट्रीफ्यूज सिस्टम जहाँ इनस्टॉल है वहाँ बहुत सालों के बाद ऐ बना होगा और ऐ फल सब्जी जैसा नहीं है कि तुरंत वहाँ से हटा ली जाए उसपर सीआईए की सेटेलाइट लगी द्धश्हद्ध सबसे आम वाणिज्यिक विधि सेंट्रीफ्यूज का उपयोग करती है। ये मशीनें उच्च गति पर स्न6 गैस को घुमाती हैं, जिससे भारी -238 को हल्के -235 से उनके द्रव्यमान अंतर के कारण अलग किया जाता है। हल्का -235 सेंट्रीफ्यूज के केंद्र के पास केंद्रित होता है, जबकि भारी -238 बाहरी किनारे पर चला जाता है अत: यूरेनियम जो परमाणु वेपन के लिए ईरान बना रहा था जैसा की नेतान्याहू ने इसके लिए ट्रम्प को धन्यवाद कहा लेकिन अपने घर खंडहर बन रहा है उसे शांति पूर्ण तरीके से रोकने के लिए सीजफायर के लिए प्रयास करना चाहिए क्योंकि इस जंग मे दुनिया मे आर्थिक संकट आ सकती है. अत: नहीं शांति की ओर जाएं नहीं तो दोनों तरफ से सब बर्बाद हो जायेगा..।

-संजय गोस्वामी

भारत आध्यात्म एवं युवाओं के बल पर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि कर सकता है

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति ब्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है।

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अत: भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं। इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अत: अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है।

अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है। विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अत: भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है परंतु, विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

-प्रहलाद सबनानी

आपातकाल- लोकतंत्र का काला अध्याय

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वकतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रूमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फिर विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के स्वरस्थि और मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है। आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्र विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया। 1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मी दवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2त्न थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20त्न से भी ज्यादा थी। देश की 50त्न से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टाचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्य्म ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडि ?स के नेतृत्वं में देशव्या पी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार, गुजरात में राष्ट्र पति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी। 12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी को गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी। आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मदरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तथव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यहवस्थाण को कुचलने का प्रयास था। यहय संविधान की हत्याा की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था। आपातकाल किसी राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ताा बचाने की जिद थी। संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी थीं, किन्तु उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए एक झटके में उन्होंने लोकतंत्र को तानाशाही में बदलकर रख दि ?या और पूरी शासन व्य ?वस्था को कठपुतली की तरह उपयोग किया। कांग्रेस सरकार ने विधायिका और न्या यपालिका को बंधक बनाकर सत्ता् के आगे घुटने टेकने को विवश कर दिया था। प्रेस की स्वकतंत्रता पर कुठाराघात किया गया। बड़े-बड़े समाचार पत्र संस्थानों की बिजली काट दी गई। समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सेंसरशिप लगा दी गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। 21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। आरएसएस, जनसंघ, एवीबीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया। 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों से आपातकाल के समय में कांग्रेस ने देश को व्यक्ति पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया। किसी भी संवैधानिक पद पर और निर्वाचित जनप्रतिनिधि न होने पर भी संजय गांधी देश की नीतियों पर निर्णय ले रहे थे। वह आपातकाल में सत्ता का वास्तविक केंद्र बन चुके थे। देश के नागरिकों पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज भी इसी परिवारवाद के सीमित सांचे में सिमटकर रह गई है। इंदिरा गांधी की तानाशाही का सबसे भयावह चेहरा यह था कि उन्होंने अपने पुत्र के माध ?यम से सत्ता को वंशवाद की जकड़ में पूरी तरह से कैद कर लिया था। यह सत्ता लोलुपता ही थी कि कांग्रेस ने लोकसभा का कार्यकाल 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उन्हीं की तरह लाखों स्वयंसेवकों ने आपातकाल विरोधी आंदोलन जारी रखा। रातों-रात रेलों में आपातकाल विरोधी पर्चे बांटे, मीसाबंदियों के परिवारों की देखरेख की, भूमिगत रहते हुए आंदोलन की गति बनाए रखी और कांग्रेस की सच्चायई घर-घर तक पहुंचाई। अंततः जनाक्रोश और नागरिकों के बढ़ते दबाव के कारण जनवरी 1977 में चुनावों की घोषणा हुई और मार्च 1977 में हुए चुनावों में जनता पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला। इंदिरा गांधी स्वयं रायबरेली से चुनाव हार गईं। लोकतंत्र फिर प्रतिष्ठित हुआ। आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है। लोकतंत्र के साथ विश्वांसघात करने के बाद भी कांग्रेस ने न तो कभी माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप ही प्रकट किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जनता को अधिकार देने के लिए जिस संविधान का निर्माण किया, कांग्रेस ने उसी को हथियार बनाकर जनता के अधिकारों को छीना।

- हितानंद शर्मा

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली के चलते मंगलवार को अनाज मंडी में चना मजबूती पर रहा। मसूर में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। किराना जिंसों में श्रावणी माँग से खोपरा गोला व नारियल बाजार तेजी के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को दलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। चने में लेवाली से बाजार सुधार के रहे। मसूर में कीमतें बनी रही। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। उधर, किराना जिंसों में श्रावणी मांग से नारियल व खोपरा गोला मजबूती पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4110-4135, खोपरा गोला 265-300, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारि?क 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3350-3400, (200) 3700-3800, (250) 4000-4100

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1400-1410, राजकोट तेलिया 2350, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1185-1190, कपास्या 1205, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1210, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1215,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5700-5800, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5200-5400, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रश?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। विदेशी बाजारों से नरमी के समाचारों से दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 104000, चाँदी (99) 103800, टंच 103100, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार के भारतीय रुपया सात पैसी की बढ़त के साथ ही 86.05 रुपये पर बंद हुआ। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले आज सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। सामाजिक विषयों में आपकी काफी सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको योग्यता अनुसार काम मिलेगा जो आपकी खुशी का कारण बनेगा। आप आज मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन माता जी आपसे इसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। आपकी लापरवाही आपके लिए समस्या बन सकती है। कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी संपत्ति को लेकर कोई मामला यदि आपके लिए समस्या बना हुआ था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने घर के रिनोवेशन के बारे में भी सोच सकते हैं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है और आप अपनी वाणी से सबका दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको मिलने का मौका मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए भाग्य की दृष्टि से अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम को लेकर बजट बनाकर चलें। आपकी सहनशीलता बढ़ेगी जो आपको खुशी देगी। पारिवारिक दृश्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी काम को लेकर थोड़ा धैर्य बनाए रखना होगा। आप अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर काफी खुश होंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई मित्र सलाह दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला आप है। जल्दबाजी में कोई काम ना करें और अपने आवश्यक कामों को गति देकर आगे बढ़ाते रहें। पारिवारिक रिश्तों में एकता बनी रहेगी। आप कुछ नया करने की सोचेंगे जिसमें आपके परिवार की सदस्यों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर ही कदम बढ़ाए। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा और आपके कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमता बढ़ेगी। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई सहयोगी आपके कामों को टालने की कोशिश कर सकता है। आप अपने कामों को पूरे विस्तार से करेंगे। परिवार में यदि कोई कलह लंबे समय से चल रही है तो वह भी दूर होगी। आपको किसी बात को लेकर अपने पिताजी से सलाह लेनी पड़ सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए करियर में अच्छी सफलता लेकर आएगा। आपकी लोगों से सामंजस्यता बढ़ेगी और आप छुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। आप सभी के प्रति आत्म समर्पित नजर आएंगे। जीवनसाथी को आप कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। लेनदेन से संबंधित मामलों में आप लापरवाही बिल्कुल ना करें, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, वह अपने मेहनत में तेजी लाएं।

तुला- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय में कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता है। आपकी व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होंगी। आप भी जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप कहीं घूमने फिरने जाएं, तो आप किसी से बेवजह न उलझे। आपकी कोई पुरानी गलती के लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप कामों में उसके नीति व नियमों का उल्लंघन न करें। सामाजिक आयोजनों में भी आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपने यदि किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें।

धनु- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी भूमि, वाहन आदि की खरीदारी आप कर सकते हैं। आपकी साख व सम्मान में वृद्धि होगी। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। आपको पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए मेहनत से अच्छा काम करने के लिए रहेगा। आप अपने मन में अहंकार बिल्कुल ना लाएं और अपने कामों को आगे लटकाने की कोशिश न करें। आपको अपने आलस्य को त्यागने की आवश्यकता है। आपकी दान धर्म के कामों में भी काफी रुचि रहेगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने खर्च पर भी थोड़ा ध्यान देकर करें। आपको अपने समय का सदुपयोग करने की आवश्यकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। रचनात्मक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कामकाज में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको अपने डेली रूटीन को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। घरेलू मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें और आप आवेश में आकर कोई निर्णय न लें। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

शब्दजाल - 7940

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	डा	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्नि
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल में 'म' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

महान, मजबूर, मजदूर, महिला, महाराणा, महादेव, मसलना, मलाई, मशहूर, महाराजा

शब्दजाल - 7939 का हल

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.52 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	09.08 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.20 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.46 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.02 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.07 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.53 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.26 बजे से
राहुकाल		मेष	00.57 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	02.37 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.35 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 176 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 16.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 10.41 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 06.00 बजे तदनन्तर वृद्धि 02.39 बजे रात्र को समाप्त। **करण** चतुष्पद 05.29 बजे, नाग 16.02 बजे तदनन्तर किस्तुघ्न 02.40 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 23' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872386 **जूलियन दिन** 2460851.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 28 **विशेष** आषाढ़ अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6884

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 6883

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः विनम्र स्वभाव

भीष्म पितामह शरशय्या पर पड़े हुए थे। कौरव व पांडव उन्हें घेरकर खड़े थे। भीष्म पितामह सभी की ओर देखते हुए बोले, 'अब आप सब से विदा लेने का समय आ गया है। मेरे पास कुछ ही समय शेष है।' यह सुनकर वहां उपस्थित सभी लोग रुआंसे हो गए। धर्मराज युधिष्ठिर उनके चरणों में बैठे हुए बोले, 'पितामह, आपसे निवेदन है कि आप हमें कुछ ऐसी उपयोगी शिक्षा दें, जो हमारे भावी जीवन के लिए लाभदायक हो।' भीष्म पितामह बोले, 'मैं तुम्हें एक नदी की कहानी सुनाता हूं जिसमें जीवन का सार छिपा है। एक दिन समुद्र ने नदी से प्रश्न किया- तुम बड़े-बड़े पेड़ों को अपने प्रवाह में ले आती हो, लेकिन क्या कारण है कि छोटी सी घास, कोमल बेलों व नरम पौधों को अपने साथ बहाकर नहीं ला पाती। नदी जब अपने साथ बड़े-बड़े पेड़ों को ला सकती है तो उसके लिए घास के तिनकों व नरम पौधों को बहाकर लाना तो बहुत सहज होना चाहिए। समुद्र की बात सुनकर नदी मुस्कराती हुई बोली- जब-जब मेरे पानी का बहाव आता है तब-तब बेलें, घास के तिनके व नरम पौधे झुक जाते हैं और मुझे रास्ता दे देते हैं, लेकिन वृक्ष अपनी कठोरता के कारण झुकने को तैयार नहीं होते। वे सीधे खड़े रहते हैं, ऐसे में मेरा तेज बहाव उन्हें तोड़ कर अपने साथ बहा लाता है। मैं बेलों, घास के तिनकों और छोटे पौधों के विनम्र स्वभाव को पसंद करती हूं और उनके आगे झुक जाती हूं। लेकिन बड़े पेड़ों का अहंकार मुझे पसंद नहीं, इसलिए मैं उन्हें दंडित करती हूं। नदी के जवाब से समुद्र संतुष्ट हो गया। शायद आप सब भी इस कहानी में छिपे हुए जीवन का सार समझ गए होंगे कि व्यक्ति को हमेशा विनम्र रहना चाहिए। विनम्रता के साथ ही अपने जीवन के मार्ग पर बढ़ना चाहिए। यही सफलता का मूल मंत्र है।' यह कहकर भीष्म पितामह ने सदा के लिए आंखें मूंद लीं ।

सूडोकु नवताल- 7193

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7192 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8408

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8407 का हल

	बं	ध	न		आ	द	मी	
क	द		म		रा		न	ल
त			क	या	म	त		जा
रा	य	ता		र		र	ब	ना
		क	ला		आ	स		
प	का	ना		मा		ना	का	म
ना			भ	न	क			न
ह	त्या		व		स		म	न
	ग	ल	न		र	ट	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर की खबर से बाजार में तेजी आई और ये 1000 अंक ऊपर पहुंच गया पर कुछ देर बाद ही सीजफायर टूटने और तनाव बढ़ने से बाजार धारणा प्रभावित हुई जिससे निवेशकों ने निकासी शुरु कर दी और बाजार नीचे आने लगा। इससे कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सत्र के शुरुआती समय की 1100 अंकों की बढ़त खोकर केवल 158.32 अंक की बढ़त के साथ ही 82,055.11 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी केवल 72.45 अंक की हल्की तेजी के साथ 25,044.35 के स्तर पर रहा। सेंसेक्स में अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, एनटीपीसी, मारुति, एचसीएल टेक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.4 फीसदी की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल में 1.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इलके अलावा, निफ्टी बैंक, ऑटो, प्राइवेट बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी तेजी देखी गई। इनमें से प्रत्येक में 0.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों में निफ्टी मीडिया में 1 फीसदी की कमी आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 1.50 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं गत दिवस सोमवार को शेयर बाजार में 1,874.38 करोड़ रुपये की तेजी आई जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,591.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बाजार में संघर्ष विराम की घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के कारण आई शुरुआती बढ़त कुछ समय में ही हवा हो गयी क्योंकि सीजफायर टूटने की खबरों से निवेशकों में घबराहट आई और उन्होंने अपनी रकम निकालना शुरु कर दिया। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग काफी ऊपर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार मध्य सत्र के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को भारी गिरावट दिख रही है। यह गिरावट पिछले एक हफ्ते में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान है। ट्रंप ने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम हो गया है। इससे इलाके में तेल की सप्लाई बाधित होने का डर कम हो गया है। ईरान में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की धमकी दी थी जिससे कच्चे तेल की कीमत 5 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। दुनिया में 20 फीसदी कच्चे तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.69 डॉरली यानी 3.76 फीसदी गिरावट के साथ 68.79 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले सेशन में यह 4 फीसदी से ज्यादा गिर गया था और 11 जून के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड में भी 2.7 डॉलर यानी 3.94 फीसदी की गिरावट के साथ 65.46 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह 9 जून के बाद इसका न्यूनतम स्तर है। तेल की कीमतों में गिरावट से खासकर भारत को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि हम 85 फीसदी से ज्यादा क्रूड आयात करते हैं। ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि इजराइल और ईरान पूरी तरह से युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तुरंत युद्धविराम शुरू करेगा। इजराइल 12 घंटे बाद ऐसा करेगा। अगर दोनों पक्ष शांति बनाए रखते हैं, तो 24 घंटे बाद युद्ध आधिकारिक तौर पर समाप्त हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि एक पूर्ण युद्धविराम लागू होगा जिसका मकसद दोनों देशों के बीच संघर्ष को खत्म करना है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत नहीं दिखाएगा जल्दबाजी

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा करने में भारत कोई जल्दबाजी नहीं दिखाएगा। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि 9 जुलाई की निर्धारित समय सीमा तक व्यापार समझौता करने में भारत जल्दबाजी नहीं दिखा रहा है मगर दोनों पक्ष विभिन्न चुनौतियों के बीच सकारात्मक सोच के साथ एक दूसरे के साथ बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा ?कि फिलहाल यह कह पाना मुश्किल है कि 9 जुलाई से पहले अमेरिका के साथ समझौता हो पाएगा या नहीं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी देश व्यापार समझौता करने के लिए इतना उतावलापन दिखाएगा। हम अमेरिका के साथ एक लाभकारी और ठोस व्यापार समझौता करना चाहते हैं। दोनों ही पक्ष एक संतुलित समझौता करने के पक्ष में हैं। यह कहीं न कहीं इस बात का इशारा है कि सरकार जवाबी शुल्क के डर से अमेरिका को खुश करने के लिए बिना सोचे-समझे आनन-फानन में कोई समझौता नहीं करेगी। अमेरिका ने भारत सहित कई देशों को उसके साथ व्यापार समझौता करने के लिए 90 दिनों का समय दिया है जिसकी समय सीमा 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। इस बारे में एक दूसरे अधिकारी ने कहा ?कि भारत का हित सर्वोच्च है और वह इससे कभी समझौता नहीं करेगा। डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह जल्द ही अमेरिका के साथ व्यापार करने वाले प्रत्येक देश को बता देंगे कि 9 जुलाई के बाद उन पर कितना शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के इस बयान पर पहले अधिकारी ने कहा कि उन्हें नहीं मालूम को 2 अप्रैल को हुई शुल्कों की घोषणाओं से यह कितना अलग होगा। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के व्यापार वार्ताकार भी नहीं जानते कि 90 दिनों की समय सीमा बढ़ाई जाएगी या नहीं।

11 के.व्ही. लाइन की चपेट में आने से एक ही परिवार के 03 लोगों की जिंदा जलकर मौत

मोटरसाइकिल से दुर्गा मंदिर देवलगांव पूजा करने जा रहे थे

लांजी(पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी सुलसुली अन्तर्गत ग्राम सर्रा में 24 जून मंगलवार को सुबह करीब 7:30 बजे एक ऐसा हृदय विदारक हादसा घटित हुआ जिसने संपूर्ण लांजी सहित जिले को झकझोर दिया। इस घटना में एक ही परिवार के तीन लोगो की 11 केव्ही विद्युत लाईन की चपेट में आने से मृत्यू हो गई। जैसे ही घटना की सूचना प्राप्त हुई घटना स्थल पर भीड़ जुटती गई, लांजी क्षेत्र के भी लोग धटना स्थल पर पंहुचे तो वहीं क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार भवेदी, थाना प्रभारी विभेन्द्र व्यंकट टांडिया, जेई अविनाश देशमुख, सुलसुली चौकी प्रभारी माधव शर्मा, राजस्व विभाग का दल पंहुचकर वस्तु स्थिती का जायेजा लिया। विधायक कर्राहे ने अधिकारी कर्मचारियो को त्वरित कार्यवाही किये जाने के निर्देश देकर अतिशिघ्र कार्यवाही पूर्ण करने की बात कही। पुलिस विभाग के द्वारा घटना स्थल पर अपनी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर तत्काल ही शवों को सिविल अस्पताल लांजी पीएम हेतू लाया गया एवं शिघ्रता से पीएम करवाकर शव परिजनों को सौपा दिया गया।

उक्त संबध में लांजी थाना प्रभारी व्यंकट टांडिया से चर्चा की गई तो बताया कि क्षेत्र में सुबह तेज हवा तूफान एवं वर्षा हो रही थी। विद्युत पोल पर एक शाखा गिरने से तार नीचे आने की वजह से झूल रहे थे, जिससे बाइक टकरा गई और तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया गया है। मामले में विवेचना जारी हैं।

विभेंदु टांडिया - थाना प्रभारी लांजी।

उक्त संबध में जेई अविनाश देशमुख से चर्चा की गई तो आपने बताया कि रात्रि से हो रही वर्षा के कारण जंगल क्षेत्र में पेड़ की बड़ी शाखा टूटकर नीचे 11 केवी की लाइन पर गिरी। जिससे तार टूटकर नीचे आ गया था। जिस जगह में यह हादसे हुआ है वह मोड़ क्षेत्र होने से तार दिखाई नहीं दिया होगा। जिसके कारण वह तार की चपेट में आ गए। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की ओर मृतकों के परिवार को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जावेगी।

अविनाश देशमुख, जेई विद्युत विभाग लांजी।

मृतको में एक ही परिवार के तीन लोग

इस हृदय विदारक घटना में मृतक सर्रा निवासी सेवकराम पिता प्यारेलाल पांचे उम्र 30 वर्ष, रेणुका पति सेवकराम पांचे उम्र 28 वर्ष एवं भोजराज पिता यादोराव पांचे उम्र 27 वर्ष एक ही परिवार के सदस्य है। सेवकराम की पत्नि रेणुका और सेवकराम का काका भाई भोजराज यह तीनों अपनी मोटर सायकल से सर्रा से देवलगांव दुर्गा मंदिर पूजा करने के लिये जा रहे थे। वाहन सेवकराम पांचे चला रहा था जैसे ही यह सर्रा से लगभग 1 से देढ़ किमी आगे बढे एक मोडाई पर विद्युत लाईन की चपेट में आ गये, विद्युत लाईन 11 केव्ही विद्युत प्रवाह हो रहा था, मोटर सायकल के आईन और क्लच ब्रेक में तार फंस गया जैसे ही विद्युत लाईन की चपेट मे आये वैसे ही अचानक चिंगारी निकली और मोटर सायकल मे आग लग गई। तीनो को मोटर सायकल से उतरने का भी मौका नही मिला। वाहन में पेट्रोल होने के कारण भी पुरी मोटर सायकल भभक भभक कर जलने लगी और इस आग की चपेट में तीनो आ गये जिन्हे मोटर सायकल से उतरने का मौका भी नही मिला और घटना स्थल पर ही उक्त तीनों की मृत्यू हो गई। यह घटना सुनते ही ग्राम सर्रा सहित आस पास के ग्रामों में मातम पसर गया जिसने भी हादसा देखा उसका दिल दहल गया।

बतादे कि सेवकराम और रेणुका के एक 4 वर्षीय बेटी तथा भोजराज पांचे की दो बेटियॉ जो कि एक ढाई साल एवं एक 8 माह की है । इन तीनो मासूम बच्चों के सर से माँ बाप और पिता का साया सर से उठ गया।

घटना के संबध में प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो विगत रात्रि में आंधी तूफान और बारिश हुई थी जिसके चलते उक्त स्थान पर एक पेड़ की टहनी टूटकर 11 केव्ही विद्युत लाईन पर गिरी जिसके चलते विद्युत तार पोल से टूटकर मार्ग पर आ गिरा। इसी दौरान जब सेवकराम, रेणुका और भोजराज मोटर सायकल से जा रहें थे तो उन्हे अचानक विद्युत लाईन दिखाई नही दी होगी, हो सकता बारिश भी हो रही थी जिस कारण भी तार शायद नही दिखा हो और अचानक तार की चपेट में आ गये, और यह घटना घटित हो गई। वही ग्रामीणो ने भी कहा कि यह विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही है। क्यों कि ये लोग ठीक तरह से तारो को कसते नही है, ठेकेदार गुणवत्ताहीन कार्य करके चले जाते हैं और भुगतना हम लोगो को पड़ता।

विधायक राजकुमार कर्राहे पहुंचे घटना स्थल पर

उक्त घटना के संबध में जैसे ही क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे को घटना की जानकारी मिली वैसे वे घटना स्थल पर पंहुचकर उपस्थित सभी अधिकारियों से मुलाकात की, घटना स्थल पर मौजूद लोगो से चर्चा की तथा घटना की पूर्ण जानकारी प्राप्त की, अधिकारियों को निर्देश दिये की त्वरित कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु लांजी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की जाये। वहीं कलेक्टर बालाघाट तथा एसडीएम लांजी से भी चर्चा कर पीडित परिवार के सहायता की बात कही। शासन के अन्तर्गत आने वाली आर्थिक योजना का लाभ परिवार को मिले, वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियो से भी चर्चा कर जो प्रावधान है उसे तुरंत पूर्ण कर लाभ दिये जाने की बात कही। आपने इस हृदय विदाकर हादसे में शोक संवेदना व्यक्त करते हुये कहा कि यह एक अति गंभीर घटना है मै मृत आत्मा के शांति के लिये प्रार्थना करता हूॅ इस दुख की घडी मै परिवार जनों के साथ खड़ा हूॅ उन्हे जब कभी मेरी आवश्यतका होगी मै उनके साथ हूं।

04-04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

जिले के लांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम सर्रा के पास बिजली दुर्घटना में आज 24 जून को तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। मृतकों में सेवकराम पांचे, भोजराज पांचे और रेणुका पांचे शामिल हैं। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री दीपक उइके ने बताया कि विद्युत वितरण कंपनी की ओर मृतकों के परिवार को 04-04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है। यह राशि वितरण कम्पनी के नियमों के अनुसार स्?वीकृत की गई है।

खुशोबा ठाकरे का 97 वर्ष की उम्र में निधन

लांजी(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव निवासी निवासी खुशोबा पिता जीजोबा ठाकरे का 97 साल की उम्र में 24 जून को दोपहर लगभग 2ः30 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे एक बेटा, एक बेटी समेत नाती पोते से भरा पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। जिनका अंतिम संस्कार आज 25 जून को स्थानीय मोक्षधाम में किया जाएगा। इस निधन पर रिश्तेदारों, समाज और गांव के गणमान्य लोगों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दुःख सहन करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

झाड़ियों के कारण लांजी-आमगांव मार्ग पर बढ़ा दुर्घटना का खतरा

लांजी(पद्मेश न्यूज)। लांजी-आमगांव मार्ग पर सड़कों के किनारे फैली झाड़ियों ने यातायात के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। सड़क के किनारे लगे सुरक्षा रेलिंग्स के पास घनी झाड़ियां न केवल दृश्यता को कम कर रही हैं, बल्कि वाहन चालकों के लिए मार्ग को संकुचित कर रही हैं। सड़क के किनारे उगी झाड़ियां इतनी घनी हो चुकी हैं कि रेलिंग्स तक ढक गई हैं। झाड़ियों के कारण चालकों को सड़क के मोड़ और रेलिंग्स की स्थिति का सही आकलन करने में कठिनाई हो रही है, जो खासकर रात के समय और खराब मौसम में जोखिम को बढ़ाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में इस मार्ग पर झाड़ियों की सफाई नहीं की गई, जिससे दुर्घटना के कई मामले सामने आए हैं। एक निवासी ने बताया, झाडियों के कारण सड़क का किनारा दिखाई नहीं देता, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा जाते हैं। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

यह मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड होने के नाते, इसकी देखभाल और रखरखाव का दायित्व संबंधित लोक निर्माण विभाग पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि

समय पर कटाई और साफ-सफाई से इस समस्या से निपटा जा सकता है। हालांकि, अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय प्रशासन से अपील की जाती है कि वे इस मार्ग का निरीक्षण करें और झाड़ियों की तत्काल कटाई सुनिश्चित करें। साथ ही, सुरक्षा रेलिंग्स की मरम्मत और सड़क के किनारे साफ-सफाई के लिए एक नियमित योजना बनाई जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। यातायात पुलिस को भी सलाह दी जाती है कि वे चालकों को सतर्क रहने और धीमी गति से ड्राइव करने की हिदायत दें। लांजी-आमगांव मार्ग पर झाड़ियों की अनदेखी न केवल सौंदर्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि मानव जीवन के लिए भी खतरा बन गई है। समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर इस मार्ग पर गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है।

सावन मास में पुरे माह कोटेश्वर धाम में होगा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ

लांजी(पद्मेश न्यूज)। आगामी 11 जूलाई से श्रावण मास प्रारंभ हो रहा, श्रावण मास के पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक आयोजन धार्मिक एवं सामाजिक संगठनो के द्वारा आयोजित किये जाते है। साथ ही इस श्रावण मास में अखण्ड रामायण पाठ का भी विशेष महत्व है जिसको देखते हुये एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा कोटेश्वर धाम लांजी में 30 दिवसीय अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जो कि 11 जुलाई रोजाना 10 अगस्त तक संचालित होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली गई। कार्यक्रम के निवेदक झनकार किरनापुरे ने बताया कि उक्त आयोजन विश्व शांति की मंगलकामना हेतु धर्मनगरी लांजी में आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत 11 जुलाई को मानस यात्रा प्रातः 9 बजे से गायत्री मंदिर भिलाई रोड़ लांजी से दादा कोटेश्वर धाम लांजी तक, देव आव्हान एवं पीठ पूजन प्रातः 9 बजे व्यास पीठ स्थल दादा कोटेश्वर धाम लांजी, मंचीय कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से,

भगवान भोलेनाथ एवं श्रीराम जी की स्तुति पश्चात श्री रामचरित मानस पाठ प्रारंभ दोपहर 2 बजे से, अतिथि गणो के द्वारा बेलवन में 108 बिल्व पत्र पौधारोपण, शानिवार 9 अगस्त 2025 पंच कुण्डीय हवन स्तुति दोपहर 2 बजे से, महा आरती एवं श्रीराम चरित मानस पाठ विश्रांति। 10 अगस्त को प्रातः 6 बजे से 108 पार्थिव शिललिंग महारूद्राभिषेक पूजन एवं महाआरती उद्बोधन एवं मार्गदर्शन प्रातः 11 बजे से एकल अभियान संच के अखिल भारतीय अतिथियों के द्वारा, अंत में दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

भोपाल को झुग्गी फ्री बनाने का फार्मूला अधर में

- 7 महिने बाद भी धरातल पर नहीं उतरी योजना

भोपाल। नवंबर 2024 में प्रदेश सरकार ने राजधानी भोपाल समेत पूरे प्रदेश को झुग्गी फ्री बनाने का फार्मूला बनाया था। लेकिन आज तक योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है। जिला प्रशासन अब तक कागजी कार्यवाही तो पूरी कर चुका है, लेकिन शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने अथवा झुग्गियों के विस्थापन की शुरुआत अभी नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है कि भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाए जाने के प्रयास पहले भी कई बार हो चुके हैं। हालांकि पिछले सभी प्रयास न केवल विफल रहे, बल्कि हर वर्ष शहर की सबसे पॉश और कीमती शासकीय भूमि पर नई झुग्गी बस्तियां विकसित होती गईं।

गौरतलब है कि सात माह पहले प्रदेश सरकार ने एक नई पहल शुरू करते हुए शहरी क्षेत्रों में झुग्गी-झोपडियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की योजना बनाने की घोषणा की। उसके तहत शहरी क्षेत्रों में आने वाली झुग्गी-बस्तियों के आंकड़े इकट्ठे किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत राजधानी भोपाल से की गई। पहले चरण में सरकार शहरी क्षेत्रों में स्थित झुग्गी बस्तियों के आंकड़े इकट्ठा किया जा रहा है। जिससे इनके उन्मूलन के लिए कार्य योजना तैयार की जा सके। इसके साथ ही इन बस्तियों में रहने वाले परिवारों का सर्वे किया जा रहा है। जिससे कि यहां रहने वाले लोगों की गणना की जा सके। हालांकि इसकी शुरुआत सबसे पहले राजधानी भोपाल से की गई है। लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पाया है। राजधानी सहित पूरे मप्र के शहरों में अवैध झुग्गियों को राजनीतिक संरक्षण रहा है। भोपाल में सत्ता और विपक्ष के कुछ चिन्हित राजनेता न सिर्फ वोटों के लालच में बल्कि अवैध मासिक उगाही के फेर में भी झुग्गियों और गुमटियों के संरक्षक बने रहे हैं। गुमटी बसाकर उगाही करने वालों में दो पूर्व विधायक (एक दिवंगत) और एक पूर्व मंत्री सबसे आगे रहे हैं।

अभी तक सिर्फ कागजी कार्रवाई

प्रदेश की राजधानी भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने की कार्य योजना पर काम चल रहा है। जिला प्रशासन अब तक कागजी कार्यवाही तो पूरी कर चुका है, लेकिन शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने अथवा झुग्गियों के विस्थापन की शुरुआत अभी नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है कि भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाए जाने के प्रयास पहले भी कई बार हो चुके हैं। हालांकि पिछले सभी प्रयास न केवल विफल रहे, बल्कि हर वर्ष शहर की सबसे पॉश और कीमती शासकीय भूमि पर नई झुग्गी बस्तियां विकसित होती गईं। पिछले साल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राजधानी को झुग्गी मुक्त बनाने की कार्य योजना पर काम शुरू हुआ। इसके लिए प्रशासन ने निजी सहभागिता से शासकीय भूमि पर बहुमंजिला इमारतें तैयार कर झुग्गी बस्तियों के विस्थापन की योजना तैयार की है। झुग्गी विस्थापन योजना के तहत पहले चरण में चिन्हित झुग्गियों को 9 क्लस्टरों में विभाजित किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग की नई गाइडलाइन

- हर मेडिकल छात्र फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम का हिस्सा बनेगा

भोपाल। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने हाल ही में चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास से संबंधित कई नई गाइडलाइन जारी की हैं। इसी कड़ी में शैक्षणिक सत्र 2026 से हर मेडिकल छात्र फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम का हिस्सा बनेगा। इसके तहत प्रत्येक छात्र को कम से कम एक परिवार को गोद लेना होगा, जिसकी संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की जिम्मेदारी उस छात्र की ही होगी। हर मेडिकल कॉलेज दो गांवों को गोद लेगा। एमबीबीएस छात्र 78 घंटे तक सीधे ग्रामीणों के बीच रहकर इलाज करेंगे। पढ़ाई के दौरान एमबीबीएस छात्र जागरूकता और सेवा का काम भी करेंगे।

एनएमसी ने मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन के लिए सत्र 2025-2026 के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने कहा है कि कुछ मेडिकल संस्थान काफी समय से मनमानी कर रहे हैं। निरीक्षण के समय नकली रोगियों को भर्ती करते हैं। बावजूद इसके इन्हें वार्ड में भर्ती किया जाता है और दस्तावेज पर मरीजों की संख्या में जोड़ा जाता है। एनएमसी ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, मूल्यांकन और रेटिंग विनिमय 2023 अधिनियम के तहत इस फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एनएमसी के सचिव डॉ. बी श्रीनिवास ने मेडिकल कॉलेजों के लिए जारी आदेश में कहा कि आगामी चार जनवरी 2025 तक नए संस्थानों की मान्यता देने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

ग्राम पालडोंगरी में मनाई वीर नारायण सिंह बिंझवार की जयंती

लांजी(पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के ग्राम पालडोंगरी में बिंझवार समाज ने 23 जून 2025 को दोपहर 12 बजे ग्राम के सभा मंच में छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर नारायण सिंह बिंझवार की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर समाज के सभी स्वजातीय गण उपस्थित रहे।कार्यक्रम में आदिवासी बिंझवार समाज युवा संगठन के अध्यक्ष पंचम सिंह पांडे, उपाध्यक्ष विजय सोनवाने, सचिव अविनाश पालेवार, कोषाध्यक्ष विजय पांडे, राजकुमार भालेवार, विजय पालेवार, तेजराम मलगाम, चंद्रभोज मलगाम, रवि चंदाहे, खेमलाल मलगाम, दीपक उइके सहित अन्य सामाजिक गणों ने हिस्सा लिया।

वीर नारायण सिंह बिंझवार का परिचय

वीर नारायण सिंह बिंझवार (जन्मः 1795, कुर्रा गांव, सोनाखान, छत्तीसगढ़) एक प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। स्थानीय राजा के परिवार से ताल्लुक रखने वाले वीर नारायण सिंह ने 1857 के विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्थानीय लोगों को शोषण के खिलाफ एकजुट किया।

ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह

वीर नारायण सिंह ने छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश अत्याचारों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसमें उन्हें स्थानीय जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। उनकी वीरता और नेतृत्व ने स्वतंत्रता की भावना को प्रज्वलित किया।शहादत

10 दिसंबर 1857 को ब्रिटिश सरकार ने उन्हें फांसी दे दी, लेकिन उनकी शहादत ने छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम की भावना को और प्रबल किया।

वीर नारायण सिंह बिंझवार को छत्तीसगढ़ के महान नायक के रूप में सम्मानित किया जाता है। उनके सम्मान में स्मारक और संग्रहालय स्थापित किए गए हैं, जो उनकी बहादुरी और बलिदान की गाथा को जीवित रखते हैं। उनकी कहानी छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वतंत्रता संग्राम के स्थानीय नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।यह आयोजन बिंझवार समाज के लिए गर्व का क्षण रहा, जिसमें समाज ने अपने नायक की स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोहझरी के जंगल में अवैध महुआ लाहन पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

लांजी(पद्मेश न्यूज)। 24 जून को लांजी क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के निर्देशानुसार और जिला आबकारी अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार उरांव के मार्गदर्शन में 24 जून 2025 को लांजी क्षेत्र के ग्राम मोहझरी के जंगल में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान आबकारी वृत्त लांजी की टीम ने अवैध रूप से संग्रहित और निर्मित महुआ लाहन सहित अन्य सामग्री जब्त की।आबकारी विभाग की टीम ने मोहझरी के जंगल में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर लगभग 200 किलोग्राम महुआ लाहन डिब्बों में भरा हुआ बरामद किया। जब्त की गई सामग्री का बाजार मूल्य लगभग 20 हजार रुपये आंका गया है। इस कार्रवाई के तहत मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत एक प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, जिसकी विवेचना प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौके पर सैंपल लेने के बाद शेष लाहन को नष्ट कर दिया गया।इस कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी उपनिरीक्षक श्री मनोज अंजलेकर और आरक्षक श्री राहुल महोबिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी।जिला प्रशासन और आबकारी विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्रवाई की सराहना की है और प्रशासन से इस तरह की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोपाल में खुलेगी प्रदेश की पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी

- देश के किसी भी कोने में बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे छात्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द ही प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी की शुरुआत होगी। इसमें दाखिला लेने और क्लास अटेंड करने के लिए स्टूडेंट को यूनिवर्सिटी में आने की जरुरत नहीं होगी। बल्कि वो दूर-दराज के क्षेत्रों और देश के किसी भी कोने में बैठकर एडमिशन ले सकेंगे और क्लास भी अटेंड कर सकेंगे। खास बात यह है कि इस यूनिवर्सिटी में किसी भी कोर्स को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों पर तय समय की बाध्यता नहीं होगी। यानि स्टूडेंट स्वतंत्रता के साथ कोर्स को पूरा कर सकेंगे।

युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगी यूनिवर्सिटी

डिजिटल यूनिवर्सिटी मौजूदा शैक्षणिक मॉडल यानि ऑनलाइन लर्निंग और ओपन डिस्टेंस लर्निंग का एक अभिनव संयोजन है। यह यूनिवर्सिटी छात्रों को डिजिटल तरीके से शैक्षणिक गतिविधियां सीखने में सक्षम बनाएगी। इसमें फिजिकल क्लास की जगह वर्चुअल या ऑनलाइन क्लासेस लगेंगी। यह यूनिवर्सिटी हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित होगी। इस यूनिवर्सिटी में रोजगार को देखते हुए पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। जो भविष्य में युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगी।

बीच में पढ़ाई छोड़ने से नहीं बर्बाद होगा साल

डिजिटल यूनिवर्सिटी में छात्रों को अपनी सुविधानुसार कहीं से भी ऑनलाइन कक्षाएं लेने की सुविधा मिलेगी। यहां बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले स्टूडेंट का साल भी बर्बाद नहीं होगा, उन्हें मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन लेने और क्रेडिट प्राप्त करने की सुविधा होगी।

डिजिटल यूनिवर्सिटी में आसान होगी पढ़ाई

डिजिटल यूनिवर्सिटी के जरिए छात्रों के लिए पढ़ाई करना काफी आसान होगा। उदाहरण के तौर पर यदि कोई सिलेबस 4 साल का है और स्टूडेंट्स उसे कम समय में पूरा करने में सक्षम है, तब उस छात्र को कम अवधि में कोर्स पूरा करने की अनुमति दी जा सकती है। इसी तरह से अगर कोई छात्र 4 साल के पाठ्यक्रम को 5 साल में करना चाहता है, तो वह डिजिटल यूनिवर्सिटी के माध्यम से उस कोर्स को 5 साल में पूरा कर सकेगा। यानि यहां छात्रों को अपनी इच्छा अनुसार कोर्स पूरा करने की स्वतंत्रता होगी।

एडवांस टेक्नालाजी पर आधारित कोर्स कराएगी यूनिवर्सिटी

बता दें कि, इस यूनिवर्सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग के साथ इंटरनेट आफ थिंग्स जैसे कुछ कॉन्सेप्ट के साथ एडवांस एजुकेशन सिस्टम को अपनाया जाएगा। यह एडवांस तकनीक के साथ एडवांस कोर्सेज करवाएगी। स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड आइटी, फाइनेंस एण्ड अकाउंटिंग, डाटा एनालिटिक्स और एनालिटिकल मैथेमेटिक्स जैसे केन्द्रों की स्थापना की जाएगी। इसके तहत निजी क्षेत्रों के सहयोग से विभिन्न अत्याधुनिक तकनीक आधारित कोर्स उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), ब्लाकचेन, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, बायो-कम्प्यूटिंग, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स एण्ड डिसरप्टिंग कन्वेंशन मॉडल आफ वर्क एंड बिजनेस जैसे एक्सीलेंस केंद्रों की स्थापना भी प्रस्तावित है।

100 करोड़ रुपये आएगी निर्माण की लागत

उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि मध्य प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्टक्चर और ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए देश की अन्य केंद्रीय यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर प्रदेश की पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी काम करेगी। इस यूनिवर्सिटी का लक्ष्य दुनिया से संबंधित विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानविकी में अनसुंधान और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करके प्रदेश में ज्ञान की क्रांति लाना है। इस यूनिवर्सिटी के निर्माण में करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है।

आरजीपीवी परिसर में खुलेगी पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो। राजीव त्रिपाठी ने बताया कि डिजिटल यूनिवर्सिटी की शुरुआत जल्द मध्य प्रदेश में होने जा रही है। पहले इसे श्यामला हिल्स में बनाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब इसे आरजीपीवी परिसर में बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इसके लिए आरजीपीवी की तरफ से यूनिवर्सिटी के एक्ट का ड्राफ्ट बनाकर दिया जा चुका है। डिजिटल यूनिवर्सिटी पूरी तरह से स्वतंत्र होगी। खास बात यह है कि इस यूनिवर्सिटी में संचालित कोर्स स्टूडेंट देश के किसी भी कोने में बैठकर ऑनलाइन पूरा कर सकेंगे।

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से

8 अगस्त तक चलेगी विधानसभा की कार्यवाही, जल्द नोटिफिकेशन होगा जारी

भोपाल। विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जो 8 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा। मानसून सत्र में राज्य सरकार विधेयकों के साथ पहला अनुपूरक बजट भी पेश करेगी, जिसे सदन की मंजूरी मिलना तय है। इसी को लेकर तीन दिन पहले मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के बीच मुलाकात हुई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तीन दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से उनके बंगले पर मिलने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के बीच मानसून सत्र को लेकर अंतिम चर्चा हुई। इसके बाद सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से मंजूरी ली गई। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में विधानसभा सचिवालय सत्र को लेकर अधिसूचना जारी कर देगा। इस सत्र में मानसून सत्र में दस बैठकें होने की संभावना है।

डिजिटल हो सकते हैं इस बार विधायक

विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही को पिछले साल ई विधान से जोड़ने का फैसला किया गया था। ऐसे में 28 जुलाई से होने वाले सत्र में ई विधान के चलते विधायकों को टैबलेट दिए जा सकते हैं। इसमें सदन सभी सभी जानकारी के साथ प्रश्नोत्तरी, प्रदेश सरकार का बजट, विभागीय प्रतिवेदन समेत अन्य जानकारी डिजिटल फॉर्मेट में उपलब्ध रहेगी। विधायकों को तकनीक के आधुनिक सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया में यह बड़ा कदम बताया जा रहा है। एनआईसी द्वारा इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पिछले माह प्रजेंटेशन भी दिया जा चुका है।

पिछले साल एक जुलाई से शुरू हुआ था मानसून सत्र

पिछले साल विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। इसके लिए 19 जुलाई तक का समय तय किया गया था। हालांकि सत्र समय से पहले समाप्त हो गया था। इस सत्र में कुल 14 बैठकें तय की गई थीं। लोकसभा चुनाव के चलते मार्च 2024 में सरकार का बजट नहीं आ सका था। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान तीन जुलाई को मोहन सरकार का पूर्ण बजट आया था। इसके पहले फरवरी में सरकार ने लेखानुदान पारित कर चार माह के बजट का इंतजाम किया था।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में 4,82,769 मामले लंबित

- जजों के रोस्टर मे बदलाव, ई-फाइलिंग अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में इस समय 482769 मामले लंबित हैं। ग्वालियर खंडपीठ में 89755 जबलपुर खंडपीठ में 283816 तथा इंदौर खंडपीठ में 19198 प्रकरण सुनवाई के लिए लंबित हैं।

ग्वालियर खंडपीठ में 8 जज मामलों की सुनवाई कर रहे हैं। वहीं जबलपुर में 17 जज मामलों की सुनवाई कर रहे हैं। इंदौर बेंच में आठ जज सुनवाई कर रहे हैं। जबलपुर में एक जज के हिस्से में 16695, इंदौर खंडपीठ में एक जज के हिस्से मे 13649 प्रकरण तथा ग्वालियर खंडपीठ में 11219 मामले की सुनवाई एक जज के हिस्से में आती है। सुनवाई जजों की संख्या के आधार पर की जाती है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यकारी चीफ जस्टिस ने इस मामले में तीनों खंडपीठ के बार अध्यक्षों और सचिवों के साथ चर्चा की है।इस चर्चा में हाईकोर्ट में ई फाइलिंग,जजों के रोस्टर और वर्षों पुराने लंबित मामलों की सुनवाई को लेकर कई बदलाव पर चर्चा की गई हैं।काज लिस्ट में शामिल केसों की प्राथमिकता तय की गई है। महत्वपूर्ण केस की सुनवाई के बाद नए प्रकरणों पर सुनवाई की जाएगी। नए केसों के लिए निर्धारित तिथि पर मामलों की सुनवाई होगी।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में पेंडिंग प्रकरणों की संख्या सबसे ज्यादा है। जल्द से जल्द सुनवाई होकर मामलों में फैसला हो सके। इसके लिए कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश ने बार अध्यक्षों से चर्चा कर सुनवाई जल्द हो इसका प्रयास किया है।

कब्रिस्तान के लिए लड़ेंगे कोर्ट में कानूनी लड़ाई

– जमीअत उलमा जिला भोपाल ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भोपाल के कोलार रोड क्षेत्र में अकबरपुर कब्रिस्तान पर कथित अवैध कब्जे और उस पर गोशाला निर्माण के विरोध में जमीअत उलमा जिला भोपाल ने मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनव्वर पटेल को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को दिए ज्ञापन में कब्रिस्तान की जमीन को भू-माफियाओं से मुक्त कराने और वहां बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग की गई।

जमीअत उलमा जिला भोपाल के अध्यक्ष हाफिज इस्माइल बैग ने बताया कि यह कब्रिस्तान वक्फ बोर्ड में दर्ज है। इसके बावजूद कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव ने न केवल इस जमीन पर अवैध कब्जा किया, बल्कि हाल ही में वहां गोशाला का शिलान्यास भी करा लिया। शिलान्यास कार्यक्रम में हुजूर क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा भी शामिल हुए। इस्माइल बैग ने आरोप लगाया कि अश्विनी श्रीवास्तव ने पुलिस की मौजूदगी में शिलान्यास किया, जबकि उनकी किरायेदारी साल 2019 में ही वक्फ बोर्ड द्वारा निरस्त कर दी गई थी। इसके बावजूद उन्होंने राजनीतिक प्रभाव के बल पर यह कार्य किया, जो पूरी तरह अनुचित है। ज्ञापन में बताया गया कि जमीअत उलमा पिछले 15 सालों से वक्फ संपत्तियों और कब्रिस्तानों की सुरक्षा के लिए सक्रिय है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून के निर्देश पर लगातार जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनव्वर पटेल ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जमीअत उलमा ने चेतावनी दी कि यदि आवश्यक हुआ तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर कानूनी लड़ाई लड़ेगी। इस मौके पर मौलाना मोहम्मद हनीफ, मौलाना अतहर, हाफिज साजिद अहमद, मोहम्मद तल्हा, मोहम्मद मुस्तकीम सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

वक्फ कार्यालय के सामने सांकेतिक कब्रें और कफन में लिपटे प्रदर्शनकारी

एक दिन पहले, ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने सोमवार को वक्फ बोर्ड कार्यालय के सामने अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सांकेतिक कब्रें बनाईं और कफन ओढ़कर जमीन पर लेटे। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कब्रिस्तानों पर मॉल और गोशालाएं बनेंगी, तो हम अपने मरे हुओं को कहां दफनाएंगे? प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे समिति के संरक्षक शमसुल हसन ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में पहले 189 पंजीकृत कब्रिस्तान थे, लेकिन अब केवल 22 ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान की जमीनों पर योजनाबद्ध तरीके से कब्जा किया जा रहा है।

आर्मी फायर रेंज में जवान पर गिरा डमी बम, मौत

भोपाल। भोपाल में सूखी सेवनिया क्षेत्र के आर्मी फायरिंग रेंज में ड्रोन से ट्रेनिंग के दौरान लोहे का डमी बम एक जवान के सिर पर गिर गया। हादसे में जवान की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार शाम सेना के जवान ड्रोन से बम गिराने की ट्रेनिंग ले रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। बम का वजन करीब 4 किलो से ज्यादा था और यह 400 फीट की ऊंचाई से गिरा था। बम सीधे जवान के सिर पर गिरा, जिससे उसे गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत सेना के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय चूक

जानकारी के मुताबिक, मृतक जवान का नाम विजय सिंह (उम्र 37 साल) है। वह उत्तराखंड के रहने वाले थे और भोपाल के बैरागढ़ में सेना कार्यालय में हवलदार के पद पर तैनात थे। सोमवार को वह एक नियमित ट्रेनिंग के लिए फायरिंग रेंज पहुंचे थे। यहां सेना के जवानों को ड्रोन से बम गिराने और उससे बचाव की तकनीक सिखाई जा रही थी। फायरिंग रेंज में उड़ान भर रहे एक ड्रोन में लोहे का डमी बम रखा गया, जिसे एक निर्धारित स्थान पर गिराया जाना था। लेकिन बम जवान विजय सिंह के ऊपर गिर गया। अब यह तकनीकी गड़बड़ी है या मानवीय चूक जांच कर पता लगाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही सूखी सेवनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

संविधान सत्याग्रह में जीतू पटवारी बोले

बाबा साहब को बीजेपी-कांग्रेस में न बांटें

भोपाल। मोहन यादव जी आप पहल करो, कांग्रेस-बीजेपी में बाबा साहब को मत बांटो। हमें पता है आप बाबा साहब अंबेडकर के विरोधी हो, आप अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों से नफरत करते हो। प्रदेश का मुख्यमंत्री किसी पार्टी, जाति वर्ग का नहीं होता। वो पूरे प्रदेश का होता है। देश के प्रधानमंत्री मोदी एक तरफ बाबा साहब अंबेडकर का जयकारा लगाते हैं और दूसरी तरफ उनके गृह मंत्री संसद में कहते हैं अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। अगर इतनी बार भगवान का नाम लेते तो स्वर्ग चले जाते। मतलब वो कहते हैं अंबेडकर भगवान नहीं हैं पर बाबा साहब अंबेडकर हमारे लिए भगवान हैं।

यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कही। वे मंगलवार को भोपाल के पंचशील नगर स्थित बुद्ध विहार में संविधान सत्याग्रह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना को लेकर विवाद के बीच कांग्रेस ने सोमवार से तीन दिन का संविधान सत्याग्रह शुरू किया है। बुद्ध विहार में पटवारी ने बौद्ध भिक्षुओं और दलित वर्ग के लोगों के साथ समरसता भोज किया। उन्होंने सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति के साथ संविधान सत्याग्रह पर चर्चा की।

अंबेडकर भगवान हैं

बुद्ध विहार में संविधान सत्याग्रह को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- प्रकृति का भी एक कानून होता है। उसी तरह भारत का भी एक संविधान है। जब देश आजाद हो रहा था तो हमारे पुरखों ने अपनी जान लगा दी। जब आजादी की लड़ाई लड़ी गई करोड़ों लोगों ने कुर्बानी दी। एक दिन देश आजाद हुआ और आजादी के मतवालों ने ऐसा सपना देखा कि देश में सब मिलजुलकर रहेंगे। इंसानियत की बात होगी। बाबा साहब अंबेडकर ने ऐसा सपना देखा जिसमें आर्थिक, सामाजिक समानता की बात थी। रोजगार का सबको अधिकार होगा। कोई बड़ा छोटा नहीं होगा, लेकिन 78 साल बाद देश कैसा बना है।

पढ़ी दलित-आदिवासियों पर अत्याचार की लिस्ट

पटवारी ने कहा कि अमित शाह ने वहां से संदेश दिया तो वैसा ही अनुसरण उनके नीचे के कार्यकर्ताओं ने करना शुरू कर दिया। तीन साल में 50 केस ऐसे हुए जिनमें दलितों पर अत्याचार हुए, हत्याएं हुईं, दलित- आदिवासी वर्ग की बहनों से रेप, अपहरण और हत्याएं हुईं। इसके पीछे कौन है? जीतू पटवारी ने 2023 से अब तक दलित-आदिवासियों के साथ रेप, अपहरण, हत्या और उत्पीड़न की घटनाओं में शामिल बीजेपी नेताओं के नामों की लिस्ट पढ़कर बताई।

सुरक्षा निधि से कटेगी उपभोक्ता की जेब

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अगले महीने से बिलों में सुरक्षा निधि बढ़ाई जाएगी। ऐसे में बिल में वृद्धि होगी और उपभोक्ताओं पर भार बढ़ जाएगा। दरअसल पिछले साल करीब 20 प्रतिशत बिजली खपत बढ़ी है। ऐसे में अब अगले तीन महीने इसी बढ़ी हुई खपत को तीन किस्तों में कंपनी वसूल करेगी। बता दें कि बिजली कंपनी 45 दिन की औसत खपत के बराबर की राशि सुरक्षा निधि में जमा कराती है। कंपनी उपभोक्ता के पिछले 12 महीनों के बिलों का विश्लेषण करती है और कुल खपत का औसत निकाला जाता है। निकाली गई औसत मासिक खपत को वर्तमान टैरिफ (बिजली दरों) से गुणा करके मासिक औसत बिल की गणना की जाती है। इसमें फिक्स्ड चार्ज (स्थिर प्रभार), एनर्जी चार्ज और अन्य लागू शुल्क शामिल होते हैं।

ऐसे समझें सुरक्षा निधि का गणित

उदाहरण के तौर पर एक उपभोक्ता की 12 महीनों की औसत मासिक खपत 200 यूनिट है। वर्तमान टैरिफ के अनुसार, 200 यूनिट का मासिक बिल लगभग 1500 रुपये आता है। प्रतिदिन 50 रुपये की खपत हो गई। 45 दिनों में ये 2250 रुपये बनती है। अभी उपभोक्ता की 1500 रुपये सुरक्षा निधि जमा है तो अतिरिक्त 750 रुपये की तीन किस्तों में वसूली होगी। यानि अब 250 रुपये तीन माह तक अतिरिक्त जुड़कर आएंगे।

नए नियमों को कोर्ट में चुनौती देगा सपाक्स

खत्म नहीं हो रहा पदोन्नति का विवाद

भोपाल। मप्र में कर्मचारियों की पदोन्नति में आरक्षण को लेकर सरकार एक बार फिर मुश्किल में फंसती नजर आ रही है। इसकी वजह यह है कि सामान्य वर्ग के अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नति नियम से संतुष्ट नहीं है। वे आरक्षण के दोहरे लाभ का विरोध कर रहे हैं। लिहाजा, सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) नए नियम को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में है। इसे लेकर विधिक परामर्श लिया जा रहा है। ऐसे में पदोन्नति का विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है।

गौरतलब है कि नौ साल बाद सरकार ने नए पदोन्नति नियम बनाकर लागू कर दिए। सामान्य से लेकर आरक्षित वर्ग के कर्मचारी संगठनों से संवाद भी किया लेकिन सामान्य वर्ग के कर्मचारी नए नियमों से संतुष्ट नहीं हैं। प्रक्रियात्मक कुछ परिवर्तनों को छोड़कर इसे नई बोतल में पुरानी शराब ही बताया जा रहा है। आरक्षण की व्यवस्था जस की तस है। 20 प्रतिशत पद अनुसूचित जनजाति और 16 प्रतिशत अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सुरक्षित किए गए हैं तो अनारक्षित कोटे में भी इन्हें शामिल किया है। लिहाजा, सपाक्स नए नियम को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में है। इसे लेकर विधिक परामर्श लिया जा रहा है। पदोन्नति नियम 2025 में 2002 के नियम को ही आगे बढ़ाया गया है। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मंत्रालय में अधिकारियों-कर्मचारियों को सबसे पहले पदोन्नति देने की तैयारी के बीच मुख्य सचिव अनुराग जैन सभी विभागों के अधिकारियों के साथ 26 जून को बैठक करेंगे। इसमें पदोन्नति नियम के प्रविधान और उसके क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

उच्च पदों पर आरक्षण सौ प्रतिशत तक पहुंच गया

मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि जनसंख्या के अनुपात में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों को आरक्षण का लाभ देने पर सब सहमत हैं। आरक्षण कोटा पूरा होने के बाद संयुक्त विचारण सूची में शेष आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को अनारक्षित मानकर अनारक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति दी जाएगी। इसी कारण से उच्च पदों पर आरक्षण सौ प्रतिशत तक पहुंच गया। इसे ही कोर्ट में चुनौती दी गई थी और नियम निरस्त हुए थे। नए नियम में इस प्रविधान को जस का तस रखा गया, जो आपत्तिजनक है। आरक्षण का निर्धारण पांच वर्ष के लिए होगा जबकि, यह प्रतिवर्ष की स्थिति के अनुसार होना चाहिए। उधर, सपाक्स के अध्यक्ष केपीएस तोमर का कहना है कि हम नियम को हाई कोर्ट में चुनौती देंगे क्योंकि अनारक्षित वर्ग के साथ वही अन्याय फिर किया गया है जो 2002 में नियम बनाकर किया था। 36 प्रतिशत आरक्षण के बाद आरक्षित वर्ग को अनारक्षित कोटे में लाकर फिर लाभदेने का प्रविधान रखा है। इससे तो आरक्षण का प्रतिशत कहीं अधिक हो जाएगा। नियम में न तो क्रीमी लेयर का कोई उल्लेख किया गया और न ही गलत नियम से पदोन्नत होकर उच्च पदों तक पहुंचे अधिकारियों-कर्मचारियों को पदावनत किया गया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किया दावा

आदिवासियों ने महाकौशल को बना रखा कांग्रेस का अभेद किला

भाजपा नहीं जीत पा रही महाकौशल के 11 सीट

भोपाल। मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जबलपुर में आदिवासियों और महाकौशल को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहा - आदिवासियों ने महाकौशल को कांग्रेस का अभेद किला बना रखा है। भाजपा चाहकर भी महाकौशल की 11 विधानसभा सीट नहीं जीत पा रही है। भाजपा सिर्फ आदिवासियों के नाम पर वोट मांगती है। महाकौशल के विकास के नाम पर भाजपा ने कुछ भी नहीं किया है। सागर यूनिवर्सिटी हो या जबलपुर की रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी का बजट नहीं बढ़ाया गया है। आदिवासियों के रोजगार, उत्थान के लिए कुछ भी नहीं किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- अभी भी आदिवासियों के घर पीने का पानी नहीं पहुंच पाया है। भाजपा को घोटालेबाजों की सरकार बताते हुए कहा- सरकारी नौकरी में भर्ती नहीं हो रही है। प्रदेश में अपराध बढ़ रहा और बहनें भी सुरक्षित नहीं हैं।

संविधान बदलकर लोकतंत्र की हत्या करना चाहती

ग्वालियर कोर्ट परिसर में अंबेडकर की मूर्ति नहीं लगाए जाने पर कहा- देश के लिए महान योगदान देने वाले पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। किसानों को गेहूं पर 3100 रुपए समर्थन मूल्य देने पर सरकार घोषणा पूरी करें। भाजपा किसानों को खाद न देकर कालाबाजारी करवा रही है। भाजपा की संविधान हत्या दिवस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा- संविधान बदलकर भाजपा लोकतंत्र की हत्या करना चाहते हैं। मीडिया, व्यक्ति की आजादी छीनने की कोशिश कर रही है।

इंग्लैंड ने लगातार दूसरी बॉल पर विकेट गंवाया

शार्दूल ने डकेट के बाद ब्रूक को पवेलियन भेजा, स्कोर 266/4; भारत ने 371 रन का टारगेट दिया

लीड्स। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट पर 263 रन बना लिए हैं। टीम को जीत के लिए 105 रन की जरूरत है। जो रूट और बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं। शार्दूल ठाकुर ने बेन डकेट (149 रन) और हैरी ब्रूक (शून्य) को कैच आउट कराया। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओली पोप (8 रन) और जैक क्रॉली (65 रन) के विकेट झटके।

मंगलवार को लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे मुकाबले का आखिरी दिन है और दूसरे सेशन का खेल जारी है। इंग्लैंड ने 21/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया।

भारत ने इंग्लिश टीम को 371 रन का टारगेट दिया है। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का स्कोर 250 पार, डकेट खेल रहे

371 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 250 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। बेन डकेट शतक बनाकर खेल रहे हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा को दूसरा विकेट, पोप भी आउट

45वें ओवर में इंग्लैंड ने दूसरा विकेट भी गंवा दिया है। यहां ओली पोप 8 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर दिया। प्रसिद्ध ने अपने पिछले ओवर में जैक क्रॉली को आउट किया था।

इंग्लैंड का पहला विकेट गिरा, क्रॉली 65 रन बनाकर आउट

43वें ओवर में इंग्लैंड ने पहला विकेट गंवाया। यहां जैक क्रॉली 65 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें केएल राहुल के हाथों कैच कराया। प्रसिद्ध ने इंग्लिश ओपनर्स की 188 रनों की साझेदारी को ब्रेक किया।

आज ही के दिन पहली बार विश्वकप जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा था इतिहास

मुम्बई। कपिल देव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने आज ही के दिन 42 साल पहले 1983 में पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप जीतकर इतिहास रचा था। 25 जून 1932 को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारतीय टीम ने ठीक 51वां साल बाद विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर 1983 का विश्व कप जीता था। ये इसलिए भी अहम था क्योंकि तब भारतीय टीम 1983 में वैश्विक स्तर पर कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विश्व कप में कपिल की कप्तानी में भारतीय टीम एक अंडरडॉग की तरह गई थी। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि भारतीय टीम विजेता बनकर उभरेगी। स्वयं भारतीय टीम को भी नहीं। लेकिन, जिससे अपेक्षा कम होती है, वही इतिहास रचता है।

1983 एकदिवसीय विश्व कप में 60 ओवरों का खेला गया था। फाइनल में भारत और वेस्टइंडीज का मुकाबला था। वेस्टइंडीज पिछले दो विश्व कप जीत चुकी थी, इसलिए भारत के लिए मैच कहीं से भी आसान नहीं था।वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 54.4 ओवर में 183 रन पर आउट हो गई। सलामी बल्लेबाज के. श्रीकांत ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए थे। संदीप पाटिल ने 27 और मोहिंदर अमरनाथ ने 26 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लिए एंडी रॉबर्ट्स ने तीन, मैल्कम मार्शल, माइकल होल्डिंग और लैरी गोम्स ने 2-2 विकेट लिए। जोएल गार्नर को एक विकेट मिला था।184 रन का लक्ष्य वेस्टइंडीज के लिए मुश्किल नहीं था पर भारतीय गेंदबाज उस दिन इतिहास रचने के इरादे से उतरे थे। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 140 रनों पर समेट कर जीत दर्ज की।

भारतीय टीम के निचले क्रम का प्रदर्शन चिन्ताजनक

लीड्स। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम का निचला क्रम असफल रहा। भारतीय टीम ने पहली पारी में अंतिम छह विकेट केवल 24 रनों के अंदर ही खो दिये। वहीं दूसरी पारी में टीम ने अंतिम 6 विकेट 31 रन में ही खो दिए। इस प्रकार से निचले क्रम का ढ़हना टीम के लिए नुकसानदेह हो सकता है। साल 2024 के बाद से ही निचला क्रम असफल रहा है। पिछले एक साल में अंतिम पांच विकेट के लिए साझेदारी का औसत घटकर 18.93 रह गया है। भारतीय टीम का निचला क्रम रनों के मामले में केवल अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे से ही ऊपर है, वहीं अन्य टीमों का औसत अंतिम पांच विकेट की साझेदारी के हिसाब से देखा जाये तो अधिक है। यहां तक कि वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और आयरलैंड जैसी टीमों के निचले क्रम का औसत भारतीय टीम से अच्छा है।

वहीं अगर 2020 के बाद के आंकड़ों को देखें कि तेज गेंदबाजों ने जिन्होंने 20 से ज्यादा विकेट लिए हैं और उनका औसत 10 से ज्यादा का है तो उनमें भारत के केवल 2 ही खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड के सात, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के 5-5 खिलाड़ी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के 4-4 खिलाड़ी 20 से ज्यादा विकेट लेकर 10 से ज्यादा का औसत रखे हुए हैं पर भारत के 2 गेंदबाज ऐसा कर पाए हैं। पहले टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम का स्कोर 447/4 था पर टीम ने अंतिम छह विकेट तेजी से गंवाये और वह 471 रन पर सिमट गयी। वहीं दूसरी पारी में भी ऐसा स्कोर चार विकेट पर 333 रन था लेकिन पूरी टीम बाद में 364 रन ही बना पायी। वहीं इंग्लैंड की टीम के आखिरी अंतिम छह खिलाड़ियों ने मैच में 240 रन जोड़े हैं। यही वजह है कि मैच पांचवें दिन पर चला गया है, जहां अब इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन बनाने हैं, जिसमें से 21 रन बना लिए हैं।इससे पहले के मुकाबलों में भी भारतीय निचला क्रम असफल रहा था।

आईसीसी ने ऋषभ को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए फटकारा

लीड्स । भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए अंतरराष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फटकार लगायी है हालांकि वह प्रतिबंध से बच गये। आईसीसी ने ऋषभ को फटकार लगायी है और उनके खाते में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। इस मैच में ऋषभ की गेंद बदलने की अपील को अंपायर ने जांच के बाद खारिज कर दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने गेंद को फेंक दिया था। इसी कारण ऋषभ को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। पंत को प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 卐अंतरराष्टीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने卐 से जुड़ा है।

फटकार के भारतीय उपकप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना इंग्लैंड की पहली पारी के 61वें ओवर के अंत में हुई, जब अंपायरों ने गेंद बदलने की मांग पर गेज से की जांच की और इसे नहीं बदलने का फैसला किया। भारतीय खिलाड़ी ने अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंककर अंपायरों के फैसले पर असहमति दिखाई। ऋषभ ने हालांकि अपने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आगे जरुरत नहीं रही।

मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और क्रिस गैफनी, तीसरे अंपायर शारफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने ऋषभ पर ये आरोप लगाया था। लेवल 1 उल्लंघन के लिए कम से कम दंड आधिकारिक फटकार वहीं अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी और एक या दो नकारातमक अंक हैं।

दिलीप दोशी को याद कर भावुक हुए सचिन

शास्त्री और कुंबले सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, रवि शास्त्री, अनिल कुंबले सहित खेल जगत की कई हस्तियों ने पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी के निधन पर शोक जताया है। सचिन ने दोशी के परिवार के प्रति संवेदना जताने के साथ ही उनसे हुई पहली मुलाकात को याद कर एक भावुक पोस्ट भी लिखी है। सचिन ने सोशल मीडिया में लिखा, मैं पहली बार दिलीप भाई से 1990 में ब्रिटेन में मिला था और उन्होंने उस टूर में मुझे नेट में गेंदबाजी की। वह मुझे बहुत पसंद करते थे और मैं भी उनका बहुत सम्मान करता था। दिलीप भाई गर्मजोशी वाले शख्स थे, वह बहुत याद आएंगे। मैं उनके साथ क्रिकेट से जुड़ी बातचीत की कमी महसूस की है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। ओम शांति।

बीसीसीआई ने भी इस दिग्गज पूर्व क्रिकेटर के निधन पर

शोक व्यक्त करते हुए कहा, बीसीसीआई पूर्व स्पिनर दोषी के निधन से दुखी है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच रह चुके रवि शास्त्री ने कहा, 'दिलीप दोषी के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वह एक सज्जन और शानदार गेंदबाज थे। उनके परिवार के लिए संवेदना प्रकट करता हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले।'

इसके अलावा पूर्व विकेट कीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने लिखा, मेरा दिल टूट गया है और अब भी मैं दिलीप अंकल को लेकर सदमे में हूं, वह वाकई विशेष थे। इसके अलावा पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा, 'दिलीप भाई के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। ईश्वर उनके परिवार और दोस्तों को इस क्षति को सहने की शक्ति दें।'

दोशी बाएं हाथ के एक बेहतरीन स्पिन गेंदबाज थे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से 33 टेस्ट मैचों में कुल 114 विकेट लिए जिसमें 5 बार पांच विकेट थे। इसके अलावा उन्होंने 15 एकदिवसीय अंतराष्टीय भी खेले। वहीं एकदिवसीय में उनके नाम 22 विकेट हैं। उन्होंने 32 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू करते हुए अपने छोटे से करियर में सभी को प्रभावित किया था। उनका काउंटी क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन रहा है।

कुंबले ओर हरभजन में से किसी एक को बाहर करना होता था सबसे कठिन-गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उनके लिए कप्तान के तौर पर सबसे अधिक कठिन फैसला स्पिनर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह में से किसी एक का चयन रहा है। गांगुली ने बताया है ये दोनो ही इतने बेहतर थे कि किसी एक को बाहर करने का फैसला मजबूरी में करना पड़ता था। साथ ही कहा कि बाहर किये जाने पर ये दोनो ही सवाल भी करते थे कि हमें किस प्रकार बाहर किया था जिसका जवाब देना कठिन होता था। गांगुली के अनसार ये दोनो ही चैंपियन थे और टीम में ऐसे खिलाड़ी होने ही चाहिए। गांगुली ने हाल ही में कहा, मैं टीम के हित में लिए गए कठिन फैसलों को खिलाड़ियों को आसानी से समझा देता था पर कुंबले और हरभजन उनके लिए परेशानी पैदा कर देते थे। उन्होंने कहा, कई बार कुंबले और हरभजन में से किसी एक को चुनना सबसे कठिन काम था। भारत में ऐसा नहीं हुआ। उपमहाद्वीप में ऐसा नहीं हुआ पर जब आप हरी पिचों पर चले गए, जहां हमें एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरूरत होती थी, तो मुझे कुंबले और हरभजन से किसी एक को ही रखना पड़ता था। उन्होंने आगे बताया, कई बार ऐसा हुआ है जब वे दोनों साथ में खेले, लेकिन, हां, वह मुश्किल हिस्सा था। आप जिसे आराम देना चाहते थे, वह बहुत खुश नहीं होता था। बिल्कुल नहीं। उनका पहला सवाल होता था, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ईमानदारी से कहूं तो, आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आपको बताएं, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये वे खिलाड़ी नहीं थे, जिन्हें आप कहते कि आप नहीं खेल रहे हैं और वे पांच दिन की छुट्टी पाकर खुश हो जाएंगे। आप टीम में ऐसे खिलाड़ी चाहते थे जो आकर आपसे कहें और पूछें कि मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये परिस्थितियां मेरे अनुकूल हैं, चाहे वे अनुकूल हों या नहीं हों। इस पूर्व कप्तान ने कहा, यही उनका मानना ??है कि वे भारत के लिए मैच जीतेंगे, उन हालातों में भारत के लिए मैच जीतेंगे। अनिल और हरभजन दोनों ही थे। हां। इतनी क्षमता, इतना आत्मसम्मान, प्रदर्शन पर इतना गर्व है, लेकिन मैं खुश था, क्योंकि दिन के अंत में, मेरे पास दो खिलाड़ी थे जो पूरी तरह चैंपियन थे। गांगुली की गिनती ऐसे कप्तान के तौर पर होत है जिन्होंने टीम को आक्रामक बनाया और जीत की आदत डाली। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिये।

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह

लीड्स । यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उसकी ओर से पांच शतक लगे। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल को अपने अच्छे प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह मिली है। यशस्वी ने पहली पारी में शतक लगाया। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्स्टर, वॉरिस रो और जॉर्ज हेडली के विशिष्ट क्लब में जगह बनाने में सफल हुए।

यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में 101 रन बनाए। इस प्रकार यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा औसत से टेस्ट रन बनाने के मामले में ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी का औसत 90.33 रहा जबकि ब्रेडमैन का औसत 89.78 का है। हालांकि, दूसरी पारी में यशस्वी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। इससे उनका औसत गिरकर 81.70 हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर ब्रेडमैन हैं। ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89.78 की औसत से 5,028 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर स्टीवी डेंपस्टर हैं। डेंपस्टर ने अंग्रेजों के खिलाफ 88.42 की औसत से 619 रन बनाए थे जबकि यशस्वी सूची मेंतीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 6 टेस्ट मैच की 11 पारियों में कुल 817 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 81.70 का रहा है।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हो सकती है आर्चर की वापसी

लीड्स। इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। आर्चर अब अपनी चोट से उबर गये हैं और व डरहम में ससेक्स की ओर से काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, "आर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए उन्हे शामिल किया जा सकता है।" आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट से बाहर हैं। आर्चर ने साल 2021 से ही इंग्लैंड के लिए लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए विशेष होगी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में ही कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

गांगुली ने अपने कार्यकाल को याद कर जय शाह की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष रहे सौरव गांगुली ने आईसीसी प्रमुख जय शाह की प्रशंसा की है। शाह इससे पहले बीसीसीआई सचिव थे। गांगुली ने बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर अपने कार्यकाल को याद कर कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा था कि प्रभावशाली राजनीतिक परिवेश से होने के कारण जय शाह जिद्दी स्वभाव के होंगे पर ऐसा नहीं था वह बेहद मिलनसार निकले। जय अपने काम के प्रति गंभीर और ईमानदार थे। गांगुली के अनुसार जिस प्रकार जय चीजों को व्यवस्थित करते थे उससे मैं प्रभावित रहा। गांगुली और शाह अक्टूबर 2019 से सितंबर 2022 तक बीसीसीआई में रहे। यह कोविड-19 महामारी का दौर था जिसके कारण कुछ महीनों के लिए खेल गतिविधियां रुक गयीं थीं। गांगुली ने कहा, "जय शाह का काम करने का अपना तरीका था लेकिन उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह थी कि वह भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए चीजों को सही तरह से व्यवस्थित करना चाहते थे।"

उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काफी कुछ किया। यह पहला अवसर था जबकि गांगुली और शाह दोनों बीसीसीआई में एक साथ किसी पद पर थे। इससे पहले गांगुली बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जबकि शाह गुजरात क्रिकेट संघ में पदाधिकारी थे। गांगुली की जगह 2022 में एक अन्य पूर्व टेस्ट खिलाड़ी रोजर बिन्नी को बीसीसीआई का अध्यक्ष नियुक्त

किया गया, जबकि शाह नवंबर 2024 तक सचिव बने रहे। इसके बाद वह 36 साल की उम्र में आईसीसी के सबसे युवा अध्यक्ष बने। गांगुली ने कहा कि उनके बीच अच्छे संबंध थे जो आज भी बने हुए हैं। उन्होंने कहा, "हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध थे और आज भी हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। जब वह सितंबर 2019 में गुजरात क्रिकेट संघ से सीधे बीसीसीआई में आए तो वह काफी युवा थे। वह काफी सहयोगी और मिलनसार व्यक्ति हैं।"

गांगुली ने कहा, "जाहिर तौर पर उनकी अपनी अलग सोच थी और यह सही भी है। वह कुछ नया करना चाहते थे और आज भी ऐसा करते हैं। अब वह आईसीसी के अध्यक्ष हैं और यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।" गांगुली का मानना ??है कि समय के साथ शाह अपने काम में निपुण होते गए। वह खिलाड़ियों का बहुत समर्थन करते हैं। जैसे-जैसे उन्होंने सीखा, वह अपने काम में निपुण होते गए। उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह इस खेल के लिए अच्छा करना चाहते हैं। ।उन्होंने कहा, "वह बहुत ईमानदार हैं और वह इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ थे कि वह कौन है और उनके साथ क्या हो सकता है। इसलिए, वह हर समय सही और उचित तरीके से काम करना चाहते थे।"

गांगुली ने कहा, "हम सभी ने गलतियां कीं, मैंने भी कीं, उन्होंने भी कीं। लेकिन ऐसा कभी जानबूझकर नहीं किया गया और खेल कभी नहीं रुका।" पूर्व कप्तान ने कहा कि अब भी कभी-कभी वह दोनों एक दूसरे से मिल जाते हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी बालाघाट म.प्र. एवं पदेन उपसचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग

॥ अधिसूचना ॥

क्रमांक/ 46 /भू-अर्जन/2025 बालाघाट, दिनांक 23 /04/2025

चूंकि, राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची (1) में वर्णित भूमि की कालम नंबर 5 में वर्णित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है। इस हेतु अनुसूची के कालम क्रमांक (4) में वर्णित भूमि का आपसी सहमति से क्रय नीति के तहत धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :-

अनुसूची -1

जिला	तहसील	नगर/ग्राम	अर्जित रकबा क्षेत्रफल (हे.में)	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
बालाघाट	बैहर	अलना	0.905 हे.	पारधी मोहल्ला सड़क निर्माण

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(मृणाल मीना)
कलेक्टर बालाघाट
एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

जी-14717/25

देश में बारिश से बाढ़ जैसे हालात...सूरत में स्कूल बंद, यूपी में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूटा; यमुनोत्री-बद्रीनाथ में लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देश में मानसून पूरी तरह छा गया है। गुजरात में पिछले 2 दिन से तेज बारिश हो रही है। सूरत में 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई है। शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया है। शहर के स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 प्रतिशत ज्यादा बरसात हुई है। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। 20 जिलों में बारिश हो रही है। शिवपुरी और

श्योपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं।

मप्र के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मंगलवार को रतलाम और भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है।

शिवपुरी में बारिश से पवा जलप्रपात बह निकला है। यहां लगभग 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिर रहा है। भदैया कुंड में भी झरना पूरी रफ्तार से बह रहा है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जिले के सभी जलस्त्रोतों पर प्रवेश रोक दिया है। श्योपुर में भारी बारिश के चलते मंगलवार को सीप नदी उफान पर आ गई। मानपुर और ढोढर के बीच की पुलिया पर पानी आ गया है। पुलिस ने यहां आवागमन पूरी तरह से बंद करा दिया है। काशीपुर, बालापुरा, हीरापुर, अक्षपुर समेत आसपास के कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।

बद्रीनाथ में लैंड स्लाइड, 3 की मौत

उत्तराखंड में मानसून के पहुंचने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का दौर भी शुरू हो गया है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे से 2 शव बरामद किए गए हैं। राहत और बचाव का काम जारी है। बद्रीनाथ से लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में घुस गया। लगभग आधा दर्जन दुकानों को नुकसान हुआ है।

वापी-नाडियाद में बाढ़ जैसे हालात

गुजरात के दक्षिण गुजरात में पिछले दो दिनों से जमकर बारिश हो रही है। सोमवार को सूरत जिले में पिछले 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई। सूरत शहर में भी सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक 7 इंच बारिश हुई। इससे सूरत में कई जगह बाढ़ का हालात बन गए हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर रेखा गुप्ता सरकार के दो बड़े और महत्वपूर्ण फैसले

कांवड़ियों के लिए इंतजाम का पैसा सीधे कांवड़ संघों को

नई दिल्ली। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी की रेखा गुप्ता सरकार ने सावन में कांवड़ यात्रा को लेकर दो बड़े और महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुआई में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया है कि कांवड़ियों के लिए इंतजाम का पैसा अब सीधे कांवड़ संघों को मिलेगा। यह राशि 50 हजार से 10 लाख रुपये तक होगी। इसके अलावा शिविरों में मुफ्त बिजली की व्यवस्था होगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने कांवड़ यात्रा को लेकर लिए गए फैसलों की जानकारी देकर ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि पहले इसमें भ्रष्टाचार होता था इसलिए प्रक्रिया को बदला गया है। उन्होंने कहा कि अब कांवड़ समितियों को सीधा पैसा दिया जाएगा।

सीएम ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी सरकार ने तय किया है कि जो समितियां कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा में जुटती थीं, उन्हें हम सीधा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए पैसा दे। पूरा का पूरा पैसा संस्था को जाएगा, जो दिल्ली सरकार देगी। कोई ठेकेदार नहीं, कोई टेंडर नहीं, वे संस्थाएं जो कांवड़ के लिए काम करती हैं, वे रजिस्टर्ड होंगी। वे आवदेन करेंगी डीएम ऑफिस में और वहीं से दूसरी चीज जो हमने की है, सिंगल विंडो सिस्टम, यानी अलग-अलग मंजूरी के लिए उन्हें दौड़ना नहीं पड़ेगा। सभी एनओसी एक ही जगह पर 72 घंटे के भीतर मिलेगी।

गुप्ता ने कहा कि वर्षों से पिछली सरकारों ने कांवड़ियों को सेवा देने के नाम पर पूरे काम को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाया था। पूरी दिल्ली में टेंट आदि की सुविधा के लिए टेंडर किए जाते थे। मात्र 2-3 लोग पूरी दिल्ली का टेंडर उठा लेते थे और फिर दूसरों को बांट देते थे।

उन्होंने कहा, अभी जब कुछ कांवड़ समितियों को बुलाया और उनकी समस्याओं पर चर्चा की, तब उन्होंने बताया कि आखिरी दिन तक भी कई टेंट लग नहीं पाते थे। वॉटरप्रूफिंग टेंट लगने में समय नहीं लगता था। सरकार टेंडर करती थी, कभी टेंडर उठते नहीं थे, या कम रेट पर जाते थे। पूरे प्रोसेस में समितियां इंतजार करती रहती थी कि कब हमें ठेकेदार अलॉट होगा, कब काम होगा। पिछली सरकारों ने इस व्यवस्था को सुधारने का कभी काम नहीं किया।

इतना ही नहीं दिल्ली सरकार ने कांवड़ शिविरों को मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ शिविरों में 1200 यूनिट बिजली की खपत का खर्च दिल्ली सरकार की ओर से वहन किया जाएगा।

अब और तेज दौड़ेगी भारत की अर्थव्यवस्था

एसएंडपी ने जीडीपी अनुमान बढ़ाकर किया 6.5 प्रतिशत

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। यह अनुमान सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों को देखते हुए लगाया गया है। हालांकि, एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते ग्लोबल इकोनॉमी के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर हो सकता है।

एसएंडपी के अनुसार,मौजूदा समय में ग्लोबल ऊर्जा बाजार पर लंबे वक्त तक असर पड़ने की आशंका कम ही है। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से 90 प्रतिशत तेल आयात करता है। आधी नेचुरल गैस भारत विदेशों से मंगवाता है। बीते महीने एसएंडपी ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर में 20 पॉइंट की कमी कर इसे 6.3 प्रतिशत बताया था। एजेंसी ने इसका कारण ग्लोबल अनिश्चितता और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया था। शेयर बाजार में बंपर तेजी के साथ शुरुआत

रेटिंग एजेंसी का अनुमान

मंगलवार को रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हम वित्त वर्ष 2025-26 (31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रहने की उम्मीद करते हैं। एक अन्य खबर के अनुसार, देश की आर्थिक ग्रोथ दर वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी - मार्च तिमाही में धीमी होकर 7.4 प्रतिशत रही। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष के दौरान सालाना ग्रोथ दर घटकर 6.5 फीसदी रह गई। शुक्रवार, 30 मई 2025 को जारी आंकड़ों में इस बात की जानकारी दी गई है।

अदाणी समूह ने देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया

अहमदाबाद। अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) ने भारत में स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ी पहल कर गुजरात के कच्छ जिले में देश का पहला ऑफ-ग्रिड 5 मेगावॉट ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। यह प्लांट पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलता है और इसमें बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी लगा है, जिससे यह बिजली की मुख्य लाइन से पूरी तरह फ्री रहकर काम करता है। यानी यह प्लांट बिना किसी बाहरी सप्लाई के सिर्फ अपनी पैदा की गई हरित ऊर्जा से हाइड्रोजन बना सकता है।

यह प्रोजेक्ट भारत के राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के मकसद से जुड़ा हुआ है, इसका उद्देश्य ऊर्जा के साफ और स्वदेशी स्रोतों को बढ़ावा देना है। अदाणी समूह का यह प्रोजेक्ट देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी अहम है।

बात दें कि ये प्लांट अपने आप में खास है क्योंकि यह 100 प्रतिशत ग्रीन है और सोलर एनर्जी से चलता है। इसमें एक बंद सर्कुलर इलेक्ट्रोलाइजर सिस्टम लगाया गया है जो सौर ऊर्जा में आने वाले उतार-चढ़ाव के अनुसार तुरंत प्रतिक्रिया देता है। यानी जब सोलर एनर्जी कम या ज्यादा हो, तब भी यह सिस्टम काम करता रहता है। यह तकनीक प्रोजेक्ट को ज्यादा सुरक्षित, फ्लेक्सिबल और किफायती बनाती है।

यह प्लांट तकनीकी रूप से यह दिखाता है कि भारी प्रदूषण फैलाने वाले क्षेत्रों जैसे रिफाइनरी, खाद कारखानों और भारी वाहनों में भी हाइड्रोजन का स्वच्छ रूप से उत्पादन और इस्तेमाल संभव है। अदाणी ग्रुप का यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में इस्तरह के बड़े इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स के लिए एक शानदार उदाहरण बनेगा।

यह पायलट प्रोजेक्ट अदाणी के अगले बड़े ग्रीन हाइड्रोजन हब का रास्ता तैयार करता है, इस गुजरात के मुंद्रा में तैयार किया जाएगा। इस हब के जरिये भारत का हाइड्रोजन उत्पादन काफी बढ़ेगा और देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल), अदाणी एंटरप्राइजेज की क्लीन यूनिट है। यह ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव प्रोडक्ट जैसे ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथनॉल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल के निर्माण और आपूर्ति में काम करती है। मुंद्रा में यह कंपनी सोलर सेल, मॉड्यूल, विंड टरबाइन और इलेक्ट्रोलाइजर भी बना रही है, जिससे भारत और विदेशी बाजारों की जरूरतें पूरी हो सकें।

बात दें कि हाइड्रोजन दुनिया का सबसे हल्का और सबसे साफ एनर्जी साधन है। इसके जलने पर सिर्फ पानी की भाप निकलती है, यानी कोई प्रदूषण नहीं होता।

हिंदी को 100 प्रतिशत तक राष्ट्रीय भाषा घोषित किया जाना चाहिए - आज़मी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने पर महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अबू आज़मी ने बड़ा बयान दिया है। आज़मी ने कहा कि मराठी पहली भाषा है, लोग अंग्रेज़ी के पीछे भागते हैं क्योंकि वे गुलाम हैं, इसलिए वे दूसरी भाषा है। मैं बार-बार कहता हूँ कि तीसरी भाषा हिंदी होनी चाहिए। संसद में एक समिति है, जो हिंदी को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जाती है और केंद्र सरकार के सभी काम भी हिंदी में होते हैं। कुछ लोग राजनीति करना चाहते हैं... हिंदी को 100 प्रतिशत तक राष्ट्रीय भाषा घोषित किया जाना चाहिए, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक बोली जानी चाहिए। अगर मैं असम जाऊँ, तब क्या मुझे असमिया सीखना चाहिए? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने घोषणा की कि राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूला लागू करने पर अंतिम निर्णय लेखकों, भाषा विशेषज्ञों, राजनीतिक नेताओं और अन्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद होगा।

आतंकवाद रोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रक्षा खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की आतंकवाद रोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 2000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी दी है। यह रक्षा खरीद आपात अधिग्रहण व्यवस्था के तहत की जा रही है। इस रक्षा खरीद के तहत 13 कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है। जिसमें सुरक्षाबलों के लिए आधुनिक हथियार और उपकरण खरीदे जाएंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सुरक्षाबलों की क्षमताओं में उल्लेखनीय इजाफा करेंगे।

आधुनिक हथियार खरीदे जाएंगे

इस रक्षा खरीद की कुल लागत 1981.90 करोड़ होगी। जिसमें भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम की खरीद की जाएगी। साथ ही लो लेवल लाइट वेट रडार, बहुत कम रेंज वाला एयर डिफेंस सिस्टम जैसे लॉन्चर्स और मिसाइल आदि की खरीद की जाएगी। रक्षा मंत्रालय सेना के आतंकवाद रोधी अभियानों के लिए रिमोटली पायलटेड एरियल व्हीकल, कई तरह के ड्रोन्स, बैलिस्टिक हेलमेट, भारी और मध्यम रेंज के क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल और राइफलों के लिए नाइट विजन आदि खरीदेगा।

एससीओ सम्मेलन में रक्षा मंत्री ने आतंकवाद का मुद्दा उठाएंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चीन के किंगदाओ में बुधवार से हो रहे एससीओ (शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन) में शिरकत करेंगे। इस सम्मेलन में राजनाथ सिंह आतंकवाद का मुद्दा उठाएंगे। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए संघर्ष के बाद यह किसी शीर्ष भारतीय नेता की पहली चीन यात्रा है। एससीओ सम्मेलन में रक्षा मंत्री एससीओ के सदस्य देशों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और संपर्क बढ़ाने की भी वकालत कर सकते हैं। रक्षा मंत्री चीन में कई सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते हैं। इनमें चीन और रूस के रक्षा मंत्री भी शामिल हैं।

भारी ट्रैफिक जाम में फंसे केंद्रीय मंत्री गडकरी बीच में ही दौरा छोड़कर लौटे

पुणे। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी निरीक्षण के लिए दौरे पर निकले थे लेकिन उनको अपना काम बीच में छोड़कर लौटना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को पुणे में भारी ट्रैफिक के चलते उनको यह फैसला लेना पड़ा। वह एक अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट के निरीक्षण के लिए गए थे, लेकिन दौरा पूरा नहीं हो सका। बता दें बीते एक सप्ताह से पुणे में भारी बारिश हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुणे में भारी ट्रैफिक के बाद गडकरी को अपना दौरा बीच में रोकना पड़ा। वह पुणे के पुराने शहर और खासतौर से शनिवार पेठ में ट्रैफिक स्थिति सुधारने के मकसद से बनाए जा रहे फोर लेन अंडरग्राउंड टनल प्रोजेक्ट का जायजा लेने जा रहे थे।

क्या ओबीसी आरक्षण का लाभ सिर्फ पिता की जाति के आधार पर मिलना चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में विचार करने जताई सहमति, जारी करेगा गाइडलाइन

नई दिल्ली,। क्या किसी शख्स की ओबीसी कोटे की पात्रता सिर्फ उसके पिता की जाति से तय होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के वी विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने ओबीसी मां की ओर से अपने बेटे के लिए उठाए गए इस मुद्दे पर विचार करने के लिए सहमति जताई है। केंद्र सरकार की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट से इस मुद्दे पर विचार करने का आग्रह किया है। यह मुद्दा एक ऐसी महिला ने उठाया है जो अपने पति से अलग अपने बच्चे के साथ रहती है। कोर्ट इस मामले में गाइडलाइंस जारी कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट यह देखेगा कि क्या ओबीसी आरक्षण का लाभ सिर्फ पिता की जाति के आधार पर मिलना चाहिए। अगर किसी ओबीसी महिला ने दूसरी जाति के पुरुष से शादी की है तो क्या उसके बच्चों को भी ओबीसी सर्टिफिकेट मिलना चाहिए। कोर्ट अब इस मामले की जुलाई में सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता ने उन मौजूदा नियमों को चुनौती दी है जिनके अनुसार किसी शख्स को ओबीसी सर्टिफिकेट तब दिया जाता है जब उसका पिता ओबीसी हो। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में गाइडलाइंस जारी करेगा।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को 2012 के एक फैसले का भी सहारा लेना पड़ सकता है। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदिवासी महिला और एक ऊंची जाति के पुरुष के बीच शादी के मामले पर विचार किया था। रमेशभाई दभाई नाइका बनाम गुजरात मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह से पैदा हुए बच्चे की जाति का निर्धारण मामले के तथ्यों को पूरी तरह से अनदेखा करके नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा था कि अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, यह माना जा सकता है कि बच्चे की जाति उसके पिता की जाति है। यह अनुमान उस मामले में और भी मजबूत हो सकता है जहां अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, पति अगड़ी जाति का है। कोर्ट ने आगे कहा कि लेकिन किसी भी तरह से यह अनुमान निर्णायक नहीं है और ऐसे विवाह के बच्चे के पास यह दिखाने के लिए सबूत पेश करने का विकल्प है कि उसका पालन-पोषण उसकी मां ने किया है जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है।

बम ब्लास्ट की अनेक राज्यों में धमकियां देने वाली लड़की चेन्नई से गिरफ्तार

-अपने प्रेमी को फंसाने के लिए रची ये खतरनाक साजिश

अहमदाबाद। अहमदाबाद की साइबर क्राइम यूनिट ने देश के 11 राज्यों में बम ब्लास्ट की धमकियां देने वाली लड़की को चेन्नई से गिरफ्तार कर आरोपी रेनी जोशील्डा के लेकर अहमदाबाद आ रही है। शुरुआती पूछताछ में रेनी ने कबूल किया है कि अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में बम धमकी वाले ईमेल भेजा था। इन मेल में गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल थी।

मंगलवार को गुजरात हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल आया है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि मेल उसी ईमेल आईडी से आया है, जिससे रेनी धमकियां भरे ईमेल भेजा करती थी। जांच टीम का कहना है कि ये रेनी का शेड्यूल ईमेल हो सकता है। साइबर क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि मेल को लेकर रेनी से

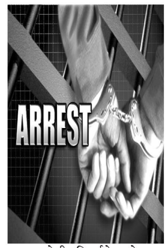

पूछताछ होगी, कि ईमेल शेड्यूल था या फिर उसकी साजिश में कोई और भी शामिल है।

क्या हैं पूरा मामला

चेन्नई निवासी रेनी जोशील्डा रोबोटिक्स में ग्रेजुएट है और डेलॉइट में सीनियर कंसल्टेंट के तौर पर कार्यरत है। रेनी अपने ऑफिस में काम करने वाले एक युवक से प्रेम करती थी। लेकिन, इसी साल युवक ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली। इस बात से नाराज रेनी ने युवक को फंसाने के लिए साजिश को अंजाम दिया।

अहमदाबाद पुलिस अधिकारी ने बताया कि रेनी, दिविजप्रभाकर और पाकिस्तानवेब जैसे नामों का इस्तेमाल कर धमकी भरे ईमेल भेजती थी। वह इसके लिए डार्क वेब, वीपीएन और वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल करती थी। रेनी ने पिछले 6-7 महीनों में देश के 11 राज्यों में धमकी के ईमेल भेजे थे। इसीलिए 11 राज्यों की पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

रेनी ने अहमदाबाद के दिव्य ज्योत स्कूल, बीजे मेडिकल कॉलेज, जिनेवा स्कूल और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को भी बम से उड़ाने की धमकी के ईमेल भेजे थे। इसके चलते अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच में जुटी थी। जांच टीम ने पाया कि रेनी ने अलग-अलग आईपी और डार्क वेब से पूरा ढांचा तैयार कर रखा था। इनकी मदद से आरोपी रेनी ने ईमेल और व्हाट्सएप ग्रुप तैयार किए थे। इन्हीं के जरिए वह धमकियों वाले ईमेल और वॉट्सएप संदेश भेजा करती थी।

जेसीपी क्राइम ब्रांच शरद सिंघल ने बताया कि रेनी की एक गलती ने ही हमें उस तक पहुंचा दिया। जांच में संदेश के लिए डार्क वेब और वीपीएन नंबर का यूज हो रहा था। इसलिए हमारी डार्क वैब और वीपीएन पर पैनी नजर थी। रेनी को लगा था कि वह डार्क वेब पर अदृश्य रहेगी। लेकिन, बार-बार ई-मेल भेजने के चलते हम उस तक पहुंच गए।

रेनी ने 11 राज्यों में इस तरह के धमकी भरे कुल 21 ईमेल और मैसेज भेजे थे। फिलहाल हम यह पता लगा रहे हैं कि इस मामले में उसके साथ कोई और भी शामिल था या नहीं।

भारत ने किया किशनगंगा और रतले जलविद्युत विवादों पर विराम लगाने का अनुरोध

सरकार ने विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट को लिखा पत्र, तिलमिलाए बिलावल

नई दिल्ली,। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया था अब भारत ने अपने फैसले पर आगे कदम बढ़ा दिया है। भारत पहले ही सिंधु घाटी के नदियों के पानी को नहरों के जरिए, अपने कई राज्यों तक पहुंचाने की नीति पर काम शुरू कर दिया। अब विश्व बैंक से भी कह दिया है कि किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं को लेकर जो मामले पहले से उसके पास लंबित हैं, उसकी प्रक्रिया पर तत्काल विराम लगा दे, क्योंकि अब वह सिंधु जल संधि को ठंडे बस्ते में डाल चुका है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने वहां की नेशनल असेंबली में फिर से सिंधु जल संधि रोकने के भारत के फैसले पर धमकाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं। सही से पानी साझा करे या हम सभी 6 दरिया ले लेंगे। हम जंग नहीं चाहते, लेकिन अगर पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा तो पाकिस्तान कार्रवाई करने को बाध्य होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि भारत ने सिंधु जल संधि पर जो रोक लगाई है, वह अब बहाल नहीं होने वाली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद विश्व बैंक के एक्सपर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। यह कार्रवाई किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं को लेकर चल रही है। भारत सरकार ने विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट को पत्र लिखकर रतले और किशनगंगा जलविद्युत विवादों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया है।

साल 2022 से विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट जम्मू और कश्मीर में बन रही दो भारतीय जलविद्युत परियोजनाओं किशनगंगा और रतले से जुड़े विवादों की सुनवाई कर रहे हैं। वह एक फ्रांसीसी बांध इंजीनियर हैं। वह हाल तक इंटरनेशनल कमीशन ऑन लार्ज डैम्स के अध्यक्ष थे। विश्व बैंक ने उन्हें 13 अक्टूबर, 2022 को सिंधु जल समझौते के तहत नियुक्त किया था। उनका काम भारत और पाकिस्तान दोनों की बात सुनना और यह तय करना है कि क्या इन परियोजनाओं का डिजाइन संधि का पालन करता है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि सिंधु जल संधि को जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता तब तक निलंबित रखा जाएगा। इसके बाद भारत सरकार ने औपचारिक रूप से विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट को सूचित किया और उनसे किशनगंगा और रतले विवादों से संबंधित वर्क प्रोग्राम को रद्द करने का अनुरोध किया।

शादी के बाद महिलाओं की निजी जिंदगी खत्म नहीं होती - मद्रास हाईकोर्ट

पासपोर्ट बनवाने के लिए भी पति की जरुरत नहीं होनी चाहिए

चैन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शादी के बाद महिलाओं की निजी जिंदगी खत्म नहीं होती है और उन्हें पासपोर्ट बनवाने जैसे कामों के लिए पति की इजाजत की जरुरत नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा है कि महिला के पास अपने पति की इजाजत या साइन के बिना पासपोर्ट के लिए आवेदन करने का पूरा अधिकार है।

जस्टिस एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के लिए भी पति की इजाजत, महिलाओं की आजादी में बाधा है और यह पितृसत्तात्मक समाज की निशानी है। चेन्नई कोर्ट जे रेवती नाम की एक महिला की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) ने महिला का पासपोर्ट आवेदन इस आधार पर स्थगित किया था कि उसके पति ने आवेदन पत्र (फॉर्म-जे) पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

जानकारी के मुताबिक रेवती ने 2023 में मोहनकृष्णन नाम में एक शख्स से शादी की थी। दोनों के बीच हुए विवाद के बाद पति ने तलाक के लिए आवेदन किया था, इस पर फैसला लंबित है। इस बीच रेवती ने अप्रैल में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया, लेकिन पासपोर्ट कार्यालय ने पति के हस्ताक्षर के बिना उसके आवेदन को मंजूर करने से इंकार किया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

135 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 24 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 135 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में कटंगी तहसील के ग्राम सीताखोह के रामूजी सोनवाने शिकायत लेकर आए थे कि भारतीय स्टेट बैंक शाखा कटंगी द्वारा उसे स्वीकृत 07 लाख रुपये का ऋण देने में टालमटोल की जा रही है। रामूजी ने बैंक से शीघ्र ऋण दिलाने की मांग की। परसवाड़ा तहसील के ग्राम डुडगांव की सोमकली तिल्लासी शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पिता पुरूषोत्तम तिल्लासी का खाता परसवाड़ा बैंक में था। पिता का निधन 23 अक्टूबर 2018 को हो गया है। जिसके बाद बैंक द्वारा पिता की बीमा राशि का आहरण कर लिया गया है। कलेक्टर श्री मीणा ने दोनो ही प्रकरणों में अग्रणी बैंक प्रबंधक को जॉच कर समस्या का निराकरण करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में बैहर के कम्पाउंडर टोला से आयी शीला नायडू ने अपनी शिकायत में बताया कि प.ह.न. 17/1 रा.नि.मं. बैहर में खसरा नं. 382/4 रकबा 0.006 हे. शीला की मालिकी कब्जे की भूमि स्थित है। जिस पर वह नगर पालिका से अनुमति लेकर अपना स्वयं का मकान बनाकर पिछले 25 वर्षो से निवास कर रहीं है। वह अपने ईलाज के लिए बाहर गई हुई थी, इसी बीच पड़ोसी द्वारा उसके मकान के ऊपर अपने मकान की दीवार बनाते हुये आवेदिका की जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। कलेक्टर श्री मीणा ने एसडीएम बैहर को इस प्रकरण की शीघ्र जॉंच करने के निर्देश दिये है। इसी तरह बालाघाट के ग्राम खुटिया की कमलाबाई राजेश्वर शिकायत लेकर आयी थी कि उसके स्वयं के भूमि स्वामी हक की भूमि मौजा खुटिया पहनं 17/43 खसरा नं. 94/3 रकबा 0.288 हे. भूमि पर दिगम्बर लाल बोपचे द्वारा जबरन कब्जा कर लिया गया है और उन्हें जान से मारने की धमकी देता है। कलेक्टर श्री मीणा ने बालाघाट तहसीलदार को इस प्रकारण की शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

जनसुनवाई में बालाघाट के सरस्वती नगर का रवि चंद्रिकापुरे शिकायत लेकर आया था कि उसकी पुत्री इशिका चंद्रिकापुरे ने दिल्ली पब्लिक स्कूल में कक्षा सातवीं पास कर लिया है और अब वह अपनी पुत्री का दाखिला किसी दूसरे स?कूल में करवाना चाहता है। लेकिन दिल्ली पब्लिक स्कूल बालाघाट द्वारा आवेदक को उसकी पुत्री की अंकसूची एवं टीसी नहीं दी जा रही है। कलेक्टर श्री मीणा ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस प्रकरण की जांच कर छात्रा इशिका चंद्रिकापुरे की अंकसूची एवं टीसी दिलवाने के निर्देश दिये हैं। लालबर्रा तहसील के ग्राम बम्हनी के चिंतामन तुमसरे शिकायत लेकर आये थे कि उसके घर के किनारे से बरसात के पानी की नाली बनी है और उसी स्थान से काफी समय से पानी की निकासी होती आ रही है। इस वजह से बरसात के समय कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस पर जिपं सीईओ श्री सराफ ने एसडीएम वारासिवनी को मामले की शीघ्र जांच कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिये है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम धापेवाड़ा का भरतलाल सौलखे शिकायत लेकर आया था कि वह शासन की नल जल योजना के तहत भटेरा प्लांट से धापेवाड़ा और अन्य पंचायतो को पानी सप्लाय के लिये वॉलमेन के पद पर कार्य कर रहा है। उसे 2016 से मार्च 2023 तक 2 हजार रुपये प्रति माह की दर से राशि का भुगतान किया गया है। लेकिन मार्च 2023 से जून 2025 तक 2 हजार रुपये की दर से भुगतान नही किया जा रहा है। जिसके कारण उसकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है और परिवार की भरण पोषण की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। अत: उसे पूर्व की तरह राशि का भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य विभाग के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। लांजी तहसील के ग्राम परसोड़ी का दिलीप नागफासे शिकायत लेकर आया था कि उसकी पुत्री कुमारी खुशी नागफासे का 9 दिसम्बर 2015 को आधार कॉर्ड बनाया गया था। उम्र के आधार पर उसके द्वारा आधार कॉर्ड का अपडेशन कराये जाने पर वह अपडेट नही हो रहा है। आधार अपडेशन कैंशिल हो जाने के कारण उसकी पुत्री का भविष्य अंधकार में हो सकता है। अत: इस समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए। इस प्रकरण में जिला लोक सेवा प्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम बुढ़ी की निवासी सुनीता बिसेन मोटरयान दुर्घटना में मृत्यु होने पर मिलने वाली सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सुनीता का कहना था कि उसके पति प्रभाकर बिसेन की 28 नवम्बर 2024 को लांजी जाते समय सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। लेकिन उसे अब तक शासन से कोई सहायता राशि नही मिली है। इस पर कलेक्ट्रेट की राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। इसी प्रकार की शिकायत वार्ड न.9 भरवेली रूपलाल भारद्वाज लेकर आया था। उसका कहना था कि 4 जनवरी 2025 को उसके पुत्र कामेश की गांगुलपारा से वापस आते समय हुई सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है लेकिन उसे अब तक मोटरयान दुर्घटना के तहत कोई सहायता राशि नही मिली है।

जनसुनवाई में कौशल पंचेश्वर शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पति सुरेश पंचेश्वर की कोविड-19 के दौरान मई 2021 में मृत्यु हो गई है। उसके पति खाद्य विभाग में भृत्य के पद पर पदस्थ थे। उसने अपने पुत्र निर्दोष पंचेश्वर को अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने के लिये आवेदन किया है, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है। इस प्रकरण में जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

ग्राम उकवा-लगमा का निवासी छात्र तुलेश कुमार शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा वर्ष 2023-24 में सरदार पटले विश्वविद्यालय से माईन एंड माईन सर्वेइंग में डिप्लोमा उत्तीर्ण किया गय है। उसके द्वारा विश्वविद्यालय का समस्त शिक्षण शुल्क जमा कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा खुलवाये गए बैंक खाते में छात्रवृत्ति की राशि भी आ गई है, लेकिन इसके बाद भी विश्वविद्यालय द्वारा उसे डिप्लोमा, टीसी और चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान नही किया जा रहा है। जिसके कारण उसक भविष्य खराब हो रहा है। अत: उसे शीघ्रता से डिप्लोमा एवं टीसी दिलायी जाये। इस प्रकरण में नोडल कॉलेज पीजी कॉलेज बालाघाट के प्राचार्य को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

URGENT REQUIREMENT
THERE IS REQUIREMENT OF STAFF FOR REPUTED ENGLISH MEDIUM SCHOOL AT KIRNAPUR
1. VICE PRINCIPAL(1 POST)
QUA:- GRADUATION+GOOD IN ENGLISH+D.ED./B.ED
2.COUNCELER(2 POST)
QUA:- GRADUATE+COMMUNICATION SHOULD BE STRONG+GOOD COMPUTER KNOWLEDGE.
3.TEACHERS(10 POST)
QUA:- GRADUATE+ GOOD IN ENGLISH+ B.ED/D.ED.
4.YOGA TEACHER/ACTIVITY TEACHER(1 POST)
QUA:- GRADUATE IN YOGA.
5. PEON(2 POST)
*CANDIDATE SHOULD BE LOCAL OR NEAR OF AREA.
* CAN BE CONVINCENT WITH TIMING.
*FRESHER OR EXPERIENCE CAN BE APPLIED.
*ONLY NEEDY PERSON CONTACT.
CONTACT:- 7987431437
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा
4 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा
2 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 25 जून को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में सहकारिता, लोक निर्माण, सड़क विकास प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क एवं जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा की जायेगी। जिला पंचायत के सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने के लिये सूचना भेज दी गई हैं।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट